जबलपुर मंगलवार 3 नवम्बर 2026 > कार्तिक कृष्ण पक्ष, नवमीं

वर्ष 32 अंक 126 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत


गणित दर्पण
स्वतंत्र मत
3
जोड़, घटाव, गुणा, भाग, बच्चों की उलझन और सुलझन
बोर्ड परीक्षा में गणित में पूरे अंक पाने की स्मार्ट रणनीति
चेकबोर्ड के सहारे अब होंगे घुटनियों में हल, परीक्षा के लिए आसान ट्रिक
अब ट्रिगनोमेट्री के ट्रिक्स याद करने की जरूरत नहीं

अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान
31.3°C
न्यूनतम तापमान
16.6 °C

सूर्योदय - 6.17 | सूर्यास्त - 5.32


जिला स्तरीय विद्युत सलाहकार समिति... ▶▶ 4


61 वर्ष की हुईं अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे,... ▶▶ 7


वैभव सूर्यवंशी राइजिंग स्टार एशिया कप की ... ▶▶ 10

शराब तस्करों ने टीआई को ट्रक से कुचला

देवास। मध्य प्रदेश के देवास में अवैध शराब से भरे ट्रक ने खातेगांव टीआई दिलीप पुरी को कुचल दिया। वे रविवार रात तस्करी की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंचे थे। अस्पताल में करीब दो घंटे तक इलाज किया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। मामले में एडीईओ और दो कॉन्स्टेबल सस्पेंड किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनकी पत्नी को अनुकंपा पर एसआई पद और परिवार को 1 करोड़ रुपए की सहायता देने की घोषणा की है।

मां-पत्नी और 2 बच्चों की हत्याकर खुद ट्रेन से कटा

भोपाल। भोपाल के मालीखेड़ी में सोमवार को असिस्टेंट लोको पायलट के किराए के घर में एक ही परिवार के 4 लोगों की लाश मिली है। सभी के गले कटे हुए थे। वहीं, घर के बेटे की लाश रेलवे ट्रैक पर मिली है। शक है कि युवक ने पहले सभी की हत्या की, इसके बाद ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। छोला पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में परिवार के मुखिया पर कर्ज का दबाव था। घर में नरेंद्र की मां सरस्वती साहू (50), पत्नी सोमलता साहू (29), बेटी कृति साहू (10) और बेटे खुश साहू (6) के शव मिले। सभी के सिर और गले पर चोट के निशान मिले हैं।

एक्टर इमरान ने बॉम्बे हाईकोर्ट से माफी मांगी

मुंबई। एक्टर इमरान खान ने एसआईआर विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से कहा है कि वे भविष्य में इस तरह के किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट इमरान को मिलने लीव इंडिया नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने उनसे बिना शर्त माफी और अंडरटेकिंग देने का आदेश दिया था। अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। तब तक उनके खिलाफ जारी लीव इंडिया (भारत छोड़ो) नोटिस पर रोक रहेगी।

दिल्ली-एनसीआर में सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक लगाई है।

'मैं जानता हूं आप डरते हो'

राहुल ने प्रधानमंत्री को दी खुली बहस की चुनौती

प्रधानमंत्री को विदेशी मदद मिलने का आरोप

देश की अर्थ व्यवस्था पर विदेशी नियंत्रण का दावा

प्रधानमंत्री के समर्थन में विदेशी मीडिया के होने की बात



एक दशक से ज्यादा समय की निराशा और असंतोष के बाद ये ताकतें अब खुलकर सामने आ गई हैं। इस बयान में यह सवाल भी उठाया गया है कि विदेश में कौन किससे गुप्त रूप से मिल रहा है, भारत विरोधी ताकतों का समर्थन कौन कर रहा है और कौन भारत के दुश्मनों की भाषा बोल रहा है।

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर विदेशी मदद के सहारे सत्ता में बने रहने का आरोप लगाकर राजनीतिक विवाद तेज कर दिया। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और अब भी इसी मदद के सहारे इस पद पर बने हुए हैं। उन्होंने देश की आर्थिक व्यवस्था और विदेशी सोशल मीडिया को लेकर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि वह किसी भी मंच पर और किसी भी समय उनसे चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री इसलिए बहस के लिए नहीं आएंगे, क्योंकि वह जानते हैं कि राहुल उनके बारे में क्या जानते हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, मोदी जी, इस देश से झूठ बोलना बंद कीजिए। आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं। राहुल ने आगे आरोप लगाया कि देश की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण और समर्थन में है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विदेशी सोशल मीडिया पूरी तरह प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पुराने बयान से जुड़ी दो तस्वीरें भी साझा की हैं। पहली तस्वीर में प्रधानमंत्री के बयान का अंग्रेजी अंश दिखाया गया। इसमें कहा गया है कि कुछ ताकतें लगातार देश को बांटने की साजिश में लगी हैं। एक दशक से ज्यादा समय की निराशा और असंतोष के बाद ये ताकतें अब खुलकर सामने आ गई हैं। इस बयान में यह सवाल भी उठाया गया है कि विदेश में कौन किससे गुप्त रूप से मिल रहा है, भारत विरोधी ताकतों का समर्थन कौन कर रहा है और कौन भारत के दुश्मनों की भाषा बोल रहा है। आगे कहा गया है कि इन गतिविधियों के तरीकों को पहचानकर मिलकर उनका मुकाबला करना जरूरी है। उसी तस्वीर के अगले हिस्से में सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है और अफवाहें फैलाई जा रही हैं।

भारत की छवि खराब करने की कोशिश

इसके साथ ही भारत की छवि खराब करने की कोशिशों का भी जिक्र है। बयान में देश के लोगों से इन चुनौतियों का मिलकर सामना करने की अपील की गई है। दूसरी तस्वीर में एक अखबार की खबर की हेडिंग है। इसका अर्थ है कि देश को बांटने वाली ताकतें सक्रिय हैं और सोशल मीडिया का इस्तेमाल अफवाहें फैलाने के लिए किया जा रहा है। तस्वीर के साथ दिए गए विवरण के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था।

मोदी को बहस के लिए क्या चुनौती दी?

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने लिखा, मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच, किसी भी समय। हिम्मत है तो आइए। राहुल ने बहस के लिए न तो किसी खास जगह का नाम लिया और न ही कोई तारीख या समय तय किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी मंच पर आने की चुनौती दी। इसके बाद राहुल ने कहा, आप नहीं आएंगे, क्योंकि जो मैं आपके बारे में जानता हूं आप उससे डरते हैं। इस तरह उन्होंने बहस की चुनौती के साथ प्रधानमंत्री पर यह आरोप भी लगाया कि वह उनके पास मौजूद जानकारी से डरते हैं।



सिवनी में बनेगा फूड पार्क

मुख्यमंत्री ने कहा जीराशंकर चावल और जंबो सीताफल को मिलेगी पहचान

सिवनी (स्वतंत्र मत)।

सिवनी जिले में फूड पार्क बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को सिमरिया मंडी प्रांगण में बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित करते हुए यह घोषणा की। यहां स्थानीय कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण होगा, जिससे किसानों को उपज का बेहतर दाम मिलने और रोजगार के नए अवसर बनने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने जीराशंकर चावल और जंबो सीताफल को सिवनी जिले की खास पहचान बताया। उन्होंने कहा कि प्रसंस्करण और बेहतर बिक्री के जरिए इन उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने टमाटर, मिर्च, अलसी, सरसों और सूरजमुखी की खेती की संभावनाओं का भी जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने किसानों से परंपरागत फसलों के साथ दूसरी फसलें अपनाने की बात कही। फूड पार्क बनने से कृषि आधारित इकाइयों के साथ पैकेजिंग, ग्रेडिंग और भंडारण की सुविधाएं विकसित हो सकती हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि रबी फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली दी जाएगी। धान खरीदी के पंजीयन की आखिरी तारीख भी 4 नवंबर तक बढ़ाई गई है। इससे पंजीयन से छूटे किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष बताते हुए खेती को आधुनिक तकनीक और उद्यानिकी से जोड़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम में सांसद भारती पारधी, विधायक दिनेश राय और अन्य जनप्रतिनिधियों ने किसानों की आय बढ़ाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की बात कही। किसानों से नरवाई नहीं जलाने और कम पानी वाली फसलें अपनाने की अपील भी की गई।

वीबी-जीरामजी योजना में भ्रष्टाचार पर नकेल



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वीबी-जीरामजी अधिनियम, 2025 के तहत शिकायतों का निपटारा करने के लिए नियम अधिसूचित किए हैं। इनके तहत ग्रामीण रोजगार योजना से जुड़ी शिकायतों का समाधान 15 दिनों के भीतर किया जाना अनिवार्य होगा। अगर निर्धारित समय-सीमा के भीतर शिकायतों का समाधान नहीं हो पाता है, तो उन्हें उच्च स्तर पर भेजने की व्यवस्था भी की गई है। योजना में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से अधिसूचित नियमों के तहत राज्य सरकारों को शिकायतों का समाधान करने के लिए ग्राम पंचायत, ब्लाक और जिला स्तर पर तीन-स्तरीय व्यवस्था करनी होगी। मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि शिकायत निवारण के लिए हर स्तर पर नामित अधिकारी होंगे, जो शिकायतें प्राप्त करेंगे, जांच करेंगे और निपटारा करेंगे।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बंद की सुनवाई

नई दिल्ली

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोपों से जुड़ी याचिकाओं का सुप्रीम कोर्ट ने निपटारा कर दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि इस मामले में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। इसके बाद चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने संबंधित मजिस्ट्रेट को कानून के मुताबिक आगे की कार्यवाही करने का निर्देश दिया। कोर्ट एसआईटी जांच पर दाखिल याचिकाओं का सुप्रीम कोर्ट ने निपटारा करते हुए मामले की सुनवाई बंद कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत को कानून के मुताबिक कार्रवाई करने को कहा है साथ ही याचिकाकर्ताओं को निचली अदालत की सहायता करने की इजाजत दी है। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जानकारी दी कि इस मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गहराई से छानबीन कर रही है। मंदिर में भक्तों द्वारा किए गए दान और नकदी की गिनती के समय कथित तौर पर चोरी और हेराफेरी की जा रही थी। पुलिस और जांच एजेंसियों ने आरोपियों और उनके रिश्तेदारों के बैंक खातों की वित्तीय ट्रेकिंग की है। जांच में सामने आया है कि कुछ कर्मचारियों ने भारी मात्रा में संपत्ति खरीदी। कोर्ट को बताया गया को एक मामले में कर्मचारी ने 50 लाख रुपये की संपत्ति की खरीद की। उसमें केवल 15 लाख रुपये बैंक ट्रांजैक्शन के जरिए दिखाए गए। बाकी का भुगतान इस चोरी के जरिए जमा किए गए काले धन/नकद से किया गया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा, हमने आपको इजाजत दे दी है सिविल कोर्ट में जाकर बात रखने की।



सोनिया-लालू की मुलाकात



नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव से मुलाकात की। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में हुई रैली के बाद इस मुलाकात को विपक्षी एकजुटता के लिहाज से अहम माना जा रहा है। ऐसे समय में जब विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और वोट चोरी के मुद्दे पर केंद्र सरकार तथा चुनाव आयोग को घेर रहा है। कांग्रेस और राजद के शीर्ष नेताओं की यह बैठक गठबंधन की आगे की रणनीति के संकेत देती है। रामलीला मैदान की रैली में तेजस्वी यादव ने वोट चोरी के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में वोट चोरी की शुरुआत बिहार से हुई। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को 'दो नंबरी सरकार' बताते हुए उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान में इस बार वोट चोरों के खिलाफ महाभारत का आयोजन किया गया है। महाभारत के शकुनि और उसके पासों का उदाहरण देते हुए तेजस्वी ने चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने इस लड़ाई को देश के मतदाताओं और धोखेबाजों के बीच की लड़ाई बताया। तेजस्वी ने अपने संबोधन में आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने विपक्षी दलों से एकजुट होकर भाजपा को हराने का आह्वान किया। इससे साफ है कि राजद इस मुद्दे को केवल बिहार तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की साझा राजनीतिक मुहिम बनाना चाहता है।

बिहार को बताया वोट चोरी का पहला पीड़ित

नौसेना के लिए 53,866 करोड़ रुपये में बनेंगे 8 नए युद्धपोत

नई दिल्ली (वार्ता)। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के आठ कार्वेट बनाने के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के साथ 53,866.50 करोड़ रुपये के अनुबंध किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इन अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे स्वदेशी जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत अच्छी खबर बताते हुए कहा है कि यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम है। अनुबंध के तहत जीआरएसई पांच युद्धपोतों का निर्माण करेगा, जबकि जी एस एल को तीन युद्धपोत बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। इस परियोजना की खास बात यह है कि पहली बार भारतीय नौसेना खुद इन युद्धपोतों का डिजाइन तैयार करेगी और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिए चुने गए रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इनका निर्माण करेंगे।

'अर्नब' के बाद अब 'मुरासु' ढाएगा कहर

19 उड़ानें रद्द, मध्यप्रदेश के 28 जिलों में दिखेगा असर



अमरावती/भोपाल। मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि भीषण चक्रवाती तूफान 'मुरासु' के दो और तीन नवंबर की दरमियानी रात नेल्लोर और नरसापुर के बीच आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की संभावना है। तूफान के प्रभाव से राज्य में व्यापक बारिश होने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश एक सप्ताह के भीतर 'अर्नब' के बाद दूसरे चक्रवात का सामना कर रहा है। चक्रवाती तूफान 'मुरासु' के कारण सोमवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, तिरुपति और विशाखापत्तनम हवाई अड्डों से संचालित होने वाली कम से कम 19 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। विजयवाड़ा हवाई अड्डे के निदेशक एम. लक्ष्मी कांथा रेड्डी ने बताया कि इंडिगो ने 10 और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने दो उड़ानें रद्द की हैं। वहीं, जीएमआर समूह के एक अधिकारी ने बताया कि विशाखापत्तनम हवाई अड्डे (भोगापुरम) ने चार उड़ानें रद्द कर दी हैं। तिरुपति हवाई अड्डे के निदेशक डी. भूमिनाथन ने बताया कि इंडिगो ने विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और बेंगलुरु जाने वाली उड़ानें रद्द की हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक चक्रवाती तूफान मुरासु का असर मध्यप्रदेश के 28 जिलों में भी दिखाई देगा। मुरासु का असर मध्यप्रदेश में 3 नवंबर से ही दिखाई देने लगेगा। 3 नवंबर को प्रदेश के बड़वानी, खरगौन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, जबलपुर, कटनी, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, अनूपपुर, शहडोल, मैहर, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज में दिखाई देगा। इन जिलों में 40 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलने और बारिश की संभावना है। 4 नवंबर को प्रदेश के झाबुआ, अलीराजपुर, बडवानी, धारी, खरगौन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुर, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, जबलपुर, कटनी, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, उमरिया, मैहर, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर में तेज हवा और बरिश की संभावना है। 5 नवंबर को प्रदेश के बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, पांढुर्णा, छिंदवाडा, नरसिंहपुर, जबलपुर, मंडला, बालाघाट, कटनी, डिंडोरी, उमरिया, शहडोल, मैहर, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली में तेज हवा और बारिश की संभावना है।

नीट पीजीः सुप्रीम कोर्ट ने बोर्ड से मांगा जवाब

प्रश्न-उत्तर कुंजी सार्वजनिक करने में क्या परेशानी?

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज की मौजूदा नीति पर असंतोष जताया है। अदालत ने बोर्ड से पूछा है कि वह नीट-पीजी परीक्षा में प्रश्नपत्र और उत्तर कुंजी की पूरी जानकारी देने से क्यों बच रहा है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने बोर्ड को इस संबंध में लिखित जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने विशेष रूप से यह बताने को कहा है कि यदि अभ्यर्थियों को परीक्षा के प्रश्नपत्र की प्रति अपने पास रखने की अनुमति दी जाती है, तो इससे परीक्षा की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ेगा। पीठ ने अपने आदेश में कहा, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) लिखित जवाब दाखिल करे और बताए कि स्नातकोत्तर नीट परीक्षा की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रश्नों का खुलासा करना किस तरह नुकसानदायक हो सकता है। एनबीईएमएस की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, पारदर्शिता का क्या होगा? आप जो कर रहे हैं, उसके बारे में आपको और विस्तार से समझाना होगा। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने आगे कहा कि अदालत बोर्ड की मौजूदा नीति से पूरी तरह संतुष्ट नहीं है। उसे यह स्पष्ट करना होगा कि उसकी परीक्षा व्यवस्था दूसरी परीक्षाओं से अलग क्यों है। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। आपको हमें ठीक-ठीक समझाना होगा कि आप दूसरी परीक्षाओं से अलग रुख क्यों अपना रहे हैं। अदालत की इस टिप्पणी से साफ है कि वह केवल प्रश्न बैंक सीमित होने की दलील को पर्याप्त नहीं मान रही है। बोर्ड को अपने फैसले के पीछे ठोस कारण बताने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने एनबीईएमएस को लिखित जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। बोर्ड को अपने जवाब में मुख्य रूप से यह स्पष्ट करना होगा कि प्रश्नों का खुलासा करने से परीक्षा की विश्वसनीयता कैसे प्रभावित हो सकती है। इस मामले में अब आगे की सुनवाई के दौरान बोर्ड की दलीलों पर विचार किया जाएगा।



किस मामले की सुनवाई कर रहा है सुप्रीम कोर्ट?

सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हो रही थी। ये याचिकाएं राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर दाखिल की गई हैं। इनमें परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उत्तर कुंजी सार्वजनिक करने का मुद्दा भी शामिल है। याचिकाकर्ताओं की मुख्य चिंता यह है कि अभ्यर्थियों को अपने प्रश्नों और उनके सही उत्तरों की पूरी जानकारी मिलनी चाहिए। इससे वे यह समझ सकेंगे कि उनका मूल्यांकन किस आधार पर किया गया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने परीक्षा बोर्ड से उसकी नीति के पीछे का तर्क स्पष्ट करने को कहा।

सीएम हेल्पलाइन में ग्रेड-ए प्राप्त करने के लिए सभी विभाग अभी से करें प्रयास: कलेक्टर

1000 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से होगा निराकरण

शहडोल (स्वतंत्रमत)



कलेक्टर ने जिले के सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन में ग्रेड-ए प्राप्त करने के लिए अभी से प्रभावी प्रयास शुरू करें। सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर आवेदकों को राहत प्रदान की जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 1000 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। संबंधित विभागीय अधिकारी ऐसी शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और उनके निराकरण में आ रही समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था है, जिसके माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जाता है। इसलिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ शिकायतों का निराकरण करें। समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान जिला परिवहन अधिकारी के लगातार बैठक में अनुपस्थित रहने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। बैठक में अनुपस्थित रहना तथा सौंपे गए दायित्वों के प्रति लापरवाही बरतना स्वीकार नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं प्राथमिकता वाले कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। साथ ही आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने तथा लंबित प्रकरणों में अनावश्यक देरी नहीं करने को कहा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, डीएफओ श्रद्धा पेंद्रे, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, मिनिषा पाण्डेय, एसडीएम जयसिंहनगर काजोल सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर अमृता गर्ग, एसडीएम ब्यौहारी अर्चना मिश्रा, एसडीएम जैतपुर दीपक मंडावी, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, एंटोनिया एक्का, अंकित ऊके सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फॉरेंसिक विभाग की पहल: पीटीएसएनएसयू में क्राइम सीन मैनेजमेंट पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

शहडोल (स्वतंत्रमत)



पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय (पीटीएसएनएसय), शहडोल में फॉरेंसिक विभाग के तत्वावधान में क्राइम सीन मैनेजमेंट (अपराध स्थल प्रबंधन) विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने विशेष रूप से उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अपराध स्थल के वैज्ञानिक प्रबंधन, साक्ष्यों के संरक्षण, संग्रहण एवं दस्तावेजीकरण की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराना रहा। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी आपराधिक घटना की जांच में अपराध स्थल को सुरक्षित रखना तथा उपलब्ध साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से एकत्रित करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। कार्यक्रम का आयोजन फॉरेंसिक विभाग की विभागाध्यक्ष ममता प्रजापति के मार्गदर्शन एवं समन्वय में किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को क्राइम सीन मैनेजमेंट की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अपराध स्थल पर साक्ष्यों की सुरक्षा, फोटोग्राफी, फिंगरप्रिंट, जैविक एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों के संकलन तथा उनके वैज्ञानिक परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को सफल बनाने में फैकल्टी सदस्य मनीष कुमार एवं रोहित सिंह का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। दोनों शिक्षकों ने विद्यार्थियों को क्राइम सीन मैनेजमेंट की व्यावहारिक प्रक्रियाओं एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझाने में सहयोग किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फॉरेंसिक विभाग के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं व्यावहारिक प्रक्रियाओं को समझते हुए क्राइम सीन मैनेजमेंट के विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए फॉरेंसिक विज्ञान की बढ़ती उपयोगिता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक अपराधों की जांच में वैज्ञानिक तकनीकों और फॉरेंसिक साक्ष्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान और नवीन तकनीकों से परिचित होना चाहिए।

खाद्य प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण, लिए गए सैंपल



शहडोल (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देषन में खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु खाद्य सुरक्षा प्रशासन शहडोल द्वारा लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा प्रशासन शहडोल द्वारा मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के साथ जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बुढ़वा, देवलोद, बाणसागर और ब्यौहारी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रमुख प्रतिष्ठानों पर जांच की गई एवं खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच हेतु सैपल लिए गए। बुढ़वा के राजेंद्र किरानारू यहाँ से साबूदाना का नमूना लिया गया तथा बेस्ट बिफोर डेट समाप्त हो जाने के पश्चात रखी लगभग 11,000 रुपये मूल्य की खाद्य सामग्री का मौके पर विनिष्टीकरण कराया गया, संतोष किराना यहाँ से बादाम का नमूना लिया गया तथा बेस्ट बिफोर डेट समाप्त हो चुकी लगभग 6,000 रुपये मूल्य की खाद्य सामग्री का भी विनिष्टीकरण कराया गया।

सौविक सोनी ने शहडोल जिले का बढ़ाया मान

12वीं के छात्र का राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में हुआ चयन

शहडोल (स्वतंत्रमत)



जिले के प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ी सौविक सोनी का चयन 70वीं शालेय राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता (आयु वर्ग-19 वर्ष बालक) के लिए मध्यप्रदेश शालेय दल में हुआ है। उनके चयन से जिले एवं शहडोल संभाग का गौरव बढ़ा है। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, शहडोल संभाग उमेश कुमार धुर्वे ने चयनित खिलाड़ी सौविक सोनी को खेल किट प्रदान कर फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सहायक संचालक खेल रईस अहमद, प्राचार्य अजय सिंह, शिवानी नामदेव, युवराज सिंह सहित कोच एवं अन्य खिलाड़ियों ने सौविक को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सहायक संचालक खेल ने बताया कि सौविक सोनी अशासकीय ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शहडोल में कक्षा 12वीं के छात्र हैं। उनका चयन 70वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मध्यप्रदेश शालेय दल के लिए किया गया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर में 23 से 24 अक्टूबर तक किया गया था। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व सौविक सोनी 4 से 10 नवंबर तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, नरसिंहपुर में आयोजित 7 दिवसीय प्री-नेशनल कोचिंग कैंप में भाग लेंगे। इसके बाद 11 से 17 नवंबर तक नरसिंहपुर में आयोजित 70वीं शालेय राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश दल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मां कंकाली मंदिर ट्रस्ट समिति की आय एवं व्यय को लेकर विशेष बैठक आयोजित



शहडोल (स्वतंत्रमत)। मां कंकाली मंदिर ट्रस्ट समिति अंतरा मंदिर में शारदेय नवरात्रि के दौरान प्राप्त आय एवं किए गए व्यय की जानकारी साझा करने के उद्देश्य से एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नवरात्रि पर्व के दौरान मंदिर में प्राप्त दान एवं अन्य आय तथा विभिन्न व्यवस्थाओं पर हुए खर्च का विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में जानकारी दी गई कि शारदेय नवरात्रि के दौरान मंदिर ट्रस्ट को कुल 11 लाख 18 हजार 451 रुपये की आय प्राप्त हुई, जबकि विभिन्न व्यवस्थाओं एवं आयोजनों पर कुल 6 लाख 79 हजार 514 रुपये व्यय किए गए। इस प्रकार आय एवं व्यय का हिसाब प्रस्तुत करने के बाद मंदिर ट्रस्ट के पास 4 लाख 38 हजार 937 रुपये की शुद्ध बचत शेष रही। बैठक में आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत कर आर्थिक पारदर्शिता की जानकारी दी गई। ट्रस्ट के सचिव नायब तहसीलदार एस.एल. मोगरे, अध्यक्ष, वीरेन्द्र सिंह सहित सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहें।

पिपरिया कॉलरी के कार्यालय अधीक्षक संतोष सिंह हुए सेवानिवृत्त, सभी ने किया सम्मानित



उमरिया (स्वतंत्रमत)

सोमवार 2 नवम्बर को उमरिया के पिपरिया कॉलरी के प्रांगण में संतोष कुमार सिंह, कार्यालय अधीक्षक के सेवानिवृत्त होने के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संतोष सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती नीलम सिंह, उनके समधी-समधन साहब, इष्टमित्र एवं अनेक वरिष्ठजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम में एरिया पर्सनल मैनेजर ए.प्रसाद, उमरिया उपक्षेत्र के उपक्षेत्रीय प्रबंधक अशोक राम, बिनोद शुक्ला, प्रशांत पांडे, सौरभ तिवारी, सूर्यप्रकाश गौतम, रामनारायण पयासी, एस. चटर्जी, नौमीशरण यादव, उदय प्रताप सिंह, डॉक्टर शेख उस्मान मंसूरी, मुख्तियार खान, रघुराम सिंह, शिवभान मिश्रा, बी.डी. अग्रवाल, धनुर्धारी सिंह, रघुपत सिंह, अफसर अली राही, रामसरण, रवि बाबू एवं अजय कुमार सिंह, विजय कुमार जोशी ,अफसर अली व महिला स्टाफ की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। क्षेत्रीय कार्मिक प्रबन्धक ए. प्रसाद ने संतोष सिंह को शाल श्रीफल फूलमाला पहना कर सम्मानित करते हुऐ कहा कि इन्होने अपनी पूरी सेवा में कम्पनी के प्रति वफादारी से कार्य करते हुऐ कम्पनी के हित में कार्य किया। जो नौकरी ज्वाईन किया है तो उसे रिटायर भी होना ही पड़ेगा लेकिन इनकी कमी हमें हमेशा अखरेगी। समारोह के दौरान सभी सम्माननीय अतिथियों एवं वरिष्ठजनों ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने संतोष बाबू के सेवाकाल, कार्यशैली, पारदर्शिता के साथ कार्य अनुभव, व्यवहार एवं सहकर्मियों के साथ उनके मधुर संबंधों की सराहना करते हुऐ सम्पूर्ण जीवन में निःस्वार्थ भाव से कर्मचारियों की सहायता करने की उनकी पहल की सराहना करते हुऐ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आदर्श कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु नि:शुल्क कक्षाएं प्रारंभ



उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की प्रतिपूर्ती में छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ करियर एवं रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने हेतु मध्यू प्रदेश स्थापना दिवस के शुभावसर आदर्श कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निशुल्क 2 नवम्बर से कक्षाएं प्रारंभ हो गईं है। महाविद्यालय के नियमित छात्र छात्राओं के लिए स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं एनएसएस के अंतर्गत प्रत्येक दिवस शाम 3 से 4 बजे 1 घंटे की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी संबंधी कक्षा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अंसारी के विशेष एवं नियमित मार्गदर्शन के साथ ही अन्यय प्राध्यापक स्वैच्छिक रूप से समाज विज्ञान, सामान्य ज्ञान, अंकगणित, मानसिक योग्यता, तर्कशक्ति, साक्षात्कार कौशल, समसामयिकी, व्यक्तित्व विकास पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। माह के अंत में प्रतियोगियों की लिखित परीक्षा ली जावेगी।

अमहाईधार में मिला तेंदुए का शव

शिकार को लेकर दो वन्यजीवों के बीच हुई भिड़ंत में तेंदुए की मौत की आशंका,

उमरिया (स्वतंत्रमत)



घुनघुटी वन परिक्षेत्र अंतर्गत कांचोदर बीट के अमहाईधार में रविवार देर शाम एक तेंदुए का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया।हैरानी की बात यह है कि घटनास्थल के नजदीक एक पालतू गाय का शव भी पड़ा मिला है। एक ही स्थान पर दो वन्यजीवों और मवेशी की मौत से मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि गाय के शिकार को लेकर तेंदुए और बाघ के बीच संघर्ष हुआ होगा, जिसमें तेंदुए की जान चली गई। तेंदुवा करीब 07 से 10 वर्ष का बताया जा रहा है। घटना स्थल के करीब टाइगर के पदमार्ग भी मिलने की खबर है, हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और अमला मौके पर पहुंचा तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। तेंदुए का शव कांचोदर बीट के आरएफ-233 क्षेत्र में मिला है। वन अधिकारी मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों और अन्य परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं।फिलहाल वन विभाग द्वारा जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर तेंदुए के शव के अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है।

सड़क हादसे में सब्जी विक्रेता की मौत



उमरिया (स्वतंत्रमत)।

कोतवाली थाना अंतर्गत खलेसर तिराहे में दर्दनाक सड़क बाईक में सवार सब्जी विक्रेता के मौत हो गई। बताया जाता है कि बाइक में दूसरा सवार गम्भीर रूप से चोटिल है,जिन्हें 108 की मदद से जिला अस्पताल लाया जा रहा है।हादसा ट्रक -बाईक भिड़ंत होने से बताई जा रही है। बताया जाता है कि हादसे में मृतक रमेश सिंह है, जो सेहरा-करकेली से है। जिनकी आयु 62 वर्ष के करीब बताई जा रही है। हादसे के बाद 108 की मदद से इन्हें जिला अस्पताल लाया गया था,परन्तु हादसे के बाद ज़िंदगी की जंग लड़ रहा रमेश अस्पताल आते आते मौत के आगोश में समा गया, अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।इनके अलावा बाईक में पुरुषोत्तम पिता रामसजीवन साहू उम्र 51 वर्ष भी थे,जो गम्भीर रूप से जख्मी है।जिन्हें 108 की मदद से जिला अस्पताल ले आया गया है,जो फिलहाल इलाजरत है।

अंधेरगर्दी: पिकअप और बोलेरो के नाम पर मोटरसाइकिलों का हुआ भुगतान..!

मुख्यमंत्री के गुरुवाही दौरे के नाम पर आहरित की गई राशि, धनवाही पंचायत का मामला

उमरिया (स्वतंत्रमत)

सरकारी खजाने में सेंधमारी उसके तकवार ही कर रहे हैं। जिले की पंचायतों में फैले भ्रष्टाचार की जड़ ने सिस्टम की पारदर्शी व्यवस्था औद जनपद से लेकर जिले तक बैठे प्रशासनिक सेवकों के कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सरकारी पैसे का हिसाब देखा जाए, तो पंचायतों में अक्सर कागजों का खेल सामने आने लगता है। ऐसा ही एक मामला करकेली जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत धनवाही से सामने आया है, जहां मुख्यमंत्री के 14 अक्टूबर को उमरिया के गुरुवाही दौरे के दौरान ग्रामीणों को कार्यक्रम स्थल तक ले जाने के नाम पर दोपहिया वाहनों का भुगतान किए जाने की जानकारी सामने आई है। और सचिव को भुगतान से संबंधित जानकारी न होना और बाद में उसे दिखवाने का दावा कई प्रश्न चिन्ह खड़े कर रहा है। सवाल ये है कि आखिर सिस्टम की निगरानी कर कौन रहा है ? या फिर भ्रष्टाचार का खुला संरक्षण ही अब शिष्टाचार में सेट करने की कवायद की जा रही है।

क्या है मामला -

मुख्यमंत्री के गुरुवाही दौरे पर स्थल तक पंचायत के जिम्मेदारों को ग्रामीणों के पहुंचने के लिए व्यवस्था मुहैया कराने का निर्देश दिया गया। जिसमें कई पंचायतों ने वाहनों को भेजा, लेकिन करकेली जनपद की धनवाही पंचायत से लगभग पांच वाहनों का भुगतान किया गया, जिसमें दो पहिया वाहन भी शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों को ले जाने के लिए मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल किया गया। इनमें एमपी-17-जेडए-1482 और एमपी-54-जेडसी-1817 नंबर के वाहन बताए जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि दोपहिया वाहनों को बोलेरो और पिकअप वाहन के नाम पर तीन हजार और



चार हजार नौ सौ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। वहीं कुछ अन्य बोलेरो वाहनों पर 4900 रुपये तक का भुगतान दर्शाया गया है। कुल पांच बिलों के जरिए 20700/- रुपये की राशि खर्च किए जाने की जानकारी सामने आई है। नागरिकों को ले जाने के लिए बस और चार पहिया वाहन से ढोया जा सकता है, लेकिन दो पहिया वाहन से आखिरकार कितने लोगों को भेजा गया यह समझ से परे है। अब सवाल यह है कि दोपहिया वाहनों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को ले जाना संभव था या फिर कागजों में ही वाहन दौड़ाकर पंचायत की राशि का भुगतान दर्शा दिया गया। क्योंकि बिल में जिन नम्बरों को भरकर भुगतान किया गया, वह दो पहिया के हैं और बिल में बोलेरो लिखा गया। पूरे मामले में सन्देहास्पद यही है कि जिन वाहनों को बोलेरो बताकर भुगतान किया गया, वे वास्तव में मोटरसाइकिल हैं तो फिर ग्रामीणों को कार्यक्रम स्थल तक ले जाने की व्यवस्था कैसे हुई ? क्या मोटरसाइकिलों से ग्रामीणों को ढोया गया या फिर वाहन के नाम और बिलों में ही हेरफेर कर दिया गया। मौके पर पहुंचने वाले वाहनों के सत्यापन और भुगतान की अनुमति के आधार पर भी सवाल उठ रहे हैं। पंचायत में विकास कार्यों के लिए पैसों की कमी का रोना रोया जाता है, वहीं दूसरी ओर दौरे के नाम पर दोपहिया वाहनों के बिलों में हजारों रुपये खर्च होने की जानकारी सामने आ रही है। आखिर इस खर्च का वास्तविक आधार क्या है। ऐसा लगता है कि न मापदंड हैं और न ही नैतिक जिम्मेदारी। जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारियों की कार्यशैली सिस्टम को खोखला करने में जुटे हैं।

जांच हुई तो खुल सकती है भुगतान की परतें

सरकारी राशि के खर्च का आधार बिल और वास्तविक वाहन होने चाहिए, लेकिन धनवाही पंचायत के इस मामले में दोनों के बीच अंतर नजर आने की बात सामने आ रही है। अब जनपद और जिला पंचायत के अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वाहन नंबर, बिल, भुगतान रिकॉर्ड और कार्यक्रम स्थल पर वाहनों की मौजूदगी की जांच करें। सवाल यह भी है कि यदि दोपहिया वाहनों के नाम पर बोलेरो का भुगतान हुआ है तो इसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी तय होगी।

जोड़, घटाव, गुणा, भाग, बच्चों की उलझन और सुलझन

प्रारंभिक गणितीय संक्रियाओं (जैसे जोड़, घटाव, गुणा और भाग) को सीखते समय छात्रों को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ये कठिनाइयाँ अक्सर अवधारणाओं (Concepts) की सही समझ न होने या अभ्यास की कमी के कारण होती हैं। यदि शिक्षक और अभिभावक इन समस्याओं को समय रहते पहचान लें और सही तरीके अपनाएँ, तो बच्चों की गणित के प्रति रुचि और आत्मविश्वास दोनों बढ़ाए जा सकते हैं।

1 स्थानीय मान (Place Value) और हासिल (Carry/Borrow) की समझ न होना - छात्र अक्सर जोड़ते समय हासिल (carry) को जोड़ना भूल जाते हैं या घटाते समय उधार (borrow) लेने की प्रक्रिया को नहीं समझ पाते। उदाहरण के लिए, 43 में से 19 घटाते समय वे बड़ी संख्या से छोटी संख्या को सीधे घटा देते हैं (जैसे 3 में से 9 न घटाकर, 9 में से 3 घटा देना)।

समाधान - बच्चों को एबाकस (Abacus) ब्लॉक या तीलियों के बंडल (Dienes Blocks) की मदद से इकाई और दहाई का अंतर ठोस रूप से समझाएं। उन्हें सिखाएं कि 10 इकाई मिलकर 1 दहाई बनती है, जिससे हासिल और उधार की अवधारणा स्पष्ट हो सके।

2 शून्य ;(zero½ का भ्रम कठिनाई - शून्य को लेकर छात्र सबसे ज्यादा गलतियां करते हैं। गुणा में (5 x 0 ¾ 5) लिख देना, या घटाव में (50 - 7) करते समय शून्य के महत्व को न समझना आम बात है।

स्माधान - कहानी या खेल के माध्यम से समझाएं कि शून्य का मतलब कुछ नहीं होता है। संख्या रेखा (Number Line) का उपयोग करके दिखाएं कि किसी संख्या में शून्य जोड़ने या घटाने पर स्थान क्यों नहीं बदलता।

3 संक्रियाओं के चिन्हों (Symbols) को पहचानने में भूल - कई बार छात्र जोड़ और गुणा के चिन्हों में भ्रमित हो जाते हैं, जिससे वे जोड़ने की जगह गुणा या गुणा की जगह जोड़ देते हैं।



समाधान - चिन्हों को बड़े आकार में रंगीन चार्ट पर प्रदर्शित करें। जब भी छात्र सवाल हल करें, उन्हें पहले चिन्ह पर गोला लगाने और उसे जोर से बोलने (जैसे- मुझे यहाँ घटाना है, या यहां जोड़ना है) के लिए प्रोत्साहित करें।

4 पहाड़ों Multiplication Tables) को रटना, समझना नहीं - पहाड़ों को बिना समझे रटने के कारण छात्र गुणा और भाग के बड़े सवालों में अटक जाते हैं। वे भूलने पर पूरा क्रम दोबारा पढ़ने लगते हैं।

समाधान - गुणा को बार-बार जोड़ना (Repeated Addition) के रूप में सिखाएं पेपर या (Dots) के जरिए गुणा का पैटर्न समझाएं।

5 इबारती प्रश्न (Word Problems) न समझ पाना - छात्र सामान्य जोड़-घटाव तो कर लेते हैं, लेकिन जब वही सवाल भाषा (शब्दों) के रूप में आता है, तो वे समझ नहीं पाते कि इसमें जोड़ना है या घटाना।

समाधान -प्रश्नों को वास्तविक जीवन की स्थितियों से जोड़ें (जैसे- आपके पास 5 चाकलेट थीं, 2 दोस्त ने ले ली...). छात्रों को मुख्य शब्द पहचानना सिखाएं, जैसे, कुल मिलाकर (जोड़), कितना बचा (घटाव), बराबर बांटना (भाग)।

शिक्षकों और अभिभावकों के लिए सामान्य सुझाव

ठोस से अमूर्त की ओर (Concrete to Abstract) शुरुआत में हमेशा कंकड़, पेन, या खिलौनों जैसी वास्तविक वस्तुओं का उपयोग करें। सीधे कॉपी-किताब पर संख्याएं न लिखाएं। गणितीय खेल जैसे लूडो, व्यापार या कार्ड गेम्स के जरिए खेल-खेल में गणना सिखाएं। गलतियों का विश्लेषण करें, बच्चों को डांटने के बजाय यह देखें कि उन्होंने गलती कहाँ की है। उनकी सोच के तरीके को समझकर सुधार करें।



राजेन्द्र तिवारी
विषय विशेषज्ञ, जबलपुर

बोर्ड परीक्षा में गणित में पूरे अंक पाने की स्मार्ट रणनीति

बोर्ड परीक्षा पास आते ही ज्यादातर छात्रों का तनाव गणित को लेकर बढ़ जाता है। उन्हें चिंता रहती है कि तीन घंटे में पेपर कैसे संभालें और कॉपी कैसे लिखें कि एक भी नंबर न कटे। विशेषज्ञों के अनुसार गणित में थ्योरी नहीं होती, इसलिए इसमें पूरे अंक लाना सबसे आसान है। जरूरत बस सही रणनीति की है।

शुरुआती 15 मिनट का सही उपयोग

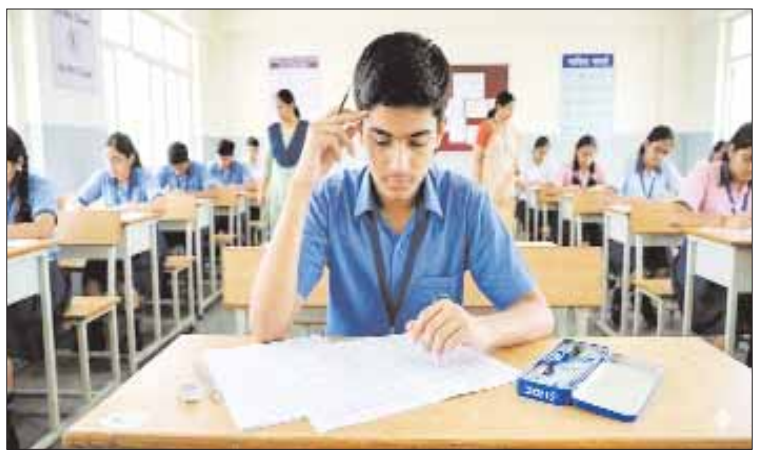
प्रश्न पत्र मिलते ही लिखना शुरू न करें। शुरुआती 15 मिनट पेपर पढ़ने के लिए मिलते हैं। सबसे पहले तय करें कि कौन से प्रश्न सबसे अच्छे से आते हैं। प्रश्नों को कठिनाई के आधार पर मन में बाँट लें।

पहले पक्के सवाल हल करें

सबसे पहले उन सवालों को हल करें जो आपको आता है। सेक्शन की चिंता छोड़कर पहले वे प्रश्न करें जिन पर पूरा भरोसा है। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है, समय बचता है और परीक्षक पर कॉपी का अच्छा प्रभाव पड़ता है।

स्टेप-वाइज मार्किंग का फायदा

गणित में सिर्फ अंतिम उत्तर के नहीं, हर चरण के अंक मिलते हैं। दिया है, ज्ञात करना है और सूत्र साफ लिखें। अंतिम



उत्तर गलत होने पर भी सही स्टेप्स के आधे या तीन-चौथाई अंक मिल सकते हैं। इसलिए कोई सवाल खाली या अधूरा न छोड़ें।

रफवर्क के लिए अलग कॉलम

कैलकुलेशन से मुख्य उत्तर पुस्तिका गंदी नहीं होनी चाहिए। कॉपी के दाहिनी ओर सीधी लाइन खींचकर रफ कार्य लिखें और सारी गणना वहीं करें। परीक्षा खत्म होने पर रफ कार्य को एक सीधी लाइन से काट दें।

उत्तर और सूत्र को हाईलाइट करें

सवाल हल होने पर अंतिम उत्तर को बॉक्स में बंद करें और उसकी इकाई (सेमी, मीटर, वर्ग इकाई आदि) जरूर लिखें। प्रयोग किया गया मुख्य सूत्र भी साइड में या अलग पंक्ति में स्पष्ट लिखें। इससे अच्छे अंक मिलेंगे।

ज्यामिति और ग्राफमें पेंसिल का प्रयोग

चित्र और ग्राफ वाले सवालों पर खास ध्यान दें। जहाँ जरूरी हो, साफ-सुथरा चित्र बनाएँ।

इसके लिए हमेशा शार्प पेंसिल और स्केल इस्तेमाल करें, पेन नहीं। चित्र में नामकरण (लेबलिंग) स्पष्ट रखें।

समय प्रबंधन सबसे जरूरी

अक्सर छात्र एक कठिन सवाल में उलझकर आधा समय गँवा देते हैं। अगर कोई सवाल नहीं बन रहा, तो उसकी जगह छोड़ दें और आगे बढ़ें। अंत में समय बचने पर उसे दोबारा हल करें। याद रखें सही योजना, साफ-सुथरी कॉपी, नियमित अभ्यास से गणित का डर दूर होता है और पूरे अंक पाना संभव है।



मोहित अग्रवाल

टीचर, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर

मंजुल भार्गव, जिन्होंने गणित को संगीत की तरह जिया

क्या गणित सिर्फ सूत्रों और कठिन सवालों का नाम है? मंजुल भार्गव का जीवन इस सोच को बदल देता है। कनाडा में जन्मे और अमेरिका में पले-बढ़े इस भारतीय मूल के गणितज्ञ ने तबले की थाप, संस्कृत के छंदों और संख्याओं के बीच छिपे रिश्तों को पहचाना। मात्र 28 वर्ष की उम्र में प्रिंसटन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बने और 2014 में गणित का सर्वोच्च सम्मान फील्ड्स मेडल जीता। यह उपलब्धि पाने वाले वे भारतीय मूल के पहले गणितज्ञ हैं। उनकी कहानी हर उस विद्यार्थी के लिए प्रेरणा है, जो गणित से डरता है।



बचपन और परिवार

उनकी मां मीरा भार्गव खुद गणितज्ञ और प्रोफेसर थीं। उन्होंने बचपन में ही बेटे के भीतर गणित के प्रति जिज्ञासा जगाई। नाना पुरुषोत्तम लाल भार्गव संस्कृत के विद्वान थे, जिनसे मंजुल को संस्कृत और भारतीय काव्य परंपरा मिली। उन्होंने प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन से तबला भी सीखा। संगीत की लय और संस्कृत छंदों के पैटर्न ने उनकी गणितीय सोच को निखारा।

शिक्षा और उपलब्धियाँ

हार्वर्ड विश्वविद्यालय से 1996 में स्नातक करने के बाद प्रिंसटन विश्वविद्यालय से 2001 में पीएचडी की उपाधि ली। नोबेल-स्तर के गणितज्ञ एंड्रयू वाइल्स के मार्गदर्शन में मात्र 28 वर्ष की उम्र में प्रिंसटन में प्रोफेसर बने। 2014 में गणित का सर्वोच्च सम्मान फील्ड्स मेडल जीता। वे यह सम्मान पाने वाले भारतीय मूल के पहले गणितज्ञ हैं। 2015 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। उन्होंने संख्या सिद्धांत में अहम खोजें कीं, जिनमें गॉस के पुराने सिद्धांत को नए रूप में आगे बढ़ाना शामिल है।

भारतीय परंपरा से जुड़ाव

भार्गव अक्सर बताते हैं कि प्राचीन भारतीय विद्वानों, जैसे पिंगल और हेमचंद्र, ने संस्कृत छंदों के अध्ययन में गणितीय पैटर्न खोजे थे। उनका मानना है कि गणित हमारी संस्कृति का स्वाभाविक हिस्सा है।

छात्रों के लिए संदेश

- गणित को खेल की तरह लें। जिज्ञासा से सीखें, डर से नहीं।
- पैटर्न खोजें। संगीत, कला,कविता में भी गणित छिपा है।
- सवाल पूछें। क्यों, पूछने की आदत ही समझ को गहरा करती है।
- अलग-अलग रुचियाँ रखें। संगीत और भाषा ने उन्हें कमजोर नहीं, मजबूत बनाया।
- मंजुल भार्गव का जीवन सिखाता है कि जो गणित से प्रेम करना सीख ले, उसके लिए कोई ऊँचाई दूर नहीं।

कैलेंडर के सवाल अब होंगे चुटकियों में हल, परीक्षा के लिए आसान ट्रिक

15 अगस्त 1947 को कौन सा दिन था? या आज से 100 दिन बाद कौन सा वार होगा? ऐसे सवाल बैंक, एसएससी, रेलवे और प्लेसमेंट टेस्ट में अक्सर पूछे जाते हैं। ज्यादातर छात्र इन्हें कठिन समझकर छोड़ देते हैं, जबकि कुछ कोड याद कर लें तो ये सबसे जल्दी हल होने वाले सवाल हैं। आइए समझें कैलेंडर के सवाल हल करने का सरल तरीका।

पहले बुनियादी बातें समझें

साधारण वर्ष में 365 दिन और अधिवर्ष (लीप वर्ष) में 366 दिन होते हैं। जो वर्ष 4 से विभाज्य हो, वह लीप वर्ष है। शताब्दी वर्ष (जैसे 1900, 2000) तभी लीप वर्ष है, जब 400 से विभाज्य हो, इसलिए 2000 लीप वर्ष था, पर 1900 नहीं।

विषम दिन की अवधारणा

पूरे सप्ताह निकालने के बाद बचे दिनों को विषम दिन कहते हैं। जैसे 10 दिन यानि 1 सप्ताह और 3 विषम दिन। इन्हीं से तय होता है कि दिन आगे कितना खिसका। साधारण वर्ष में 1 विषम दिन होता है। लीप वर्ष में 2 विषम दिन होते हैं।

दिन कोड याद करें

रविवार के लिए 0, सोमवार के लिए 1, मंगलवार के लिए 2, बुधवार के लिए 3, गुरुवार के लिए 4, शुक्रवार के लिए 5, शनिवार के लिए 6 कोड हमेषा याद रखिए।

माह कोड सूची

महीना कोड याद रखने के लिए जनवरी के लिए 0 (लीप में 6), फरवरीके लिए 3 (लीप में 2) मार्च के लिए 3, अप्रैल के लिए 6, मई के लिए 1, जून के लिए 4,जुलाई के लिए 6,



अगस्त के लिए 2, सितंबर के लिए 5, अक्टूबर के लिए 0, नवंबर के लिए 3 और दिसंबर के लिए 5 माह कोड को कंठस्थ याद कर लीजिए।

याद रखने की ट्रिक - ये कोड एक ही क्रम में हैं 0-3-3-6-1-4-6-2-5-0-3-5। इसे बार-बार दोहराकर रट लें।

सेंचुरी कोड

1600-1699 के लिए 6
1700-1799 के लिए 4
1800-1899 के लिए 2
1900-1999 के लिए 0
2000 के बाद के लिए 6

परीक्षा के लिए जरूरी सुझाव

- पहले कोड पक्के करें, फिर रोज 5 सवाल हल करें।
- लीप वर्ष की जनवरी-फरवरी में कोड बदलना न भूलें।
- अंत में शेषफल को दिन कोड से मिलाएं।

अब ट्रिग्नोमेट्री के ट्रिक्स याद करने की जरूरत नहीं

बोर्ड एग्जाम्स नजदीक हैं और गणित ऐसा सब्जेक्ट है, जिसमें स्टूडेंट्स को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। खासकर ट्रिग्नोमेट्री में। लेकिन अगर कुछ ऐसा हो जाए जिससे आपको इसे समझने में आसानी हो तो आप भी बोर्ड एग्जाम्स में टॉप कर सकते हैं। आज हम आपके लिए एक ऐसा ही तरीका लेकर आए हैं जिससे आपको चुटकियों में ट्रिगोनोमेट्री टेबल याद हो जाएगी। इसकी मदद से बच्चे बोर्ड एग्जाम्स में गणित विषय में अच्छे अंक अर्जित कर सकते हैं।

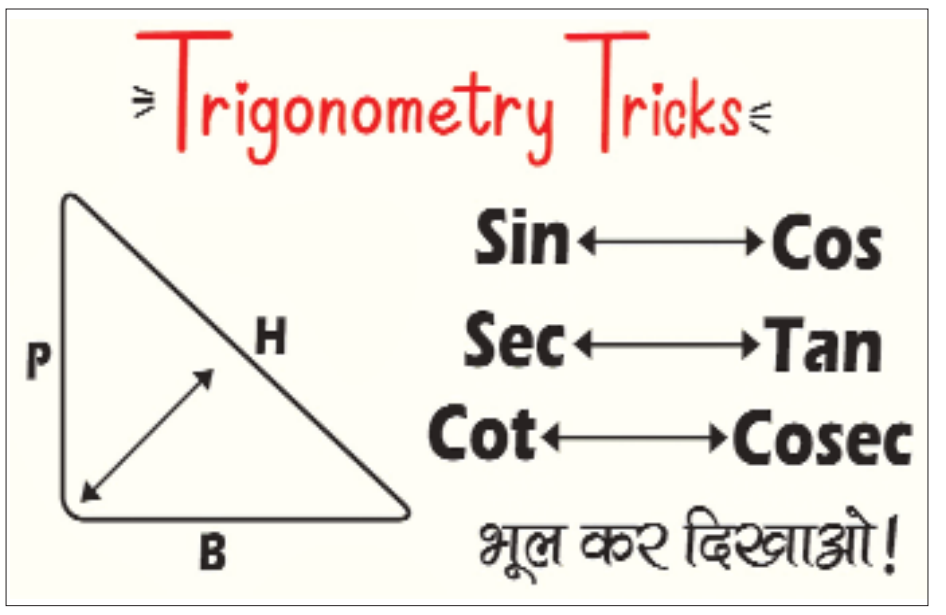
ये है तरीका

कई छात्रों को ट्रिग्नोमेट्री टेबल याद करने में दिक्कत होती है या उसे याद नहीं कर पाते हैं। इसके कारण ट्रिग्नोमेट्री के बड़े सवाल हल करना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। इन्हीं टेबल्स को याद करने का आसान तरीका बताया है। बच्चे इस तरीके से त्रिकोणमिति के कठिन फॉर्मूलों को भी आसानी से याद कर सकेंगे।

मान लीजिए ट्रिग्नोमेट्री टेबल में अगर आपको sin, cos, ten, sec, cosec and coten की वैल्यू निकलनी है, तो आप इस प्रकार ढूंढ सकते हैं।

-sin की वैल्यूज निकालने के लिए सबसे पहले आप टेबल बनाएं और पद की सामने 0 के नीचे जीरो लिखें, 30 के नीचे 1 लिखें, 45 के नीचे 2, 60 के नीचे 3 और 90 के नीचे 4. इसके बाद दिए हुए नंबर पर आप square रूट लगा दें और उन सभी नंबरों को 2 से डिवाइड कर दें। ऐसा करते ही आपको पद की वैल्यू मिल जाएगी।

- अब इसके बाद बवे cos sin का अपोजिट होता है तो जो वैल्यू साइन में हमने निकली थी उसी को उल्टा कर आप cos में लगा दीजिए, यानी पद 90 की जो वैल्यू थी वह अब cos जीरो की होगी और sin 60 की जो वैल्यू थी वह होगी ष्श्वह्य30 की।



- इसी प्रकार sinyz की जो वैल्यू थी वही बवे 45 की होगी और cos 30 की जो वैल्यू थी वह sin 60 की होगी और इसी प्रकार sin जीरो की जो वैल्यू थी वह cos 90 की होगी। इस प्रकार से हमें ष्श्वह्य की भी सारी वैल्यू मिल जाएगी।

- अब इसके बाद आता है ten, इसमें sin और cos की जो वैल्यूज को जब हम आपस में डिवाइड करेंगे तो हमें ten की सारी वैल्यू मिल जाएगी. अब इसके बाद बाकी की जो वैल्यूज है उन्हें निकालने के लिए ऊपर जो वैल्यू हमने निकली है उन्हें एक-एक करके 1 से डिवाइड करते जाना है। जैसे sin 0 की जो वैल्यू थी, उसको 1 से डिवाइड करेंगे और sinx® की जो वैल्यू ही उसको भी 1 से डिवाइड करेंगे। इसी प्रकार sin की सभी वैल्यू को जब हम 1 से डिवाइड करेंगे तो हमें ह्यद्गष् की सारी वैल्यूज भी मिल जाएगी।

- अब cosec , sec का अपोजिट होता है, तो इसकी वैल्यू फाइंड करने के लिए आपने पहले जो sec की वैल्यू निकली थी, उन्हें उल्टा कर cosec की वैल्यू में लिख दीजिए। यानी अगर Usec 90 की जो वैल्यू थी वो अब cosec 0 की होगी, इसी तरह आपको ष्श्वह्यद्गष् की भी सारी वैल्यू मिल जाएगी।

- अब इसके बाद आता है coten, इसकी वैल्यू निकलने के लिए आप ten की जो वैल्यू निकली थी उसको 1 से डिवाइड करदे आपको coten की वैल्यू भी मिल जाएगी.

गणित के मजेदार तथ्य

▶▶ क्या आप 142857 के रहस्य के बारे मे जानते हैं। इसे 2, 3, 4, 5 या 6 से गुणा करें तो वही अंक घूमकर दोबारा आ जाते हैं। जैसे 142857 मल्टीपल 2 = 285714।

▶▶ 1089 का खेल खेला है कभी। कोई भी तीन अंकों की संख्या लें (जिसके पहले और अंतिम अंक अलग हों), उसे उलटकर बड़ी में से छोटी घटाएँ, फिर परिणाम को उसी के उलटे से जोड़ दें। उत्तर हमेशा 1089 आएगा।

▶▶ 9 के पहाड़े में उत्तर के अंकों का जोड़ हमेशा 9 होता है। करके देखिए।

▶▶शून्य और दशमलव प्रणाली भारत की देन मानी जाती है। ब्रह्मगुप्त ने शून्य के प्रयोग के नियम बताए।

▶▶आर्यभट्ट ने पाई का मान लगभग 3.1416 बताया था। भारत में ही पाई के मान और त्रिकोणमिति की शुरुआती समझ विकसित हुई।

▶▶फिबोनाची श्रृंखला 1, 1, 2, 3, 5, 8, 13... हर संख्या पिछली दो का जोड़ है। यह सूरजमुखी के बीजों, चीड़ के कोन और फूलों की पंखुड़ियों में दिखती है।

▶▶ मधुमक्खी का छत्ता षट्कोण (छह भुजाओं वाली) आकृति कम से कम मोम में अधिकतम जगह देती है।

▶▶ पाई का दशमलव कभी खत्म नहीं होता और न ही उसमें कोई दोहराव का पैटर्न है।

▶▶ 14 मार्च को पाई दिवस मनाया जाता है, क्योंकि तारीख 3/14 लिखी जाती है।

▶▶ गूगोल संख्या 1 के बाद 100 शून्य होती है। प्रसिद्ध कंपनी गूगल का नाम इसी से प्रेरित है।

▶▶ एक ताश की गड्डी को फेंटने के तरीकों की संख्या इतनी बड़ी है कि हर बार शायद एक नया क्रम ही बनता है।

▶▶ 0 को रोमन अंकों में नहीं लिखा जा सकता, क्योंकि रोमन पद्धति में शून्य का चिह्न ही नहीं था।

▶▶ शकुंतला देवी ने 1980 में लंदन में 13 अंकों की दो संख्याओं का गुणा मात्र 28 सेकंड में हल किया था, जिसके कारण वे मानव कंप्यूटर कहलाईं।

▶▶ 22 दिसंबर को रामानुजन की जयंती पर राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है।

- सिर्फ23 लोगों के समूह में दो लोगों का जन्मदिन एक ही तारीख को होने की संभावना 50: से ज्यादा होती है।

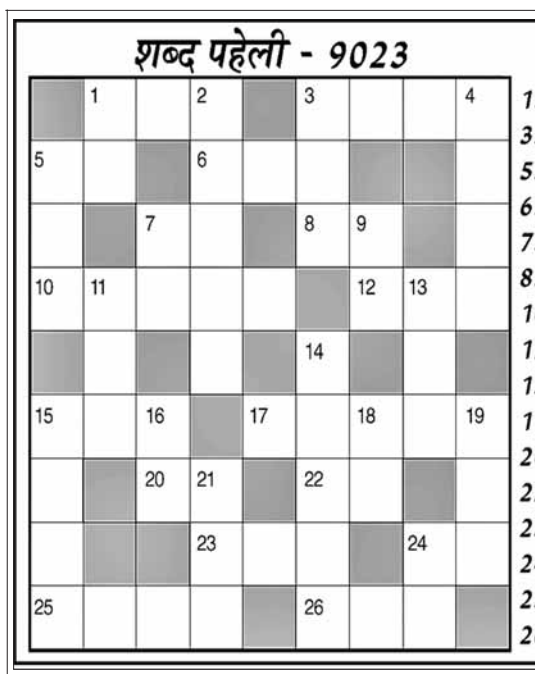
▶▶ सैद्धांतिक रूप से कागज को 42 बार मोड़ा जा सके, तो उसकी मोटाई पृथ्वी से चंद्रमा की दूरी के बराबर हो जाएगी, क्योंकि हर तह पर मोटाई दोगुनी होती है।

▶▶ 2 अकेली सम अभाज्य संख्या है, बाकी सभी अभाज्य संख्याएँ विषम हैं।

▶▶ जिसे दुनिया पास्कल त्रिभुज कहती है, उसका वर्णन भारत में पिंगल के छंदशास्त्र में मेरु प्रस्तार के रूप में मिलता है।

▶▶ फिबोनाची श्रृंखला जैसी संख्याएँ भारतीय विद्वानों (विरहांक और हेमचंद्र) ने छंदों की गणना में फिबोनाची से सदियों पहले बता दी थीं।

शब्द पहेली - 9023



बाएँ से दाएँ

1.ईश वंदना-3
3.हाथ की तीसरी अंगुली-4
5.आगमन-2
6.स्वादिष्ट-3
7.हरसिंगार,पारिजात-2
8.क्रिकेट में बनते हैं-2
10.खौलना,उबलना-5
12.धनवान-3
15.खोदना-3
17.चुनाव,चयन-5
20.नसीब(अंग्रेजी-2)
22.कलर-2
23.रक्षक,संकटमोचक-3
24.कार्य,काज-2
25.सुंघनी,नस-4
26.पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1.रुपए का सोलहवां भाग-2
2.कुलबुलाना,तड़पना-5
3.जो कभी बूढ़ा न हो-3
4.बंदूक की गोली-4
5.अभिलेख,लेख-3
7.रात,रात्रि (उर्दू-2)
9.मादा का विलोम-2
11.धुन,लगाव-3
13.चरित्र,नीयत-3
14.तफरीह-5
15.अनाज रखने की जगह-4
16.टोंटी,नलका-2
18.बहुमूल्य रत्न-2
19.अनाथ,बेसहारा-3
21.डोली उठाने वाले-3
24.सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -9022 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

जिला स्तरीय विद्युत सलाहकार समिति की बैठक में विद्युत व्यवस्थाओं की हुई समीक्षा

विद्युत अधोसंरचना के कार्यों की प्रगति जानी

समस्याओं के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

जिला स्तरीय विद्युत सलाहकार समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष एवं विधायक गोटेगांव महेन्द्र नागेश की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में जिले में विद्युत अधोसंरचना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों, उनकी प्रगति तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विधायक तेन्दूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, समिति के संयोजक एवं अधीक्षण अभियंता श्री नीलाभ श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता नरसिंहपुर संभाग के प्रभारी श्री विवेक जसेले तथा गाडरवारा संभाग के प्रभारी श्री दिनेश पाल सहित विद्युत विभाग के उपसंभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में समिति अध्यक्ष श्री नागेश ने एजेंडे में शामिल विभिन्न बिंदुओं पर बिंदुवार चर्चा करते हुए विद्युत अधोसंरचना के कार्यों एवं उनके अद्यतन मूल्यांकन की जानकारी ली। उन्होंने जिले में कृषि फीडरों पर 10 घंटे तथा घरेलू फीडरों पर 24 घंटे विद्युत प्रदाय किए जाने पर विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति आम नागरिकों एवं किसानों से जुड़ी महत्वपूर्ण सेवा है।

अत: विभागीय अधिकारी क्षेत्रीय स्तर पर आने वाली विद्युत संबंधी समस्याओं को गंभीरता से लें और उनका प्राथमिकता से शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में विद्युत व्यवस्था को सुचारु एवं बेहतर बनाए रखने तथा अधोसंरचना के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार विभिन्न विद्युत योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनसहभागिता बढ़ाने तथा स्थानीय स्तर पर आने वाली कठिनाइयों के निराकरण के उद्देश्य से जिला स्तरीय विद्युत सलाहकार समिति का गठन किया गया है।



लंबित विद्युत समस्याओं का शीघ्र निराकरण के लिये ज्ञापन सौंपा

नरसिंहपुर। भारतीय किसान संघ ने बिजली विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री श्रीवास्तव को नरसिंहपुर में लंबित विद्युत समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने हेतु ज्ञापन दिया । ज्ञापन में उल्लेख किया है कि रसिंहपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में सिंचाई हेतु 10 घंटे विद्युत नहीं मिल रही है एवं जले हुए ट्रांसफार्मर भी 12 से 15 दिनों बाद दिए जा रहे हैंजिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है यदि इस सप्ताह 10 घंटे बिजली सुनिश्चित कर किसानों को नहीं दी जाती है तो भारतीय किसान संघ अगले 8 -10 दिनों बाद एक आंदोलन कर सकता ज्ञापन देने वालों में भारती किसान संघ प्रांत मंत्री स्वदेश कोठारी संभाग अध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल जिला कोषाध्यक्ष विष्णु भाई पटेल, जिला उपाध्यक्ष राजन भाई पटेल, दिनेश भाई पटेल तहसील अध्यक्ष गोधानसिंग , प्रमलेश दुबे ,राजेश पटेल ,सत्यम, समरेंद्र लोधी , हेमराज बिंदु यादव, किशन यादव एवं अन्य भारतीय किसान संघ के सदस्य उपस्थित थे।



नरसिंहपुर विकास योजना-2045 की 28 आपत्तियों एवं एक सुझाव पर समिति ने की सुनवाई

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की उपस्थिति में हुई बैठक

आपत्तियों के निराकरण पर किया गया विचार-विमर्श

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। नरसिंहपुर विकास योजना-2045 (प्रारूप) के जन-प्रकाशन के उपरांत प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों के निराकरण के लिए मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 17-क (1) के अंतर्गत गठित समिति की सुनवाई बैठक सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह सहित शासन द्वारा गठित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में नरसिंहपुर विकास योजना-2045 के प्रारूप पर प्राप्त कुल 28 आपत्तियों एवं एक सुझाव पर समिति द्वारा विस्तार से सुनवाई की गई। समिति ने प्रत्येक आपत्ति एवं सुझाव पर तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विचार-विमर्श किया तथा संबंधित पक्षों के अभिमतों को सुना। समिति द्वारा नियमानुसार समस्त आपत्तियों एवं सुझावों पर विचार करते हुए प्रकरण में अंतिम निर्णय के लिए शासन को प्रतिवेदन प्रेषित किया जाएगा। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, श्री रामसनेही पाठक, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री एनपी प्रजापति, पूर्व विधायक श्री सुनील जायसवाल, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा सहित, अधिकारी- कर्मचारी और सरपंच मौजूद थे।

लोक सेवा केन्द्र करेली के संचालक पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित

अपर कलेक्टर के औचक निरीक्षण में मिली थीं गंभीर अनियमितताएं

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत।

मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर के दौरान लोक सेवा केन्द्रों की व्यवस्थाओं एवं नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए गए निरीक्षण में मिली अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई की है। अपर कलेक्टर श्री अरविंद कुमार सिंह द्वारा गत 18 सितंबर को लोक सेवा केन्द्र करेली का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान केन्द्र के संचालन में गंभीर कमियां एवं अनियमितताएं पाए जाने पर केन्द्र संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। संचालक द्वारा प्रस्तुत लिखित जवाब का परीक्षण करने पर उसे पूर्णत: संतोषप्रद नहीं पाया। निरीक्षण के दौरान एक आवेदक से जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए 300 रुपये वसूलने का मामला सामने आया था। इस संबंध में संचालक द्वारा संबंधित कर्मचारी को पूर्व में ही पृथक किए जाने का तर्क दिया गया, जिसे स्वीकार्य नहीं माना गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि केन्द्र के संचालन की संपूर्ण जवाबदेही संचालक की है। इसके अलावा निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों का निर्धारित ड्रेस कोड में उपस्थित नहीं होना अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन पाया गया। वहीं आरएफपी के निर्धारित मानदंडों के अनुरूप पर्याप्त मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं किया जाना भी नागरिक सेवाओं के प्रति लापरवाही को दर्शाता है। यद्यपि संचालक द्वारा भविष्य में आरएफपी के नियमों एवं शासन के निर्धारित मानदंडों के अनुरूप केन्द्र का सुचारू संचालन करने तथा ऐसी कमियों की पुनरावृत्ति नहीं होने का आश्वासन दिया गया, लेकिन प्रस्तुत जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने एवं अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। प्रकरण के समस्त तथ्यों, अभिलेखों एवं लोक सेवा केन्द्र करेली के पूर्ववर्ती अभिलेखों को दृष्टिगत रखते हुए लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत निष्पादित अनुबंध एवं आरएफपी की शर्तों के अंतर्गत केन्द्र संचालक पर 25 हजार रुपये की शास्ति (अर्थदंड) अधिरोपित करने का आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार संचालक को अर्थदंड की राशि 25 हजार रुपये आदेश जारी होने के सात दिवस के भीतर जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी नरसिंहपुर में जमा कर उसकी मूल जमापर्ची कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। साथ ही भविष्य में अनुबंध की सभी शर्तों एवं शासन द्वारा निर्धारित मानदंडों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अवैध कॉलोनी निर्माण के मामले में कलेक्टर ने खसरा नंबर 130/4 की भूमि के क्रय-विक्रय पर लगाई रोक

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अवैध कॉलोनी निर्माण के प्रकरण में कार्रवाई करते हुए जिले की तेंदूखेड़ा तहसील के ग्राम सागौनी स्थित खसरा नंबर 130/4 के सभी बटांकों की भूमियों के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाया है। इस संबंध में कलेक्टर न्यायालय में ग्राम सागौनी निवासी पूरनलाल पिता प्रेमलाल काछी के विरुद्ध अवैध कॉलोनी निर्माण का प्रकरण विचाराधीन है। प्रकरण में सामने आया है कि संबंधित व्यक्ति द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 एवं उसके अंतर्गत निर्मित नियमों तथा प्रावधानों के तहत सक्षम अधिकारी से कॉलोनी लाइसेंस एवं विकास अनुज्ञा प्राप्त किए बिना तथा भूमि का डायवर्सन कराए बिना खसरा नंबर 130/4 की भूमि पर अवैध रूप से भूखंडों का विक्रय किया जा रहा है। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने मौजा सागौनी, पटवारी हल्का सागौनी स्थित खसरा नंबर 130/4 के सभी बटांकों की भूमियों के क्रय-विक्रय पर रोक लगाई है। साथ ही जिला पंजीयक, पंजीयन एवं मुद्रांक नरसिंहपुर तथा उप पंजीयक, पंजीयन एवं मुद्रांक तेंदूखेड़ा को निर्देशित किया है कि उक्त खसरा नंबर की भूमियों के क्रय-विक्रय संबंधी दस्तावेजों का पंजीयन नहीं किया जाए।

एनटीपीसी गाडरवारा में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से दिया गया सत्यनिष्ठा एवं भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति का संदेश

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

एनटीपीसी गाडरवारा में 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अनुरूप सप्ताह भर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से कर्मचारियों, उनके परिवारों तथा परियोजना प्रभावित गांवों के लोगों को सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। सप्ताह का शुभारंभ सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा के साथ हुआ, जिसे श्री हिम्मत सिंह चौहान, बिजनेस यूनिट हेड एनटीपीसी गाडरवारा ने दिलवाया। इस अवसर पर श्री राधेश्याम मौर्य, महाप्रबंधक राजीव त्रिपाठी, महाप्रबंधक विवेक गुरु, महाप्रबंधक , श्री पंकज कुमार जेठा, महाप्रबंधक विनोद श्रीहरि काम्बले, महाप्रबंधक श्री संतोष कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान सभी ने अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही बनाए रखने तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सजग रहने का संकल्प लिया। सप्ताह भर कर्मचारियों एवं टाउनशिप की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें भाषण प्रतियोगिता, *पोस्टर मेकिंग, सतर्कता प्रश्नोत्तरी एवं रंगोली प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। इन गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा दैनिक कार्यप्रणाली में सत्यनिष्ठा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। गाडरवारा द्वारा अपने सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत परियोजना प्रभावित गांवों में भी सतर्कता जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत आसपास के सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को छोटी उम्र से ही ईमानदारी, नैतिकता एवं भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका के प्रति जागरूक किया गया।सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर वॉकाथॉन का आयोजन भी किया गया। इस वॉकाथॉन के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सतर्कता, सामूहिक जिम्मेदारी एवं सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया। सप्ताह भर आयोजित इन कार्यक्रमों ने न केवल कर्मचारियों बल्कि उनके परिवारों, विद्यार्थियों एवं आसपास के समुदायों में सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण के महत्व को सुदृढ़ किया। गाडरवारा पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन के मूल्यों को अपनी कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाने तथा एक भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रतिबद्ध है।

की ऑफ लाइफअकैडमी के 23 कूडो खिलाड़ियों को मिले मध्य प्रदेश टीम के ट्रैक सूट

समाजसेवी रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा ने किया सम्मानित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं आयकर विभाग में पदस्थ प्रतीक सिंह भी चयनित खिलाड़ियों में शामिल

सतना स्वतंत्रमत। की ऑफ लाइफ अकैडमीए सतना के 23 खिलाड़ियों ने स्टेट टूर्नामेंट में पदक जीतकर नेशनल और अक्षय कुमार इंटरनेशनल कूडो टूर्नामेंट के लिए चयनित होकर जिले का गौरव बढ़ाया है। आगामी प्रतियोगिताओं में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने जा रहे इन खिलाड़ियों को मध्य प्रदेश टीम के ट्रैक सूट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा ने खिलाड़ियों को ट्रैक सूट वितरित किए और उनकी उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मेहनत अनुशासन और आत्मविश्वास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने और जीत हासिल कर सतना तथा मध्य प्रदेश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

की ऑफ लाइफ अकैडमी के डायरेक्टर सिहान भरत कुमार गुप्ता ने बताया कि अकैडमी के खिलाड़ियों ने स्टेट टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए हैं। इसी प्रदर्शन के आधार पर 23 खिलाड़ियों ने नेशनल और अक्षय कुमार इंटरनेशनल कूडो टूर्नामेंट में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी



मेहनत नियमित अभ्यास अनुशासन और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। अकैडमी का प्रयास है कि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिलेए ताकि वे भविष्य में भी नई उपलब्धियां हासिल कर सकें। चयनित खिलाड़ियों में प्रतीक सिंह भी शामिल हैं जो अंतरराष्ट्रीय कूडो खिलाड़ी हैं और खेल कोटे के माध्यम से आयकर विभाग में पदस्थ हैं। उनकी उपलब्धियां अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वहींए सतना जिला कूडो संघ के सचिव सेंसाई यश गुप्ता ने भी आगामी प्रतियोगिताओं के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है।

नेशनल और अक्षय कुमार इंटरनेशनल कूडो टूर्नामेंट के लिए चयनित खिलाड़ियों में अनिष्का पांडेए ऋचा शुक्ला आदर्शिता राज कुमारी रेशमी चौहान तपस्या मिश्रा रितिका पांडेय अन्वीक्षा वर्मा वाश्वी खरे अंश सिंह श्रेयान चटर्जी आदित्य मिश्रा अथर्व पांडेय परिवेश थापा विवान शुक्लए अनिरुद्ध गुप्ता हैदर अली आरुष चटर्जी दिव्यराज सिंह बघेल साहिल मिश्रा हर्ष तिवारी यश गुप्ता प्रतीक सिंह और अथर्व गुप्ता शामिल हैं।

इस अवसर पर अकैडमी के संरक्षक रवि शंकर गौरी अध्यक्ष अजय सोनी डायरेक्टर सिहान भरत कुमार गुप्ता सेंसाई मनीष मिश्रा कूडो संघ के कोषाध्यक्ष सेंसाई लखन लाल गुप्ता सेंसाई विपिन गुप्ता सतना जिला कूडो संघ के सचिव सेंसाई यश गुप्ता और दिलीप कुमार पचौरी सहित अकैडमी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

एकेएस विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया



सतना स्वतंत्रमत। मध्यप्रदेश की स्थापना दिवस की गौरवशाली परंपराए सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध खानपान की विरासत को रेखांकित करते हुए एकेएस विश्वविद्यालय में 2 नवंबर को शिक्षा विभाग द्वारा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में फूड फेस्ट प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। विद्यार्थियों ने विभिन्न पारंपरिक एवं आधुनिक व्यंजनों के माध्यम से अपनी पाक.कला और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के प्रो.चांसलर इंजीनियर अनंत कुमार सोनी रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रो.वाइस चांसलर एकेडमिक डॉ.आर.एस. त्रिपाठी एवं प्रो.वाइस चांसलर ;डेवलपमेंट डा.हर्षवर्धन उपस्थित रहे। इनके साथ विधि सलाहकार डा. सूर्यनाथ सिंह गहरवार लॉ डीन डॉ. सुधीर जैन प्लेसमेंट ऑफिसर पंकज सक्सेना मैनेजमेंट डीन डॉ. कौशिक मुखर्जी योग विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप तिवारी एवं कौशल विकास अधिकारी एल.एन. शर्मा मौजूद रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की प्रासंगिकता बताई। उन्होंने कहा कि यह दिवस प्रदेश के गठन विकास यात्रा सांस्कृतिक पहचान और गौरवशाली विरासत को स्मरण करने का अवसर है।

कथक की साधना से राष्ट्रीय शिखर तक पहुँचीं सृष्टि भसीन विंध्य का नाम किया रोशन

सतना स्वतंत्रमत। आल इंडिया डांस एसोसिएशन तथा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में नटवर गोपी कृष्ण राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ताल तरंग कला केंद्र सिविल लाइन्स सतना की प्रतिभाशाली कथक नृत्यांगना श्रृष्टि भसीन ने प्रतिगोगिता का सर्वोच्च सम्मान नटवर गोपी कृष्ण राष्ट्रीय पुरस्कार जीत कर विंध्य क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया। भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता के प्रथम चरण में भारत के विभिन्न कोनों से आये लगभग 1000 प्रतिभाशाली नर्तकों ने हिस्सा लिया था जिनमें से श्रृष्टि ने टॉप 28 में अपनी जगह बनाई। इस प्रतियोगिता



के द्वितीय चरण में श्रृष्टि ने अपनी खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति में लखनऊ घराने के पारंपरिक क्रम में तकनीकी कथक तथा ठुमरी में भावपूर्ण अभिनय का प्रदर्शन कर निर्णायकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता के फ्िनाले में नृत्य प्रदर्शन व्यक्तिगत प्रश्नोत्तर तथा सामान्य प्रश्नोत्तर चरणों को पार कर श्रृष्टि ने टॉप 10 उत्कृष्ट कलाकारों में जगह बनाई और नटवर गोपीकृष्ण राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 हासिल किया। अपनी इस उपलब्धि के लिए वह अपनी माता एवं गुरु . ताल तरंग कला केंद्र की संचालिका श्रीमती प्रियंका भसीन एवं पिता . सुनील भसीन को उनके द्वारा दी गई शिक्षा संस्कार एवं इस कला के प्रति उनके समर्थन के लिए तहे दिल से आभार व्यक्त किया हैं। इस उपलब्धि पर पारुल मौर्य स्वाती सिंह सृजन भसीन अंशुल अनामिका सोनी ताल तरंग कला केन्द्र के समस्त छात्रों एवं अभिभावकों तथा सभी शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए श्रृष्टि के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

एकेएस विश्वविद्यालय शिक्षा को उद्योग रोजगार उद्यमिता और सामाजिक विकास से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयासरत



सतना स्वतंत्रमत। एकेएस विश्वविद्यालय शिक्षा को उद्योग रोजगार उद्यमिता और सामाजिक विकास से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा उद्योगों से जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैंए ताकि वे बदलती तकनीक और रोजगार की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी दक्षता विकसित कर सकें। विश्वविद्यालय को प्राप्त इस प्रतिष्ठित सम्मान पर कुलाधिपति बी.पी.सोनी प्रो चांसलर अनंत कुमार सोनी कुलपति प्रो. बी.ए. चोपड़े प्रतिकुलपति डॉ. हर्षवर्धन श्रीवास्तव आर.एस.त्रिपाठी सहित समस्त संकायों के डीन निदेशकों विभागाध्यक्षों एवं सुरक्षा विभाग के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया। सभी ने इसे विश्वविद्यालय की सामूहिक शैक्षणिक प्रतिबद्धता टीम भावना और निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

उल्लेखनीय है कि एकेएस विश्वविद्यालय को इससे पूर्व भी शिक्षा अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के हाथों प्राप्त यह सम्मान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को नई पहचान देने के साथ गुणवत्तापूर्ण कौशल आधारित और भविष्यपरक शिक्षा के संकल्प को और मजबूत करेगा।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं बृजेश भार्गव आ. जुगलकिशोर भार्गव उम्र 36 वर्ष, निवासी 160 वॉर्ड नं. 05 नया बस स्टेड के पास साकेत नगर बरेली तह. बरेली व जिला रायसेन मध्यप्रदेश का स्थाई निवासी हूँ। शपथकर्ता के पुत्र तेजस्य भार्गव का जन्म कामायनी नर्सिंग होम नरसिंहपुर तहसील व जिला नरसिंहपुर में दिनांक 14/06/2016 को हुआ है। शपथकर्ता के पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र अभी वर्तमान में डिजिटल बना हुआ था जिसमें पुत्र का नाम पंत भार्गव दर्ज है। जो कि गलत है जिसे शपथकर्ता सुधरवाकर डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र जारी करवाना चाहता है। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का नाम तेजस्व भार्गव TEJASV BHARGAV पिता का नाम बृजेश भार्गव (BRAJESH BHARGAV) और माता का नाम मेधा भार्गव (MEGHA BHARGAV) दर्ज करवाना चाहता है।

शपथकर्ता -बृजेश भार्गव

शत-प्रतिशत पेयजल आपूर्ति लक्ष्य

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आगामी ग्रीष्मकाल में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की। कलेक्टर ने पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मार्च 2027 तक जिले के सभी गांवों में शत-प्रतिशत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए।

खैरी ग्राउंड में पटाखा दुकान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लोक सुरक्षा एवं पटाखा व्यवसायियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए इस वर्ष पटाखा मेले का आयोजन ग्राम बड़ी खैरी स्थित मेला ग्राउंड में किया गया है। मेले में केवल वैध लाइसेंसधारी व्यवसायियों को ही दुकानें लगाकर पटाखों का विक्रय करने की अनुमति रहेगी अनुविभागीय अधिकारी शैलेन्द्र चौधरी ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध लाइसेंस के अथवा लाइसेंस में उल्लेखित स्थल के अतिरिक्त अन्य स्थानों जैसे किराना दुकानों आदि पर पटाखों का विक्रय या व्यवसाय करते पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी लाइसेंस की जांच एवं नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए जांच दल गठित किया गया है। दल के प्रभारी राकेश कटारिया कार्यपालिक मजिस्ट्रेट होंगे उनसे मोबाइल नंबर 9981702813 पर संपर्क किया जा सकता है।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अनुविभागीय अधिकारी शैलेन्द्र चौधरी द्वारा प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत सर्पदंश से मृत्यु के प्रकरण में मृतक कांती बाई वाडिवा के निकटतम वारसान पति अनिल कुमार वाडिवा को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुभरिया तहसील एवं जिला मंडला निवासी श्रीमती कांति बाई वाडिवा की 25 सितंबर 2026 को ग्राम धौरानाला में सर्पदंश से मृत्यु हो गई थी।

घर-घर कर रहे पंजीयन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्रामीणों को उनकी रजिस्ट्री दिलाने के लिए जिले में राजस्व अमला लगातार मैदानी स्तर पर जुटा हुआ है। दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों सीमित संसाधनों और कई स्थानों पर नेटवर्क की समस्या जैसी चुनौतियों के बावजूद पटवारी गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर हितग्राहियों के स्वामित्व पंजीयन एवं रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं इस कार्य के दौरान राजस्व अमला केवल कार्यालयों तक सीमित न रहकर सीधे ग्रामीणों के बीच पहुंच रहा है।

समय सीमा की बैठक आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने जिला योजना भवन में आयोजित समय सीमा की बैठक में जिले में पराली प्रबंधन आगामी वृहद रोजगार मेला जनविश्वास शिविर टीएल पत्रक एवं सीएम हेल्पलाइन की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने पराली प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण एवं मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसे रोकने के लिए किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ पराली के उचित प्रबंधन हेतु आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

ऑटो रिक्शा से व्यवस्था पर उठे सवाल: बढ़ती संख्या, मनमाने रूट और यातायात दबाव के बीच अब परमिट लाइसेंस रूट निर्धारण की जरूरत

मण्डला (स्वतंत्रमत)





जिले भर में अब ऑटो रिक्शा लोगो की दैनिक दिनचर्या में शामिल हो गए हैं। एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए ये रिक्शा नागरिको की सुविधा में शामिल हैं। जानकारी के अनुसार पूरे जिले भर में लगभग 5 हजार ऑटो रिक्शा चल रहे हैं जो कई परिवारों के जीवन यापन का साधन बन गए हैं लेकिन इन ऑटो रिक्शा चालकों को अब तक उचित स्थान यानि ऑटो स्टैंड मुहैया नही कराए गए हैं। नगर के अंदर ही एक भी ऐसा स्थान नही है जहां पर व्यवस्थित तरीके से ऑटो खड़े हो सकें। जिसके चलते ऑटो चालक जैसे तैसे जहां तहां ऑटो खड़े करके सवारी को बैठाया करते हैं। जिससे आए दिन विवाद भी उत्पन्न होता है और सवारी भी परेशान होती है लंबे समय से ऑटो संघ मांग कर रहा है कि उन्हें नगर के अंदर ऑटो स्टैंड बनाकर दिया जाए लेकिन इस ओर कोई पहल नही हो रही है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऑटो चालकों के लिए कोई सुविधा उपलब्ध नही है जबकि हाईकोर्ट ने भी इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए है। शहर की सड़कों पर लगातार बढ़ती ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा की संख्या और इनके संचालन से बन रही यातायात व्यवस्था को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद मंडला जिले में भी इस व्यवस्था की समीक्षा की जरूरत महसूस होने लगी है। मंडला में ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा की बढ़ती संख्या सड़कों पर लगने वाले जाम और यातायात व्यवस्था पर पड़ रहे प्रभाव को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को प्रभावी और व्यापक नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मंडला शहर में मुख्य मार्गों बाजार क्षेत्रों और व्यस्त इलाकों में ई-रिक्शा लोगों के आवागमन का महत्वपूर्ण साधन बन चुके हैं। कम दूरी की यात्रा के लिए नागरिक इन वाहनों पर निर्भर हैं वहीं दूसरी ओर निर्धारित स्थानों के बजाय सड़क किनारे यात्रियों को बैठाने-उतारने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहनों के रुकने से यातायात प्रभावित होने की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। ई-रिक्शा का संचालन रोजगार का माध्यम भी है। बड़ी संख्या में लोग इन वाहनों से अपनी आजीविका चला रहे हैं। ऐसे में किसी भी नई व्यवस्था में यात्रियों की सुविधा के साथ ई-रिक्शा चालकों के हितों को भी ध्यान में रखना जरूरी होगा। हाईकोर्ट की सुनवाई के दौरान यह मुद्दा सामने आया कि बिना प्रभावी नियंत्रण के ई-रिक्शा की संख्या बढ़ने से यातायात पर दबाव बढ़ सकता है मंडला जैसे शहर में यह विषय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां शहर के प्रमुख बाजार शासकीय कार्यालय अस्पताल शिक्षण संस्थान बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थल सीमित सड़कों के आसपास केंद्रित हैं। ऐसे स्थानों पर एक साथ बड़ी संख्या में ई-रिक्शा खड़े होने पर सड़क की उपयोगी चौड़ाई कम होती है और दूसरे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुसार ई-रिक्शा संचालन के लिए व्यवस्थित नीति बनाने की दिशा में परमिट रूट और वाहनों की संख्या जैसे विषय महत्वपूर्ण होंगे। यदि शहर में ई-रिक्शा के लिए निर्धारित रूट और स्टॉप तय किए जाते हैं तो यात्रियों को भी सुविधा मिल सकती है और यातायात प्रबंधन में प्रशासन को आसानी होगी मंडला में भी प्रमुख मार्गों और बाजार क्षेत्रों का यातायात दबाव देखते हुए ई-रिक्शा के लिए अलग-अलग रूट निर्धारित करने पर विचार किया जा सकता है। साथ ही यात्रियों को बैठाने और उतारने के लिए निश्चित स्थान बनाए जाएं तो सड़क पर अचानक रुकने वाले वाहनों से होने वाली परेशानी कम हो सकती है ई-रिक्शा संचालन में चालक का वैध लाइसेंस वाहन के दस्तावेज, परमिट और अन्य आवश्यक औपचारिकताओं का पालन भी महत्वपूर्ण है। ऐसे में आने वाले समय में मंडला में भी ई-रिक्शा संचालन की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा हो सकती है। यदि परमिट रूट पार्किंग स्टॉप और संख्या से संबंधित स्पष्ट नियम लागू होते हैं तो इसका सीधा संबंध शहर की यातायात व्यवस्था से होगा आने वाली नीति और उसके स्थानीय क्रियान्वयन से यह तय होगा कि ई-रिक्शा व्यवस्था किस तरह यातायात प्रबंधन के साथ संतुलित रूप से संचालित होती है।

बिना एग्रीमेंट काम नहीं करेंगे ठेकेदार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शहर में सेंटरिंग कार्य की दरों को व्यवस्थित करने और ठेकेदारों के हितों की सुरक्षा के लिए सेंटरिंग यूनियन ने 30 प्रति वर्गफीट की दर से काम करने का निर्णय लिया है। इस दर का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के साथ ही बिना लिखित एग्रीमेंट के काम नहीं करने समय पर भुगतान और विवादों के सामूहिक निराकरण जैसे महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं गोड़ी पब्लिक ट्रस्ट की कलादीर्घा में सेंटरिंग यूनियन की दूसरी बैठक आयोजित की गई इसमें शहर के सेंटरिंग ठेकेदारों के साथ बिल्डिंग ठेकेदार भी शामिल हुए। बैठक में पूर्व में सर्वसम्मति से निर्धारित 30 प्रति वर्गफीट की दर को लागू करने और सभी संबंधित ठेकेदारों से इसका पालन कराने पर



सहमति बनी बैठक में तय किया गया कि कोई भी सेंटरिंग ठेकेदार अब मकान मालिक या बिल्डिंग ठेकेदार के साथ बिना लिखित एग्रीमेंट के काम शुरू नहीं करेगा। बैठक में रेनू कछवाहा, पप्पू रघुवंशी, गुड्डू श्रीवास, लकी कछवाहा, नर्मदा कछवाहा, ईश्वरी केवट, पति राम पटेल, आनंद कुमार गोटिया, अशोक, प्रदीप कुमार कछवाहा, जयंत वरमैया, गुड्डा पटेल, पप्पू साहू, देवराम भांवरे, राजा चौरसिया, चिंटू कछवाहा, बीरबल विश्वकर्मा, अमित सिंगरौरे, विजय नाविक, पुन्नू सिंह मरावी, गोलू कोकड़िया, सतीश हरदहा, सुखचैन वरकड़े, खुशीराम झारिया और संगीत कुमार साहू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कारखाना और संस्थानों की दें सूचना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। श्रम विभाग मध्यप्रदेश द्वारा श्रमिकों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए श्रम प्रहरी पहल शुरू की गई है। इसके तहत आम नागरिक अपने आसपास संचालित अपंजीकृत कारखानों संस्थानों अथवा निर्माण कार्यों की सूचना श्रम विभाग को दे सकते हैं। श्रम विभाग ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ श्रम कानूनों का पालन कराने में आमजन की सहभागिता बढ़ाना है। यदि किसी नागरिक को ऐसा कारखाना या व्यावसायिक प्रतिष्ठान दिखाई देता है जो पंजीकृत नहीं है तो उसकी सूचना श्रम विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज की जा सकती है।

स्थापना दिवस पर विद्यार्थियों का सम्मान

मण्डला (स्वतंत्रमत)



राजा शंकरशाह-रघुनाथ शाह शासकीय सीनियर बालक छात्रावास एवं वीरांगना रानी दुर्गावती बालिका छात्रावास सिझौरा के संयुक्त तत्वावधान में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस सह छात्रावास दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसडीएम बिछिया कुलदीप पटेल और एसडीओपी पुलिस बिछिया उपस्थित रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी आत्मजीत सिंह सहित शिक्षक अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुए कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन दीप प्रज्वलन और मध्यप्रदेश गान के साथ हुआ। अतिथियों ने छात्रावास परिसर का भ्रमण कर स्मार्ट क्लास कंप्यूटर कक्ष ओपन लाइब्रेरी एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली एसडीएम कुलदीप पटेल ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास बनाए रखने और शिक्षा व खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया एसडीओपी ने साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी बीईओ आत्मजीत सिंह ने प्रोजेक्ट संकल्प अभियान के तहत नीट एवं जेईई की कोचिंग सहित अतिरिक्त कक्षाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया अंत में छात्रावास अधीक्षक शीतेन्द्र सिंगौर ने आभार व्यक्त किया।

गोपाल कृष्ण प्रतियोगिता में उत्कृष्ट दुग्ध उत्पादक पशुपालक सम्मानित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रदेश के वृंदावन गाँव में गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शासकीय पशु चिकित्सालय पिंडरई में आयोजित प्रतियोगिता में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने सहभागिता की। उन्होंने गौमाता का पूजन कर उत्कृष्ट दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुपालकों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का विशेष महत्व है। गोवर्धन पूजन का पर्व हमें प्रकृति पशुधन और कृषि के प्रति सम्मान एवं संरक्षण का संदेश देता है। पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। किसान खेती के साथ पशुपालन दुग्ध उत्पादन एवं अन्य सहायक गतिविधियों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती जैविक खेती तथा पशुपालन को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। ऐसी प्रतियोगिताओं से पशुपालकों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और बेहतर दुग्ध उत्पादन के लिए प्रोत्साहन



मिलेगा प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देना, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना तथा पशुपालकों को उनकी मेहनत के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पशुपालकों को प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपये द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा विभिन्न पशुपालकों को सम्मानित किया गया। घुघरी में भास्कर द्विवेदी ने प्रतिदिन औसत 15.38 लीटर दुग्ध उत्पादन के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। धनश्वर प्रसाद चौकसे 5.036 लीटर के साथ द्वितीय तथा दुर्गेश चौकसे 4.91 लीटर के साथ तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार कुडामेली में परमानंद यादव 13.76 लीटर के साथ प्रथम, श्रीमती भूरी बाई यादव 12.43 लीटर के साथ द्वितीय तथा राहुल यादव 11.69 लीटर के साथ तृतीय स्थान पर रहे। पिंडरई में श्रीमती सरिता पांडे 8.56 लीटर के साथ प्रथम, श्रीमती नीता बाई 7.86 लीटर के साथ द्वितीय तथा प्रदीप राजपूत 6.846 लीटर के साथ तृतीय स्थान पर रहे मंत्री श्रीमती उइके ने सभी पुरस्कृत पशुपालकों को बधाई देते हुए कहा कि गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार जैसी पहल पशुपालकों की मेहनत और समर्पण को सम्मान देने के साथ ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पवित्र का संभागीय अंडर-14 में चयन

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। जिले की खेल प्रतिभा पवित्र कुमार परस्ते ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 70वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 के लिए संभागीय अंडर-14 क्रिकेट टीम में जगह बनाई है। निवास तहसील के ग्राम पददीकोना निवासी पवित्र जिले से चयनित एकमात्र खिलाड़ी हैं अब वे भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय मुकाबलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे कटनी में आयोजित अंतर-जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर संभागीय दल में चयन हुआ है। बीसीसीआई से संबद्ध चयन प्रक्रिया के तहत मंडला की अंडर-15 चयन सूची में भी स्थान बना चुके हैं। पर्याप्त अवसर नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने अभ्यास जारी रखा। उनकी मेहनत अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।



लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ मनाया आदिवासी कन्या छात्रावास का स्थापना दिवस

शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राएं हुईं सम्मानित

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास, नैनपुर में स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्रावासी बालिकाओं ने देश की विविध लोक संस्कृतियों की मनमोहक झलक प्रस्तुत करते हुए आकर्षक लोकनृत्यों से उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रतिभावान छात्राओं के सम्मान के बीच आयोजित इस समारोह में बालिकाओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ओमवती उईके उपस्थित रहीं। वहीं पार्षद सुनील विश्वकर्मा, पूर्व जनपद सदस्य रमेश सिरसाम, सामाजिक कार्यकर्ता इंदरसिंह उईके, पालक संघ के अध्यक्ष तथा प्राचार्य दिलीप शरणागत की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में छात्रावास में निवासरत बालिकाओं के पालक-अभिभावक,



शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। छात्रावास स्थापना दिवस के अवसर पर छात्राओं ने देश की विभिन्न संस्कृतियों को लोकनृत्यों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। पारंपरिक सांस्कृतिक रंगों से सजी इन प्रस्तुतियों ने भारतीय लोक परंपराओं की विविधता और समृद्धि को दर्शाया। छात्राओं की आकर्षक प्रस्तुतियों पर उपस्थित जनसमुदाय ने खूब सराहना की। कार्यक्रम ने न केवल छात्राओं की कलात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर भी दिया। इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती संगीता परते ने छात्रावास की कार्यप्रणाली एवं वर्षभर संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति के साथ सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में उनकी सहभागिता और उपलब्धियों को रेखांकित किया। समारोह के दौरान शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छात्रावास का गौरव बढ़ाने वाली छात्राओं को मंच से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाली छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी उपलब्धियों को अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने छात्रावास में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम की सराहना की।

स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम कृषि यंत्र पर मिलेगा अनुदान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

किसानों के लिए कृषि विभाग की ओर से अच्छी खबर है। फसल कटाई के बाद खेतों में बचने वाले नरवाई एवं फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल के माध्यम से स्ट्रू (स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम) कृषि यंत्र के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कृषी विभाग से जानकारी अनुसार कृषक 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्राप्त होने के बाद 6 नवंबर 2026 को लॉटरी के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा।

विद्युत विभाग के वरिष्ठ परीक्षण सहायक प्रदीप कुमार चंदेला हुए सेवानिवृत्त

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। विद्युत विभाग में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले वरिष्ठ परीक्षण सहायक प्रदीप कुमार चंदेला 31 अक्टूबर 2026 को अपने गौरवमयी सेवाकाल की पूर्णता पर सेवानिवृत्त हो गए। उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर रेलवे म्यूजियम, नैनपुर में सम्मान एवं विदाई समारोह तथा प्रीतिभोज का आयोजन किया गया।श्री चंदेला ने विद्युत विभाग में अपने सेवाकाल के दौरान पूरी निष्ठा, लगन एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। विभाग में उनके कार्यकाल और अनुभव को हमेशा याद किया जाएगा।



सेवानिवृत्ति के अवसर पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके सेवाकाल की सराहना की। इस अवसर पर आयोजित प्रीतिभोज एवं मिलन समारोह में उपस्थित लोगों ने श्री चंदेला को पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी। प्रदीप कुमार चंदेला एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती आभा चंदेला ने समारोह में शामिल होकर स्नेह और सम्मान देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवानिवृत्ति के बाद जीवन की नई पारी की शुरुआत पर श्री चंदेला को सुखद, स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यालय नगर परिषद् निवास जिला-मण्डला (म.प्र.)

Email.id.us At.cmoniwas@mpurban.gov.in
office Ledline.no.07641-231300

क्र./न.परि./2026/613 निवास, दिनांक 02/11/2026

आम सूचना

उपरोक्त विषयांतर्गत के संबंध में लेख है कि नगर परिषद निवास क्षेत्रांतर्गत निवास पटवारी हल्का नम्बर 36 स्थित खसरा नम्बर 253 रकबा 0.3500 हे. में से 0.3500 हे. गीता भवन निर्माण हेतु नगर परिषद निवास हेतु उपरोक्त भूमि बंटन प्रयोजनार्थ हस्तांतरण।

1.निवास पटवारी हल्का नम्बर 36 स्थित भूमि खसरा नम्बर 253 रकबा 0.3500 हे. भूमि 0.3500 गीता भवन निर्माण कार्य हेतु नगर परिषद निवास को उपरोक्त भूमि बंटन प्रयोजनार्थ हस्तांतरण।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास मण्डला (म.प्र.)

संपादकीय

समाज में बढ़ते रक्तबीज

मुंबई कभी हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंगस्टरों का दखल बढ़ रहा है। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। जो बताता है कि गैंगस्टर कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहले भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निर्माता गैंगस्टरों के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह सराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोटा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्ध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन अभियुक्तों की गिरफ्तारियों से टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के पीछे के आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिल सकेगी। मुंबई पुलिस के लिये ये गिरफ्तारियां और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं क्योंकि इससे पहले कई फिल्मी सितारों को गैंगस्टरों की तरफ से धमकियां दी जाती रही हैं। जिनमें फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी और फिल्म स्टार सलमान खान को डराने के लिये भी गोलीबारी की घटनाएं विगत में हो चुकी हैं। नि:संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूली तथा हिंसा की इक्का-दुक्का घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं। यदि समय रहते ऐसे गैंगस्टरों की कमर नहीं तोड़ी जाती तो वे समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खमियाजा कालांतर कानून-व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगतना पड़ेगा। दरअसल, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हमले के संदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यहां उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए लॉरेंस बिश्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का नाम गाहे-बगाहे विभिन्न अपराधों में संलिप्तता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय बताये जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है। कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, करमवीर सिंह को कनाडा से डिपोर्ट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच सांठगांठ से जुड़ा बताया जाता है। बहरहाल, टाइगर पर हमले वाली घटना सार्वजनिक सुरक्षा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अगर हमलावर मुंबई के एक बेहद भीड़-भाड़ वाले इलाके में किसी सेलिब्रिटी पर गोली चलाकर फरार हो सकते हैं और अपराध करने के बाद राज्य की सीमा से बाहर चले जाते हैं, तो यह सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल है। यह घटनाक्रम खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था और पुलिस की एहतियाती कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। आपराधिक गिरोहों को कानूनी व्यवस्था की खामियों का लाभ उठाने से रोकने के लिये देश के विभिन्न राज्यों के बीच लगातार सहयोग होना जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सूचना को लेकर तालमेल उतना ही जरूरी है, क्योंकि अपराधी गिरोह बेखौफ होकर सीमाओं के पार भी अपनी गतिविधियां बेरोक-टोक चला रहे हैं। निश्चित रूप से बॉलीवुड सितारों और अन्य विशिष्ट लोगों को चाकचौबंद सुरक्षा मिलनी ही चाहिए। लेकिन हर आम आदमी को भी सुरक्षा पाने का हक है। नि:संदेह, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को चुनौती देने वाले इन गिरोहों की कमर तोड़ना राज्य सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

विकास यात्रा की सबसे बड़ी कसौटी

गरीबी से मुक्ति : भारत में उम्मीद का नया उजाला



ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं



किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है। किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है।

एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी।

भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो। गरीबी-मुक्त भारत का सपना केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि रोजगार, उद्यमिता, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और न्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था के समन्वय से साकार होगा। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट भारत में गरीबी से मुक्ति की ओर बढ़ते कदमों और करोड़ों जीवन में फैलती खुशहाली की ऐसी उजली तस्वीर प्रस्तुत करती है, मानो दीपावली के पर्व पर विकास के दीप जल उठे हों। यह केवल आंकड़ों की रोशनी नहीं, बल्कि उन करोड़ों परिवारों के जीवन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान का उजाला है, जो अभावों के अंधकार से निकलकर समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। सचमुच, इस बार दीपावली के दीपों में नए भारत की प्रगति और गरीबों के जीवन में आए उजास की चमक भी दिखाई दे रही है।

निस्संदेह, गरीबी के मोर्चे पर भारत की यह सफलता नए भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में करोड़ों लोगों को निर्धनता के दायरे से बाहर लाना एक उल्लेखनीय स्थान रखता है। लेकिन इस उपलब्धि का अगला चरण आर्थिक असमानता की खाइयों को पाटना और विकास की रोशनी को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना होना चाहिए। विकसित भारत की पहचान केवल उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि इस बात से होगी कि वहां कोई व्यक्ति अभाव, भुखमरी, अशिक्षा और असहायता में जीवन जीने को विवश न हो। 2047 का भारत तभी वास्तविक अर्थों में विकसित और समृद्ध होगा, जब उसकी प्रगति का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचेगा और आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक समरसता एवं समानता भी उसकी पहचान बनेगी। यही नए भारत का स्वप्न है और यही उसकी विकास यात्रा की सबसे बड़ी कसौटी भी।

इसराइल : ध्वस्त हुआ नेतन्याहू के अपराजित होने का मिथक

तनवीर जाफ़री

इज़राइल के 2026 के संसदीय आम चुनावों के नतीजों के आने बाद देश में एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध की स्थिति बन गई है और किसी भी गुट को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ग़ौरतलब है कि इस्राईल की 120 सदस्यों वाली नेसेट अर्थात संसद में सरकार बनाने और पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए 61 सीटों की आवश्यकता होती है। परन्तु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी व अन्य सहयोगी दक्षिणपंथी दलों के गठबंधन को कुल 53 सीटें मिली हैं। जबकि इसमें उनकी स्वयं की लिकुड पार्टी को 27 सीटें मिली हैं। 27 सीटें जीतकर लिकुड पार्टी संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर तो ज़रूर उभरी है परन्तु इसके बावजूद नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन बहुमत के जादुई आंकड़े यानी 61 सीटों तक नहीं पहुँच सका और बहुमत से 8 सीटें कम रह गया। बेंजामिन नेतन्याहू का कहना था कि उनका उद्देश्य एक मज़बूत दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सरकार बनाना है। इस चुनाव का एक और आकर्षण अरब नेतृत्व वाली पार्टियां का 19 सीटों पर जीत दर्ज करना भी है । अरब लोग इस्राईल की कुल जनसंख्या का क़रीब 21 प्रतिशत हैं। इस्राईल के इतिहास में यह अरब पार्टियों का अब तक का ऐतिहासिक व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। जबकि गादी आइज़नकोट का मुख्य विपक्षी गठबंधन 48 सीटें जीत पाया है। माना जा रहा है कि किसी भी बड़े गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण अब इस्राईल में सरकार बनाने के गठबंधन की जोड़-तोड़ और बातचीत का लंबा दौर चल सकता है । निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों ने इस्राइली समाज के गहरे मतभेद उजागर किए हैं। इस्राईल में हुआ यह चुनाव कितना महत्वपूर्ण था इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें यहूदी और अरब दोनों ही मतदाताओं की ओर से रिकॉर्ड संख्या में मतदान में हिस्सा लिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक मतदाताओं ने हज़ारों डॉलर ख़र्च कर विदेशों से आकर मतदान में हिस्सा लिया। नेतन्याहू की पार्टी व उनके नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल न होने के पीछे जो मुख्य कारण माने जा रहे हैं उनमें एक तो यह कि यह चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुये जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसके अतिरिक्त नेतन्याहू पर 7 अक्तूबर से पहले इस्राईल की रक्षा करने में नाकाम रहने का भी आरोप है। ि

अब इस्राईल में नई सरकार बनाने को लेकर भी तरह तरह के क़यास लगाये जा रहे हैं। इतने अलग-अलग विचारों और राजनीतिक हितों को एक सरकार के रूप में साथ लाना अब इस्राईल की राजनीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार बनाने के लिये क्या नेतन्याहू अपने धार्मिक सहयोगियों को छोड़कर विपक्षी गुट के दक्षिणपंथी नेताओं के साथ गठबंधन बनाने के लिए तैयार होंगे? और क्या वे नेता, जो लंबे समय से नेतन्याहू के विरोधी रहे हैं, उनके साथ सरकार में शामिल होने के लिए तैयार होंगे? क्या विपक्षी गठबंधन अपने चुनावी वादों का बड़ा हिस्सा छोड़कर नेतन्याहू को सत्ता से बाहर करने के लिए अरब पार्टियों के साथ सहयोग करने को तैयार है? और क्या अरब पार्टियां ऐसी सरकार में शामिल होने का जोखिम उठाएंगी, जो कुछ ही महीनों में गिर सकती हो ? यह सवाल इस्राईल के राजनैतिक भविष्य के लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं।

इस बीच इस्राइल के वरिष्ठ वामपंथी डेमोक्रेट नेता यायर गोलान ने विपक्षी गुट से अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि हमें अब नेतन्याहू द्वारा यहूदी और अरब वोटों के बीच किए जा रहे नस्लवादी विभाजन को स्वीकार नहीं करना चाहिए। चुनाव परिणामों और विश्लेषकों के रुख़ को देखें तो यह स्पष्ट है कि नेतन्याहू की कट्टर, ध्रुवीकरण करने वाली और अत्यधिक आक्रामक छवि ने उन्हें गंभीर राजनीतिक नुक़्सान पहुँचाया है। अक्टूबर 2023 के हमास हमलों के बाद से इस्राइल लगातार युद्ध की स्थिति में है। नेतन्याहू ने ईरान, गज़ा और लेबनान में सैन्य सफलताओं को भुनाने की कोशिश भी की। लेकिन देश की जनता का एक बड़ा हिस्सा लगातार जारी युद्ध की अनिश्चितता, बंधकों की घर वापसी में विफलता और देश के आर्थिक नुक़्सान से थक चुका था। इसी ने नेतन्याहू की अजेय सुरक्षा प्रदाता वाली छवि को चोट पहुंचाई।

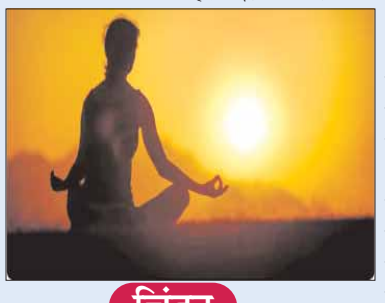
नेतन्याहू के मौजूदा गठबंधन में धुर-दक्षिणपंथी और कट्टरपंथी वे यहूदी नेता भी शामिल थे, जिन्होंने वेस्ट बैंक में आक्रामक नीतियों को बढ़ावा दिया। इसके चलते इस्राइल के उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष और यूरोपीय मूल के यहूदी नागरिकों में यह डर बढ़ गया था कि यह कट्टरता इस्राइल के लोकतांत्रिक ढांचे को ख़त्म कर रही है, जिससे तेल अवीव की सड़कों पर उनके ख़िलाफ़ भारी विरोध प्रदर्शन हुए। इसके अलावा चुनाव प्रचार के दौरान नेतन्याहू ने यहूदी राष्ट्रवादियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया पर आक्रामक बयानबाज़ी की और अरब नागरिकों पर चुनाव चुराने का आरोप लगाया। नेतन्याहू के इस आक्रामक रुख़ ने डर पैदा करने के बजाय अरब मतदाताओं को एकजुट कर दिया, जिसके कारण उन्होंने रिकॉर्ड संख्या में बाहर निकलकर नेतन्याहू व उनके गठबंधन के ख़िलाफ़ वोट डाला। युद्ध के इस दौर में भी नेतन्याहू द्वारा कट्टरपंथी रूढ़ीवादी यहूदियों को सेना की अनिवार्य सेवा से छूट देना भी आम इस्राइलियों को रास नहीं आया, जो लंबे समय से मोर्चे पर लड़ रहे हैं। विपक्ष ने इसे भी एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था ।

इस्राईल के चुनाव परिणाम से यह संकेत भी साफ़ है कि नेतन्याहू ने भले ही अपनी लिकुड पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में बचा लिया हो, लेकिन उनकी आक्रामक और ध्रुवीकरण की राजनीति ने उनके विरोधियों और देश के अरब अल्पसंख्यकों को इस क़दर लामबंद कर दिया कि वे स्पष्ट बहुमत से 8 सीटें दूर रह गए। इसलिये कहना ग़लत नहीं होगा कि इस्राईल में बदलाव की चाहत रखने वाले और उनके कट्टर रवैये से असहमत लोगों ने उनके अपराजित होने के मिथक को ध्वस्त कर दिया है।

बदलाव की शुरुआत खुद से हो, छोटे कदम उठाने का सूत्र सार्थक और कारगर

ज्योति भास्कर

हम सभी अपने जीवन में कुछ न कुछ बदलना चाहते हैं। कोई अपनी आदतें सुधारना चाहता है, कोई अपने रिश्तों को बेहतर बनाना चाहता है और कोई अपने डर से उबरकर आगे बढ़ना चाहता है। कई बार हम यह भी समझते हैं कि हमारे जीवन में क्या गलत हो रहा है और उसे ठीक करने के लिए हमें क्या करना चाहिए। इसके बावजूद हम वही पुराने ढर्रे पर चलते रहते हैं। हम बदलाव के बारे में सोचते हैं, उसके फायदे भी जानते हैं, पर जब उसे अपने जीवन में उतारने की बारी आती है, तो किसी न किसी बहाने से पीछे हट जाते हैं। बदलाव के प्रति विरोध कई बार हमारी अपनी सोच और उन मान्यताओं से पैदा होता है, जिन्हें हमने लंबे समय से अपने भीतर जगह दे रखी है। हम अक्सर मान लेते हैं कि अब कुछ नहीं बदला जा सकता। धीरे-धीरे ये विचार हमारे व्यवहार का हिस्सा बन जाते हैं और हम अपनी ही बनाई सीमाओं में सिमटकर रह जाते हैं।



चिंतन

यह विरोध हमेशा सीधे दिखाई नहीं देता। कई बार इसके संकेत हमारी रोजमर्रा की आदतों में छिपे होते हैं। जरूरी काम को बार-बार टालना या काम शुरू करने के बजाय दूसरे कामों में उलझे रहना भी बदलाव से बचने के तरीके हो सकते हैं। हम अपने व्यवहार को सही ठहराने के लिए तरह-तरह के तर्क गढ़ते हैं। और अपने परिवार, दोस्तों, परिस्थितियों या समाज को जिम्मेदार ठहराते हैं। इस तरह बदलाव की जिम्मेदारी अपने हाथ में लेने के बजाय हम उसके लिए बाहर कोई कारण खोजने लगते हैं। बदलाव के रास्ते की सबसे बड़ी बाधाओं में से एक अज्ञात का भय है।

हमें इस बात का डर सताता रहता है कि पुरानी आदतें छोड़ने पर भविष्य में क्या होगा और लोग क्या कहेंगे। यही अनिश्चितता का भय हमें ऐसी जानी-पहचानी परिस्थितियों में ही उलझाए रखता है, जो हमारे लिए हितकर न होने पर भी एक झूठी सुरक्षा का एहसास कराती हैं। हमारी बार-बार दोहराई जाने वाली आदतें और परेशानियां भी हमारे भीतर मौजूद कुछ अधूरी जरूरतों या मान्यताओं की ओर इशारा करती हैं। इसलिए केवल किसी आदत को जबर्दस्ती छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। उसके पीछे छिपे कारण को समझना भी जरूरी है।

बदलाव का पहला कदम यह स्वीकार करना है कि हमारे भीतर भी कुछ ऐसा है, जिसे बदलने की जरूरत है। इसके लिए स्वयं को दोषी ठहराने की नहीं, बल्कि ईमानदारी से अपने विचारों को परखना जरूरी है। जब हम पुराने डर और मान्यताओं को पहचानकर उनसे आगे बढ़ने की इच्छा रखते हैं, तभी नए रास्तों की संभावना बनती है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए कभी-कभी सबसे जरूरी काम यही होता है कि हम उस चीज को छोड़ने के लिए तैयार हों, जिसे अब तक कसकर पकड़े हुए हैं।

लगता है चाँद भी सौतिया डाह का शिकार हो गया...

हिंदी में सौतिया डाह एक मुहावरा बड़ा मशहूर है, शाब्दिक अर्थ में किसी पति की दो पत्नियों के बीच द्वेष के लिए इसका उपयोग किया जाता है लेकिन साधारण अर्थ ये केवल ईर्ष्या नहीं, बल्कि मन के भीतर गहराई तक बैठने वाली एक तीव्र चुभन या द्वेष है।

लोक-व्यवहार और मुहावरों में इस शब्द का प्रयोग अक्सर दो प्रतिद्वंद्वी या आपस में जलन रखने वालों के अत्यधिक द्वेष को दर्शाने के लिए भी किया जाता है

इस बार करवा चौथ के दौरान चांद ने जो नौटंकी करी उससे साफ हो गया कि हजारों मील दूर बैठा चांद भी महिलाओं के प्रति सौतिया डाह का शिकार हो गया था जोबेचारी महिलाएं भूखी प्यासी चांद को देखने के लिए गर्दन ऊंची कर कर के बार बार आकाश की तरफ देख रही थी लेकिन चांद आकाश से नदारत था, इधर पत्नियों की भूख के मारे अंतड़िया ऐंठी जा रही थी वहीं दूसरी तरफ पति भी परेशान थे कि ऐसा न हो कि भूख प्यास से बेहाल उनकी पत्नियां बेहोश हो जाएं, चारों तरफ बेचैनी थी, रात



गहराती जा रही थी लेकिन चांद का दूर दूर तक पता नहीं था वो राजपाल यादव की फ्लॉप फिल्म अता पता लापता जैसा गायब हो गया था बाद में बहुत खोजबीन करने के बाद अपने को पता लगा कि चांद अपनी खूबसूरती की तुलना महबूबा या पत्नी से करने से नाराज था।

उसको लगता था कि उससे ज्यादा हसीन इस दुनिया में और कोई नहीं है लेकिन गीतकारों ने उसकी सुंदरता की ऐसी तेसी करते हुए ये गीत लिख दिया चांद आहें भरेगा फूल दिल थाम लेंगे हुस्न की बात चली तो सब तेरा नाम लेंगे दूसरे गीतकार ने लिख दिया चांद सी महबूबा हो मेरी कब ऐसा मैने सोचा था एक गीतकार तो सबसे बढ़कर निकले उनकी पंक्तियां थी चौदहवीं का चांद हो या आफ़ताब हो एक गीतकार तो चांद के पार जाने की बात कहते हुए लिखते हैं चलो दिलदार चलो चांद के पार चलो तो दूसरे गीतकार ने कह दिया खोया खोया चांद यानी चांद को खोया हुआ बतला दिया, जबकि वो पूरी तरह चैतन्य था, जब चांद पर इतने गाने लिखे जा रहे थे तो नए गीतकार भला पीछे क्यों रहते सो उन्होंने भी लिख दिया चांद सिफारिश करता जो हमारी चांद के चेहरे से तुलना करते हुए एक आशिक अपनी महबूबा को देखते हुए गाता है ये चांद सा रोशन चेहरा जुल्फों का रंग सुनहरा अब आप खुद ही सोचो जिस चांद को खूबसूरती का मापदंड माना जाता हो उसकी तुलना यदि किसी और से की जाएगी तो उसके मन में ईर्ष्या के भाव तो पैदा होंगे ही इसलिए अपने को लगता है कि इस बार करवा चौथ में चांद ने उपवास रखने वाली महिलाओं को दर्शन न देकर अपनी सौतिया डाह का प्रदर्शन कर दिया लेकिन चांद मियाँ इसमें इन बेचारी महिलाओं का दोष नहीं है तुम्हारी खूबसूरती की तुलना तो पति कर रहे थे उनको अड़ी पटकते तो कोई बात होती बेचारी महिलाओं को भूखी प्यासी रखने का पाप तुम्हारे सर पर होगा ये समझ लेना।

सच की कीमत

कहते हैं कलयुग में सच नहीं होता बोलना चाहिए क्योंकि कलयुग झूठ का सम्राट माना जाता है लेकिन कई लोग ऐसे भी हैं जो ये भूल गए कि हम कलयुग में जी रहे हैं और सच बोलने लगे, अब देखो ना पन्ना के जल संसाधन विभाग में एक कार्यपालन यंत्री हैं उन्होंने सच क्या बोला पूरे प्रदेश की अफसरशाही में हड़कंप मच गया उन्होंने सिर्फ इतना कहा था कि मैने नौकरी में कभी रिश्वत नहीं मांगी लेकिन कोई खुशी से दे दे तो मैं मना भी नहीं करता उन्होंने ये भी कहा कि ये ठेकेदारों की सद्भावना और अच्छी पहल होती है बताओ इसमें क्या बुराई की बात है उस गरीब ने किसी से जबरदस्ती तो रिश्वत मांगी नहीं लेकिन अगर कोई प्रेम से उन्हें कुछ दे रहा तो उसको स्वीकार करना उनका परम कर्तव्य था । वैसे भी यह कहा जाता है कि अगर कोई प्रेम से कोई उपहार आपको दे रहा हो भले ही वह कितना सस्ता या मंहगा हो उसे पूरी शिद्दत के साथ स्वीकार कर लेना चाहिए तो यहां तो फिर अच्छा खासा कमीशन उन महोदय को मिल रहा था और वे भी बिना किसी ना नुकुर के उसे स्वीकार भी करते रहे बस उनसे गलती इतनी हो गई कि उन्होंने अपने दिल की भावना सार्वजनिक कर दी वरना हर डिपार्टमेंट में जहां भी ठेकेदार काम करते हैं वहां के हर अधिकारी के पास माल तो पहुंचता है बाकायदा परसेंटेज फिक्स रहता है और इस आधार पर बिल भी पास होते हैं लेकिन इन कार्यपालन यंत्री जी को पता नहीं सच बोलने की क्या जरूरत पड़ गई इधर उन्होंने सच बोला और उधर डिपार्टमेंट ने उनको सस्पेंड कर दिया। डिपार्टमेंट का सोचना था कि यह गुप्त बातें उस कार्यपालन यंत्री ने आम कैसे कर दी अपना तो सबसे यही कहना है की दुनिया में रहना है तो सच मत बोलना, पूरी दुनिया झूठ के दम पर चल रही है तो तुम काहे को सच बोलने का ठेका ले रहे झूठ बोलो खुश रहो मस्त रहो।

खाली पड़ा महल

लोग बाग अपने रहने के लिए बड़े बड़े महल बड़े बड़े विला बना लेते हैं लेकिन वे नहीं जानते कि भले ही सौ कमरों की कोठी हो या महल, रहना तो एक ही कमरे में है ऐसा तो है नहीं कि एक घंटा इस कमरे में रहोगे, दूसरे घंटे दूसरे में, तीसरे घंटे तीसरे में, इसके बाद हर घंटा भी यदि कमरा बदलोगे तो चौबीस घंटे में कुल जमा चौबीस कमरों का ही उपयोग कर पाओगे ।अब सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को ही देख लो अठ्ठाइस सौ करोड़ की हवेली उनके पास है, पांच हजार करोड़ की याट के वे मालिक है लेकिन जब से यमन के विद्रोहियों हुतीयों ने सऊदी अरब पर हमले शुरू किए हैं बेचारे प्रिंस अपना महल छोड़कर बंकर में पड़े हुए हैं प्रिंस का महल खाली पड़ा है याट पानी में पड़ी पड़ी सड़ रही है लेकिन प्रिंस साहब की हिम्मत बंकर से बाहर निकलने की नहीं हो रही क्योंकि वहां जान का खतरा है। दार्शनिक लोग सच कहते हैं कि काहे के लिए मरे जा रहे हो पैसा कमाने के लिए, बड़ा बंगला बनाने के लिए, गाड़ी घोड़ा खरीदने के लिए, किसी भी दिन अलसेट हो जाएगी सब धरा के धरा रह जाएगा लेकिन इन दार्शनिकों की बात सुनता कौन है ? जिसके पास हज़ार है वो लाख के चक्कर में है जिसके पास लाख हैं वो करोड़ के चक्कर में परेशान है बस इसी चक्कर में पूरी जिंदगी गुजर जाती है ना तो उसका उपयोग कर पाते हैं और ना ही उसका मजा उठा पाते हैं अब भाई साहब को कब तक बंकर में रहना पड़ेगा ये कोई नहीं जानता क्योंकि हुती विद्रोहियों के मिजाज का कोई भरोसा तो है नहीं कब हमला कर दें नोबडी नोज।

सुपरहिट ऑफ़ द वीक

कल रात चांद दिखाई नहीं दिया फिर आपने क्या किया श्रीमती जी की पड़ोसन ने उनसे पूछा

मैने तो अपने टकले पति की चांद देखकर अपना उपवास तोड़ दिया था श्रीमती जी ने उत्तर दिया

चीन हुआ सन्न, दुनिया हैरान, ट्रंप पर ऐसा भड़के जयशंकर

नई दिल्ली

पिछले कुछ समय से ही भारत अमेरिका के दोहरे रवैया की किस तरह से हवा निकाल रहा है। खासकर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर जब भी किसी विदेश यात्रा पर होते हैं और बात अमेरिका की होती है तो वो जरूर ट्रंप को दुनिया के सामने बेनकाब करने का काम करते हैं। हाल ही में ट्रंप ने जिस तरह से भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की उसको लेकर जयशंकर लगातार अमेरिका को घेर रहे हैं। एक बार फिर जयशंकर अमेरिका पर इतने भड़क गए कि ट्रंप को तगड़ा सुना डाला। यही नहीं बल्कि इस बार तो उन्होंने चीन को भी नहीं छोड़ा।

दरअसल भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया कि उसकी विदेश नीति किसी एक ताकत के इशारों पर नहीं चलती। अमेरिका के साथ क्वाड जैसे रणनीतिक समूह में साझेदारी है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भारत हर मुद्दे पर वाशिंगटन की बात से सहमत होगा। अटलांटा में हुई ज20 विदेश मंत्रियों की बैठक और क्वाड की बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस तरह की बातें कही हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि वो किसी भी तरह का दबाव सहने वाले नहीं है। खासतौर पर रूस से तेल खरीदने के मामले में जिस तरह का



रुख अमेरिका ने अपनाया उसे लेकर भारत ने साफ किया है कि वह किसी भी दबाव में अपनी नीति तय नहीं करेगा। इतना ही नहीं जयशंकर ने अपने पिछले अमेरिकी दौरे पर आतंकवाद को लेकर रुख साफ किया था। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर जीरो टॉलरेंस भारत की पॉलिसी का हिस्सा है और अगर कोई देश भारत से डील चाहता है तो उसे यह समझना होगा। उन्होंने इस आतंकवाद पर अमेरिका के दोहरे चरित्र का भी खुलासा किया था।

इस बार जयशंकर ने दुनिया में चल रहे युद्धों का भी मुद्दा उठाया। जयशंकर ने कहा कि संघर्षों की कीमत केवल सीधे तौर पर शामिल देशों को ही नहीं बल्कि अन्य देशों को भी चुकानी पड़ रही है। दरअसल कुछ घंटे पहले अटलांटा में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों की क्वाड बैठक हुई। इसमें जयशंकर के साथ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो, जापान के विदेश मंत्री मोतेगी और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वोंग शामिल हुए। लेकिन यहां भी जयशंकर ने अमेरिका को घेरना नहीं छोड़ा। गौर करने वाली बात तो यह है कि जिस तरह से भारत अब तक हर मंच से पाकिस्तान और चीन को घेरता आया है, ठीक कुछ वैसे ही इन दिनों अमेरिका को भी भारत घेर रहा है। क्योंकि ट्रंप भस्मासुर बनकर दुनिया भर में आग लगा रहे हैं और वैसी ही आग वो भारत में भड़काने की कोशिश तो करते हैं लेकिन उनकी कोशिश हर बार नाकाम हो जाती है।

ब्रिटेन सरकार की एक हजार दिनों में युद्ध की तैयारी की योजना पागलपन : गैलोवे

लंदन (वार्ता)। ब्रिटेन की वर्कर्स पार्टी के नेता जॉर्ज गैलोवे ने रक्षा मंत्री वेस स्ट्रीटिंग का



1,000 दिनों में युद्ध की तैयारी करने के आह्वान को ब्रिटिश अभिजात वर्ग की रूस के खिलाफ पागलपन भरी बयानबाजी का हिस्सा बताया है। श्री जॉर्ज गैलोवे ने स्पुतनिक को यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश मीडिया आज राजनीतिक अभिजात वर्ग द्वारा पेश किए जा रहे पागलपन को दोहराता है और कोई इस पर सवाल भी नहीं उठाता।उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों की पृष्ठभूमि में देश गिरावट की ओर बढ़ रहा है। राजनेता ने जोर देकर कहा कि ब्रिटेन में आर्थिक संकट और बिगड़ रहा है।श्री गैलोवे ने कहा कि ब्रिटेन ने रूस को एक स्थायी दुश्मन घोषित कर दिया है और हर समस्या के लिए उसे दोषी ठहराया जाता है।उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन के रक्षा मंत्री श्री स्ट्रीटिंग ने पहले कहा था कि ब्रिटेन को 2030 तक संभावित लड़ाई के लिए तैयार रहना चाहिए और ब्रिटिश सेना के पास इस मिशन को पूरा करने के लिए एक हजार दिन हैं। इसे पाने के लिए देश ने 2030 तक अपने रक्षा खर्च को जीडीपी के तीन प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बनायी है, जबकि 2026 में अनुमानित खर्च 2.6 प्रतिशत है।

रूस ने यूक्रेन के सैनिकों के लिए आपूर्ति पहुंचा रहे एक मालवाहक जहाज़ पर हमला किया

मॉस्को (वार्ता)। रूस ने ओडेसा से 16 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में समुद्र में यूक्रेन के सैनिकों के लिए आपूर्ति पहुंचा रहे एक मालवाहक जहाज़ पर हमला किया है।रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।उन्होंने बताया कि सेना का यह हमला यूक्रेनी सेना को समुद्री आपूर्ति में रुकावट डालने के मकसद से किए जा रहे लगातार हमलों की सीरीज़ में सबसे नया है।रूस यूक्रेनी परिवहन और ऊर्जा सुविधाओं और यूक्रेन की सेना द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली संपत्तियों पर सुनियोजित हमले कर रहा है।

ब्रिटेन : अमेरिकी दूतावास के बाहर फिलिस्तीन एक्शन के समर्थन में प्रदर्शन, 300 से अधिक लोग गिरफ्तार

लंदन, (वार्ता)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में अमेरिकी दूतावास के बाहर प्रतिबंधित संगठन फिलिस्तीन एक्शन के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे 300 से अधिक लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, शनिवार को नाइन एल्म्स इलाके में सैकड़ों लोग एकत्र हुए थे, जिनमें से कई हाथों में तख्तियां लिए हुए थे। पुलिस ने रविवार को बताया कि कुल 325 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 320 गिरफ्तारियां आतंकवाद अधिनियम के तहत प्रतिबंधित संगठन का समर्थन करने के आरोप में की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि फिलिस्तीन एक्शन को जुलाई 2025 में प्रतिबंधित कर दिया गया था। तब से लेकर अब तक इस समूह से जुड़ी गतिविधियों में 4,000 से अधिक लोगों की गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। मानवाधिकार संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल यूके और नागरिक अधिकार समूहों ने इन गिरफ्तारियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए संगठन पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की है। दूसरी ओर, यूनाइटेड किंगडम का सुप्रीम कोर्ट जल्द ही आतंकवाद कानून के तहत फिलिस्तीन एक्शन पर लगाए गए प्रतिबंध की समीक्षा करने वाला है, जबकि गृह मंत्रालय ने इस अपील का अदालत में पुरजोर विरोध करने की बात कही है।

भारत की जमीन से जापान ने दागी मिसाइल पाक की बढ़ी टेंशन, ड्रैगन हुआ अलर्ट!

नई दिल्ली

एशिया का पावर गेम पूरी तरह बदल चुका है। भारत और जापान की नई दोस्ती ने बीजिंग से लेकर इस्लामाबाद तक के हुक्मरानों की इरादों की नींद उड़ा दी है। जापान अब अपनी वो तबाही मचाने वाली 1000 किमी मारक क्षमता वाली मिसाइल और स्ट्राइक ड्रोन भारत की टेस्टिंग रेंज में दागने की तैयारी कर रहा है। ओडिसा के चांदीपुर में और इस खबर ने पाकिस्तान के रक्षा विशेषज्ञों की नींद उड़ा कर रख दी है। वे अपनी बौखलाहट छिपा भी नहीं पा रहे हैं। जापान जो कभी अपनी रक्षात्मक नीतियों के दायरे में सिमटा रहता था। आज चीन और ड्रैगन के हरकतों से तंग आकर अपनी सैन्य ताकत को खतरनाक स्तर पर बढ़ा रहा है। जापान बना रहा टाइप 25 जैसी घातक एंटीशिप मिसाइल जिसकी रेंज पूरे 1000 किमी है। जापान खुद एक छोटा आइलैंड नेशन है। जहां इतनी लंबी दूरी की मिसाइलों को टेस्ट



करने के लिए ना तो खुला आसमान है और ना ही समंदर। इसीलिए जापान के चीफ ऑफ स्टाफ ने हाथ जोड़कर भारत की तरफ देखा। जापानी रक्षा अधिकारियों की टीम ने भारत आकर ओसा के चांदीपुर टेस्ट रेंज का कोना-कोना छान मारा है।

सोचिए जहां भारत अपनी अग्नि और ब्रह्मोस जैसी मिसाइलों से दुश्मनों के होश उड़ाता है। अब वहीं जापान भी अपने हथियार परखेगा। अब जरा रुख करते हैं हमारे प्यारे कंगाल पड़ोसी यानी पाकिस्तान की तरफ। इस खबर के आते ही पाकिस्तान में मातम छा गया। पाकिस्तान के जाने-माने विश्लेषक कमर चीमा जैसे लोग इस बात से बौखलाए हुए हैं कि अरे भाई भारत और जापान की यह नजदीकी हमारे आका यानी चीन के लिए बहुत बड़ा खतरा है। भारत की कूटनीति ने दुनिया के सबसे तकनीकी रूप से उन्नत देश यानी जापान को अपने पाले में लाकर खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान की चीन पर अंधभक्ति वाली आदत अब इस नए रक्षा समीकरण के सामने पूरी तरह पस्त नजर आ रही है। भारत और जापान का यह तकनीकी तालमेल सीधे तौर पर चीन और उसके समर्थक पाकिस्तान की हैकड़ी निकालने के लिए काफी है। जरा सोचिए अगर जापान की तकनीक और भारत की सैन्य ताकत एक मंच पर आ गई तो इस पूरे इंडोपेसिफिक क्षेत्र में चीन की दादागिरी हमेशा के लिए दफन हो जाएगी। बीजिंग के रणनीतिकारों की नींद उड़ चुकी है क्योंकि उन्हें पता है कि भारत अब सिर्फ जवाब देना नहीं जानता बल्कि दुनिया के दिग्गजों को अपने यहां ट्रेनिंग और टेस्टिंग का मैदान मुहैया करा रहा है। हालांकि अभी इस पर कोई फाइनल मुहर नहीं लगी है लेकिन जिस तरह से जापानी सैन्य अधिकारियों ने भारत के ठिकानों का मुआयना किया है उससे साफ है कि दाल में कुछ बहुत बड़ा पक रहा है और जब यह डील फ़ाइनल होगी तो पाकिस्तान और चीन के पैरों तले जमीन खिसकना तो तय है।

अमेरिका में हैलोवीन सप्ताहांत के दौरान गोलीबारी में 200 से अधिक लोग घायल, 75 की मौत

वाशिंगटन,(वार्ता)। अमेरिका में विश्लेषकों के आंकड़ों के अनुसार हैलोवीन सप्ताहांत के दौरान गोली लगने से 200 से अधिक लोग घायल हुए, जबकि कम से कम 76 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने आरआईए नोवोस्ती को बताया कि छुट्टियों के दौरान आयोजित कई पार्टियों का अंत बड़ी संख्या में लोगों के अस्पताल पहुंचने के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि 31 अक्टूबर, जिसे ऑल हैलोज़ ईव (हैलोवीन) कहा जाता है, इस बार शनिवार को पड़ा। जबकि ऐसा बहुत कम होता है, पिछली बार ऐसा 2020 में हुआ था और अब अगली बार 2037 में ऐसा होगा। अमेरिका में इस त्योहार को बहुत धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें पूरे शहर में परेड निकाली जाती हैं और बड़े पैमाने पर वेशभूषा कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विश्लेषकों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार घटनाओं का यह सिलसिला शुक्रवार सुबह टेनेसी से शुरू हुआ, जहां एक किशोर हाई स्कूल में हैंडगन लेकर पहुंच गया। इसमें कोई मारा नहीं गया लेकिन अब उस किशोर पर अवैध हथियार रखने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसी तरह शिकागो के एक दक्षिणी इलाके में बहस के दौरान 35 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या करने का दावा किया गया है। घटनास्थल के फुटेज में एक निजी घर दिखाई दे रहा है, जिसे हैलोवीन के लिए सजाया गया था। मिसौरी के एक छोटे से शहर में एक हाउस पार्टी के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि गोलीबारी हो गई, जिसमें 22 वर्षीय एक व्यक्ति ने 18 वर्षीय युवक को घायल कर दिया। इन घटनाओं में घरेलू हिंसा के दौरान हथियारों के इस्तेमाल के मामले भी शामिल हैं। कैलिफोर्निया के फेयरफील्ड में पुलिस विभाग ने आरआईए नोवोस्ती को बताया कि एक स्थानीय शॉपिंग मॉल में हैलोवीन कॉस्ट्यूम बेचने वाली दुकान के पास गोलीबारी हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इसमें 16 से 43 साल की उम्र के छह लोग घायल हो गए और एक 31 वर्षीय एक गर्भवती महिला की मौत के दावे किए गए हैं।

आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों पर करें सख्त कार्रवाई : योगी

गोरखपुर(वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में लगातार दूसरे दिन सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया और लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उन्हें आश्वस्त किया कि हर समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

जनता दर्शन में कुछ लोगों द्वारा आईजीआरएस ;समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली पोर्टल पर गलत रिपोर्ट लगाए जाने की शिकायत प्रस्तुत करने पर मुख्यमंत्री की भृकुटि तन गई। इसे लेकर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान देकर समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराया जाए।

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में



मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। सीएम ने समस्या सुनते हुए लोगों को भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जबरन जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए।

जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। जनता दर्शन में आई एक दिव्यांग युवती ने परिवार की आर्थिक दिक्कत का उल्लेख कर इंटर पास भाई के लिए रोजगार की व्यवस्था कराने का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस प्रार्थना पत्र के संबंध में उचित सहयोग किया जाए।

अब बड़के भइया का झंडा उठाना बंद करिए डरकर कब तक करेंगे राजनीति : राजभर

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के कबीना मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुये कहा कि अब बड़के भइया (राहुल गांधी) का झंडा उठाना बंद कीजिये, डर कर कब तक राजनीति करेंगे। श्री राजभर ने एक्स पर पोस्ट किया और कहा कि अब अखिलेश को डरकर राजनीति करने के बजाय अपना राजनीतिक स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर भी तंज कसा। उन्होने कहा, अखिलेश यादव जी, लगता है मैंने जो सुबह कहा था, वह आपको शाम तक समझ आ गया। आखिर कब तक दबकर राजनीति करेंगे? अब बड़के भइया से डरना नहीं है। यही समय है, सही समय है। कम से



कम बड़के भइया का झंडा उठाना तो बंद करिए। सुभासपा अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि रैली करने के बाद बड़के भइया फिर थाईलैंड, वियतनाम या मंगोलिया निकल जाएंगे और अखिलेश यादव को यहां सीटों के बंटवारे को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य से बातचीत करनी पड़ेगी। राजभर ने स्वामी प्रसाद मौर्य का जिक्र करते हुए कहा कि वह वही नेता हैं, जो बड़के भइया के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं और अखिलेश यादव की राजनीतिक हैसियत पर सवाल उठाते फिरते हैं। अखिलेश ने उन्हें पूरा सम्मान दिया, लेकिन बदले में उन्हें अपमान ही मिला।

उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि अखिलेश यादव का राजनीतिक स्तर दिन-ब-दिन गिरता जा रहा है। उनके कार्यकर्ता उम्मीद लगाए बैठे हैं कि पार्टी अध्यक्ष कोई बड़ा राजनीतिक धमाका करेंगे, लेकिन वह फुस्स पटाखा साबित हुए। राजभर ने अखिलेश यादव को अपना रुख स्पष्ट करने की नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें अपना स्टैंड साफ-साफ बता देना चाहिए या फिर दिल्ली के चक्कर लगाते रहना चाहिए। श्री राजभर के इस बयान से उत्तर प्रदेश की राजनीति में विपक्षी गठबंधन और उसके नेताओं के बीच रिश्तों को लेकर एक बार फिर सियासी बयानबाजी तेज होने के संकेत हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

विशाल चतुर्वेदी ने रचा इतिहास, पहली ही फिल्म ने पार किया 300 करोड़ का आंकड़ा

फिल्म निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने अपनी पहली ही फिल्म हनुमान अंश के जरिए भारतीय बॉक्स ऑफिस पर नया रिकॉर्ड कायम किया है।विशाल चतुर्वेदी भारत के ऐसे पहले डेब्यू निर्देशक बन गए हैं, जिनकी पहली निर्देशित फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये नेट से अधिक की कमाई की है। 22 अक्टूबर 2026 तक फिल्म भारत में 341 करोड़ रुपये नेट का कारोबार कर चुकी थी।



फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, लेकिन दर्शकों से मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद इसकी कमाई में लगातार इजाफा हुआ। बाबा नीब करौरी के जीवन से प्रेरित इस आध्यात्मिक ड्रामा फिल्म को दर्शकों के बीच अछी लोकप्रियता मिली है। फिल्म की सफलता में विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन और कहानी कहने के अंदाज की अहम भूमिका मानी जा रही है। फिल्म ने सिनेमाघरों में प्रदर्शन के 75 दिन पूरे कर लिए हैं और दुनियाभर में प्रदर्शित हो रही है। पहली ही फिल्म से 300 करोड़ रुपये के क्लब में प्रवेश कर विशाल चतुर्वेदी ने बतौर निर्देशक अपनी पहचान स्थापित की है। हनुमान अंश की सफलता को नए निर्देशक के लिए भारतीय बॉक्स ऑफिस की एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

61 वर्ष की हुई अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे

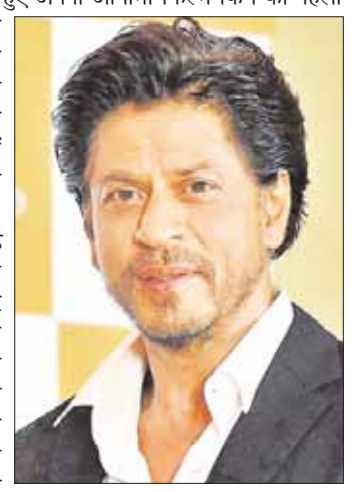
बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे आज 61 की हो गयीं।पद्मिनी कोल्हापुरी का जन्म 01 नवंबर, 1965 को एक मध्यम वर्गीय कोंकणी परिवार में हुआ। उनके पिता पंढरीनाथ कोल्हापुरे शास्त्रीय गायक थे, जबकि उनकी मां एयरलाइंस में काम किया करती थीं। घर में संगीत का माहौल रहने के कारण पद्मिनी कोल्हापुरी का रुझान भी संगीत की तरफ हो गया और वह अपने पिता से संगीत सीखने लगीं। 1973 में प्रदर्शित फिल्म यादों की बारात में उन्हें गाने का अवसर मिला। इस फिल्म में उनकी आवाज में रचा बसा यह गीत यादो की बारात निकली है आज दिल के द्वारे श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ। इसके बाद उन्होंने किताब, दुश्मन, दोस्त जैसी फिल्मों में भी अपनी बहन शिवांगी के साथ पार्श्वगायन किया। 1980 में प्रदर्शित फिल्म इंसाफ का तराजू पद्मिनी कोल्हापुरी के करियर की महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुई। बी.आर.चोपड़ा के बैनर तले बनी यह फिल्म 1976 में प्रदर्शित हॉलीवुड फिल्म लिपिस्टक की रिमेक थी। इस फिल्म में पद्मिनी कोल्हापुरी ने अभिनेत्री जीनत अमान की बहन की भूमिका निभाई थी जिन्होंने बलात्कार की शिकार एक युवती की भूमिका निभाई थी। फिल्म में अपनी संजीदा भूमिका से उन्होंने दर्शको का दिल जीत लिया साथ ही सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से भी सम्मानित की गई। बतौर अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुर ने अपने करियर की शुरुआत 1980 में प्रदर्शित फिल्म जमाने को दिखाना है से की। नासिर हुसैन निर्मित इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका अभिनेता ऋषि कपूर ने निभाई थी। बेहतरीन गीत-संगीत के बावजूद फिल्म को टिकट खिड़की पर अपेक्षित सफलता नहीं मिली। 1982 में प्रदर्शित फिल्म प्रेम रोग में पदमिनी कोल्हापुरी के अभिनय के नए रूप देखने को मिले। राजकपूर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने एक विधवा का किरदार निभाया था। अपने भावपूर्ण अभिनय से उन्होंने दर्शकों का दिल जीतकर फिल्म को सुपरहिट बना



दिया।फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की गईं। 1982 में पद्मिनी कोल्हापुरी को सुभाष घई निर्मित फिल्म विधाता में काम करने का अवसर मिला जो उनके करियर की एक और सुपरहिट फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने अभिनय के अलावे एक गीत सात सहेलियां खड़ी खड़ी को भी अपनी आवाज दी थी जो उन दिनों श्रोताओं के बीच क्रेज बन गया था। हालांकि, बाद में यह गीत बैन कर दिया गया था। 1983 में प्रदर्शित फिल्म सौतन उनके करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है। इस फिल्म में उन्हें सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ काम करने का अवसर मिला। फिल्म में एक अछूत कन्या का किरदार निभाया था। फिल्म में अपने संजीदा अभिनय के लिये पद्मिनी कोल्हापुरी सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से नामांकित की गई। 1985 में प्रदर्शित फिल्म प्यार झुकता नहीं पद्मिनी कोल्हापुरी के करियर की सर्वाधिक सुपरहिट फिल्मों में शुमार की जाती है। इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका मिथुन चक्रवर्ती ने निभाई थी। दोनों की जोड़ी को दर्शको ने बेहद पसंद किया। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए पद्मिनी कोल्हापुरी अपने करियर में दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से नामांकित की गई।1986 में प्रदर्शित फिल्म ऐसा प्यार कहां के निर्माण के दौरान उनका झुकाव निर्माता टुटु शर्मा की ओर हो गया और बाद में उन्होंने शादी कर ली। शादी के बाद पद्मिनी कोल्हापुरी ने फिल्मों में काम करना काफी हद तक कम कर दिया। 1993 में प्रदर्शित फिल्म प्रोफेसर की पड़ोसन के बाद पद्मिनी कोल्हापुरी ने फिल्म इंडस्ट्री से संयास ले लिया। 2004 में प्रदर्शित मराठी फिल्म मंथन से उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी वापसी की। फिल्म में उनकी भूमिका दर्शकों के बीच काफी सराही गई। उन्होंने अपने करियर में लगभग 60 फिल्मों में काम किया है। वह इन दिनों बॉलीवुड में अधिक सक्रिय नहीं हैं।

शाहरुख खान ने जन्मदिन पर रिलीज किया फिल्म किंग का पहला गाना तू मिल जाए

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपने जन्मदिन के अवसर पर प्रशंसकों को खास तोहफा देते हुए अपनी आगामी फिल्म किंग का पहला गानातू मिल जाए रिलीज किया है। रोमांस, एक्शन और रोमांच से भरपूर इस गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी एक बार फिर दर्शकों को आकर्षित करती नजर आ रही है।



गाने की खासियत बॉलीवुड के लोकप्रिय गायक अरिजीत सिंह और अंतरराष्ट्रीय पॉप स्टार एड शीरन का अनूठा संगीत सहयोग है। अरिजीत की सुरीली आवाज, एड शीरन के अंग्रेजी रैप और मधुबंती बागची की गायकी ने इसे खास अंदाज दिया है।म्यूजिक वीडियो की शुरुआत शाहरुख खान के दमदार संवाद, मैं कातिल नहीं, आशिक हूं और निशाना मेरी माशूका, और वो आशिक ही क्या जो दिल चीर न दे से होती है। इसके बाद रोमांटिक दृश्यों, डांस और एक्शन के जरिए फिल्म की दुनिया की झलक पेश की गई है। सचिन-जिगर के संगीत, कुमार के लिखे बोल और पीयूष-शाजिया की कोरियोग्राफी से सजे इस गाने में एड शीरन का अंग्रेजी रैप भी शामिल है। वीडियो का समापन शाहरुख खान के एक और दमदार संवाद, इस बार दिल में आग लगी है, अब दुनिया जलाए बिना मानेगा नहीं से होता है।

गौरीशंकर मंदिर में चोरी की कोशिश नाकाम, ताला तोड़ने घुसाई लोहे की सरिया छोड़ भागे तीन चोर

मंदिर के सामने रहने वाले युवक की खुली नींद तो टली वारदात

स्कूटी से फरार हुए आरोपी; नगर में मंदिरों में चोरी की चौथी घटना से बढ़ी चिंता





सिवनी। स्वतंत्र मत। नगर के बस स्टैंड परिसर के समीप स्थित प्राचीन गौरीशंकर मंदिर में 2 नवंबर की सुबह करीब 3 बजे तीन अज्ञात चोरों ने चोरी करने का प्रयास किया। हालांकि मंदिर के ठीक सामने रहने वाले एक युवक की सतर्कता के चलते चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके और मौके से भाग निकले।

जानकारी के अनुसार, तीनों अज्ञात चोर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार की ग्रील में लगे ताले को लोहे की सरिया से तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान मंदिर के सामने रहने वाले युवक की नींद खुल गई। युवक ने जैसे ही अपने घर का दरवाजा खोला, चोर घबरा गए और ताले में फंसाई गई लोहे की सरिया वहीं छोड़कर भागने लगे। युवक ने उन्हें पकड़ने के लिए पीछा भी किया, लेकिन तीनों आरोपी स्कूटी से फरार होने में सफल रहे।

सुबह युवक ने घटना की जानकारी मंदिर समिति के सदस्यों एवं पुजारी को दी। सूचना पर डायल 112 की एफआरवी टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

मंदिरों में चोरी की घटनाओं से बढ़ी चिंता

गौरतलब है कि नगर एवं आसपास के क्षेत्र में मंदिरों को निशाना बनाए जाने की यह चौथी घटना है।

इससे पूर्व शहीद वार्ड स्थित सुभाष ग्राउंड के मारुति नंदन हनुमान मंदिर से चांदी की चरण पादुकाएं, खैर माई मढ़िया के सामने स्थित हनुमान मंदिर की प्रतिमा से चांदी का मुकुट तथा ग्राम माल्हनवाड़ा के बंजारी माता मंदिर से प्रतिमा की चांदी की पायल और दानपात्र की नकदी चोरी हो चुकी है। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं से धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर श्रद्धालुओं एवं नागरिकों में चिंता बढ़ने लगी है।

अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव का सहकारी समिति कर्मचारियों ने किया भव्य स्वागत-अभिनंदन



सिवनी। स्वतंत्र मत। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक), भोपाल के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव के आगमन पर मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारियों द्वारा आत्मीय एवं जोरदार स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों एवं महासंघ के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत करते हुए पुष्पमालाओं एवं सम्मान के साथ उनके प्रति अपना स्नेह और आदर व्यक्त किया।

इस दौरान सहकारी समिति कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित समस्याओं एवं मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा।

ज्ञापन में कर्मचारियों के मानदेय, वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति, खाद्यान्न कमीशन का भुगतान, विक्रेताओं की लंबित राशि तथा सिवनी जिले की 30 नवगठित सहकारी समितियों के पुनर्गठन सहित सात प्रमुख मांगों के शीघ्र निराकरण का अनुरोध किया गया।

महासंघ पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि प्रशासक महोदय के सकारात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन से सहकारी समिति कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का समाधान होगा तथा प्रदेश की सहकारी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर महासंघ के जिलाध्यक्ष वंशीलाल ठाकुर, प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार बघेल, जिला मीडिया प्रभारी जोगेश ठाकुर, पलारी समिति प्रबंधक गणेश सिंगौर, सिवनी समिति प्रबंधक प्रदीप कुमार शर्मा, कातलबोड़ी समिति प्रबंधक सुनील कुमार सनोडिया, भाटीवाड़ा समिति प्रबंधक अनामिका निकोसे, रामेश्वर सनोडिया, सावन इनवाती, सुशील सराठे, राजेन्द्र बघेल, चिराग ठाकुर, प्रमोद सनोडिया, पंकज श्रीवास सहित अन्य सहकारी समिति कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुरक्षित बचपन अभियान हर्षोल्लास से मनाया



सिवनी। स्वतंत्र मत। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी अनिल कुमार सोहने के आदेशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति लखनादौन के अध्यक्ष माननीय संजीव कुमार पालीवाल के नेतृत्व मे वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय सीनियर उत्कृष्ट कन्या छात्रावास लखनादौन में सुरक्षित बचपन अभियान का लाइव प्रसारण छात्राओं के साथ देखा गया जिसमें छात्राओं ने ,पी एल व्ही ने अन्य सहभागियों ने लाइव प्रसारण का लाभांश लिया लाइव समापन पश्चात न्यायाधीश पालीवाल जी द्वारा छात्राओं को सुरक्षित बचपन अभियान पर,न्याय सबके लिए, गुड टच-वेट टच एवं नालसा - सालसा की जनकल्याणकारी योजनाएं की सरल एवं सहजता के साथ सहभागी संभाषण किया।

विधिक साक्षरता शिविर में विकास खंड अधिकारी जीवन लाल नामी द्वारा विषय पर संवाद किया प्राचार्य सीता मिश्रा अधीक्षका मोहनी झारिया पुलिस थाना लखनादौन के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेवारी का अनुपालन किया गया समस्त पी एल व्ही ने अपने अपने दायित्वों का निर्वाहन किया मंच संचालन संतोष कुमार राय द्वारा किया गया।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एवं छात्रावास स्थापना दिवस भी मनाया गया, सुरक्षित बचपन अभियान का क्रियान्वयन प्रथम चरण में 01/11/26 से 06/11/26 तक जिसमें आगामी दिनों में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन न्यायाधीश सुश्री अपूर्वा ताम्रकार एवं न्यायाधीश सुश्री रिशु भगत द्वारा किया जायेगा आभार विकास खंड अधिकारी श्री जीवन लाल नामी द्वारा किया गया कार्यक्रम सराहनीय रहा ।

एक वृक्ष - एक मित्र महाअभियान के तहत राजवाड़ा परिवार द्वारा निःशुल्क पौधों का वितरण

पर्यावरण संरक्षण के लिए राजवाड़ा परिवार की अनूठी पहल, पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल का भी लिया जाएगा संकल्प

सिवनी। स्वतंत्र मत। पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने एवं प्रकृति के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देने के उद्देश्य से राजवाड़ा परिवार, सिवनी द्वारा एक वृक्ष - एक मित्र महाअभियान के अंतर्गत आम नागरिकों को निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल पौधारोपण करना नहीं, बल्कि प्रत्येक पौधे को परिवार के सदस्य एवं सच्चे मित्र की तरह अपनाकर उसकी नियमित देखभाल और संरक्षण करना है। राजवाड़ा परिवार की ओर से बताया गया कि इस अभियान के अंतर्गत पीपल, बरगद, नीम जैसे पूजनीय एवं छायादार पौधों के साथ आंवला, जामुन, अमरूद एवं तुलसी जैसे औषधीय तथा फलदार पौधे भी निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

राजवाड़ा परिवार ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पारिवारिक उत्सव एवं अन्य शुभ अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसे संरक्षित करने का संकल्प लें। अभियान का विशेष संदेश है-पौधा केवल वहीं ले जाएं, जहां उसकी एक सच्चे मित्र की तरह देखभाल करने का संकल्प लिया जाए। राजवाड़ा परिवार का मानना है कि यदि प्रत्येक परिवार कम से कम एक पौधे को गोद लेकर उसकी देखभाल करे, तो सिवनी को और अधिक हरा-भरा, स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सकता है। इस महाअभियान में शहर के नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संस्थाओं एवं पर्यावरण प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने का आह्वान किया गया है। निःशुल्क पौधे प्राप्त करने हेतु इच्छुक नागरिक राजवाड़ा होटल, जबलपुर रोड, सिवनी में संपर्क कर सकते हैं। राजवाड़ा परिवार के मनीष, मंटू, आनंद, विवेक एवं परम अग्रवाल ने सभी नागरिकों से इस पर्यावरण हितैषी अभियान में सहभागिता करने की अपील की है। प्रकृति का कर्ज चुकाएं, चलो एक वृक्ष को अपना 9557328936 बनाएं!

आरोपियों ने करंट लगाकर किया नर गौर का शिकार, 6 आरोपी गिरफ्तार

मांस, गौर के अवशेष, विद्युत तार और शिकार में प्रयुक्त सामग्री जब्त, वन अपराध दर्ज



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र हट्टा की बीट गोदरी में दो वर्षीय नर गौर के शिकार के मामले में वन विभाग ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने कार्रवाई की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गौर का शिकार विद्युत करंट लगाकर मांस खाने की नीयत से किया गया था। वन विभाग के अनुसार, 1 नवंबर को बीट गोदरी के कक्ष क्रमांक 204 में गौर के शिकार की सूचना मिली थी। इसके बाद उड़नदस्ता वन वृत्त बालाघाट और वन परिक्षेत्र हट्टा का अमला मौके पर पहुंचा। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों के पास से मांस जब्त किया। पूछताछ तथा आरोपियों की निशानदेही पर की गई प्रारंभिक जांच में विद्युत करंट से शिकार किए जाने की जानकारी मिली। घटनास्थल से गौर के अवशेष, विद्युत तार और शिकार में इस्तेमाल की गई अन्य सामग्री भी जब्त की गई।

ये है आरोपी-आरोपियों में चारघाट निवासी फागुलाल वरकड़े (40) और रोशन उइके (28), राशिमेटा निवासी नरेश पुसाम (27) और विदेश पुसाम (28), तथा सोनपुरी निवासी कोपसिंह मर्सकोले (26) और किशन मर्सकोले (42) शामिल हैं। कुछ आरोपी फरार बताए गए हैं।

आरोपियों ने गौर का शिकार करने के बाद मांस खाने की नीयत से आपस में बांट लिया था।मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 16294/15, दिनांक 1 नवंबर 2026 को पंजीबद्ध किया गया है। वन विभाग प्रकरण की विस्तृत जांच कर रहा है और आरोपियों के विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

11 किलो ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

सिवनी। स्वतंत्र मत।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन एवं अति. पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के निर्देशन एवं एसडीओपी घंसौर श्रीमती रीना पाण्डे के नेतृत्व में थाना धनौरा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए गांजे के पौधे लगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

दिनांक 30/10/2026 को थाना धनौरा में विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम उमरपानी निवासी चौधरी उर्फ रिंकू मरावी ने अपने घर की बाड़ी में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा के पौधे लगा रखे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया तथा स्वतंत्र साक्षियों को तलब कर पुलिस टीम मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान ग्राम उमरपानी रवाना हुई।

पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई।

पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिसे हमराह पुलिस बल एवं स्वतंत्र साक्षियों की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने अपना नाम चौधरी उर्फ रिंकू मरावी पिता डालचंद मरावी, उम्र 30 साल, निवासी ग्राम उमरपानी थाना धनौरा बताया।

आरोपी के रहवासी मकान के पीछे स्थित बाड़ी की तलाशी लेने पर वहां मिट्टी में लगे हुए गांजा के कुल 10 नग हरे रंग के पत्तेदार पौधे पाए गए।

उक्त पौधों को विधिवत उखड़वाकर उनका वजन कराया गया, जो कुल 11.00 किलोग्राम, कीमती लगभग 66,000/- का होना पाया गया।

कलेक्टर ने जिला निःशक्त एवं पुनर्वास केंद्र का किचा औचक निरीक्षण

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर आदित्य सिंह ने 02 नवंबर को दोपहर में जिला निःशक्त एवं पुनर्वास केंद्र का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय मे 05 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जबकि चार कर्मचारी ही उपस्थित मिले। कर्मचारियों की इस लापरवाही पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए अनुपस्थित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान विरेन्द्र कुमार दास फिजियोथैरेपिस्ट, हेमंत लखेरा जुनियर फिजियोथैरेपिस्ट, विकास कुमार मिश्रा, सुधांशु श्रीवास्तव, भृत्य अजय भूरे अनुपस्थित पाये गए। जबकि हरिप्रसाद लिल्हारे अवकाश पर थे। कलेक्टर श्री सिंह ने अनुपस्थित पांचों कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यालय के सभी कर्मचारी निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने के लिए केंद्र पहुंचने वाले दिव्यांगजनों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों से जुड़े कार्यों में संवेदनशीलता और तत्परता बरतना आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में आए दिव्यांगजनों से चर्चा की और उनकी समस्याओं को सुना।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया की जानकारी ली।

शिक्षा, समरसता और बंधुत्व के भाव हमारे मन में होने चाहिए: अजय सुखदेव

सम्राट अशोक सेना ने चार ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। सम्राट अशोक सेना सामाजिक संगठन द्वारा चक्रवर्ती सम्राट अशोक के विचारों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिलेभर में गांव-गांव पहुंचकर जनसंपर्क किया जा रहा है। संगठन के पदाधिकारी लोगों को सम्राट अशोक के विचारों से अवगत कराने के साथ उन्हें संगठन से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

इसी क्रम में सम्राट अशोक सेना के प्रदेश अध्यक्ष अजय सुखदेव एवं जिला अध्यक्ष धर्मदीप सूर्यवंशी ने परसवाड़ा ब्लॉक के ग्राम कोसमी, बालाघाट ब्लॉक के ग्राम रत्नारा, किरनापुर ब्लॉक के ग्राम मुंडेसरा तथा लांजी ब्लॉक के ग्राम झालसा में पहुंचकर बैठकें आयोजित कीं। बैठकों की शुरुआत मोमबत्ती प्रज्वलित कर बुद्ध वंदना के साथ की गई। इस दौरान तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा के चरणों में पुष्प अर्पित किए गए। वहीं चक्रवर्ती सम्राट अशोक एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर उपस्थितजनों ने क्रमवार माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके पश्चात स्थानीय लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष अजय सुखदेव का फूल-मालाओं से स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय सुखदेव ने कहा कि चक्रवर्ती सम्राट अशोक ने अहिंसा का मार्ग अपनाकर समाज को शांति, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया था। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। हमें भी अपने मन में शिक्षा, समरसता और बंधुत्व की भावना विकसित करनी चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि सभी लोग एकजुट होकर सम्राट अशोक के विचारों और आदर्शों को अपनाएं तथा समाज में समानता, भाईचारे और जागरूकता का वातावरण निर्मित करें।

इस अवसर पर संगठन का विस्तार करते हुए चार ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की गई। इसमें परसवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में मोहित खोबरागड़े, बालाघाट ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में आदर्श नागदोने, किरनापुर ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में आदित्य मेश्राम तथा लांजी ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में सुनील वैद्य को जिम्मेदारी सौंपी गई।

विधायक ने रेत से भरे दो डंपर रुकवाए, अवैध उत्खनन के सवाल?

रात 9 बजे से तड़के 3 बजे तक चली जांच, पुलिस अभिरक्षा में खड़े रहे डंपर





कटंगी(स्वतंत्र मत)। रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर एक बार फिर खनिज विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। इस बार मामला तब सामने आया, जब कटंगी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी ने शनिवार की रात कटंगी शहर के सिनेमा चौक पर रेत से भरे दो डंपरों को रुकवाकर उनके परिवहन पर संदेह जाहिर किया। डंपरों से सड़क पर चलते समय लगातार पानी का तेज रिसाव हो रहा था। पानी के इस तरह बाहर निकलने से विधायक को आशंका हुई कि कहीं इन डंपरों में सीधे बहती नदी से रेत निकालकर तो नहीं भरी गई है। इसी संदेह के आधार पर उन्होंने तत्काल खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत कराया और कार्रवाई की मांग की।

प्राप्त जानकारी अनुसार, शनिवार की रात्रि करीब सवा 9 बजे विधायक गौरव सिंह पारधी ने सिनेमा चौक पर रेत से भरे दो डंपरों को रुकवाया। दोनों डंपरों से बड़ी मात्रा में पानी सड़क पर बहता दिखाई दे रहा था। सामान्य तौर पर स्टॉक में रखी रेत और नदी से तत्काल निकाली गई रेत की स्थिति में यहीं एक बड़ा अंतर होता है। ऐसे में डंपरों से हो रहे पानी के लगातार रिसाव ने विधायक के मन में यह सवाल खड़ा किया कि रेत कहीं सीधे नदी से निकालकर तो नहीं भरी गई है। उन्होंने इस आशंका को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की शिकायत उप संचालक फरहत जहां से की। विधायक की शिकायत के बाद जिला खनिज अधिकारी ने मामले की जांच और कार्रवाई की जिम्मेदारी खनिज निरीक्षक दिवाकर चतुर्वेदी को सौंपी। इसके बाद रात्रि करीब साड़े 10 बजे खनिज निरीक्षक कटंगी पहुंचे और रेत से भरे दोनों डंपरों के दस्तावेजों की जांच शुरू की। जांच के दौरान डंपरों को पुलिस अभिरक्षा में कटंगी थाने में खड़ा कराया गया। इस कार्रवाई के बाद दोनों डंपर पूरी रात थाने में खड़े रहे। खनिज निरीक्षक रात करीब 3 बजे जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद बालाघाट रवाना हो गए। हालांकि मौके पर पानी के रिसाव को लेकर खनिज निरीक्षक ने तत्काल कोई ठोस निष्कर्ष देने के बजाय यह कहते हुए मामले को फिलहाल टाल दिया कि दो दिन पहले ही बारिश हुई थी और रेत पानी को अवशोषित करने का काम करती है। उन्होंने पर्यावरणीय स्वीकृति सहित अन्य दस्तावेजों की जांच करने की बात कही। इस पूरे मामले में सबसे गंभीर पहलू खनिज विभाग के अधिकारियों की चुप्पी है। शनिवार की रात हुई कार्रवाई के बाद रविवार को जब इस बात की पुष्टि करने का प्रयास किया गया कि आखिर खनिज विभाग की जांच में क्या सामने आया, तो अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। जांच अधिकारी खनिज निरीक्षक दिवाकर चतुर्वेदी से कई बार दूरभाष पर संपर्क करने की कोशिश की गई। उन्हें संदेश भी भेजा गया, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जिस मामले में स्वयं क्षेत्रीय विधायक ने शिकायत कर कार्रवाई की मांग की, जिस मामले में रात 9 बजे से लेकर तड़के 3 बजे तक खनिज विभाग के अधिकारी जांच करते रहे और दो डंपरों को पुलिस अभिरक्षा में रखा गया, उस मामले की जांच का परिणाम सार्वजनिक करने में आखिर विभाग को परेशानी क्यों हो रही हैं? क्या जांच में कोई अनियमितता सामने आई या फिर डंपरों के दस्तावेज नियमानुसार पाए गए? इन सवालों का जवाब विभागीय पक्ष सामने आने के बाद ही मिल सकेगा। दूसरी ओर डंपर चालक बलदेव चंद्रवंशी के मुताबिक दोनों डंपरों में रेत रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगोड़ी स्थित स्टॉक से भरी गई थी।

चालक के इस दावे के बाद जांच का दायरा और महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि रेत वास्तव में सिंगोड़ी के स्वीकृत स्टॉक से लाई गई थी, तो खनिज विभाग को संबंधित स्टॉक की अनुमति, वैधता, उपलब्ध रेत की मात्रा, परिवहन दस्तावेज और रॉयल्टी सहित सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। वहीं यदि रेत सीधे नदी से निकालकर भरी गई थी, तो इसके लिए जिम्मेदार ठेकेदार और संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि डंपरों के पास सभी जरूरी दस्तावेज मौजूद थे, तो उनके चालकों को पूरी रात पुलिस अभिरक्षा में खड़े डंपरों के साथ परेशान क्यों होना पड़ा?

डंपर क्रमांक एमपी 28 जेडपी 9311 और एमपी 04 एचई 5304अभी पुलिस अभिरक्षा में कटंगी थाने में खड़े हैं। उनके चालकों और मालिकों को भी यह स्पष्ट जानकारी नहीं है कि आखिर उनके विरुद्ध किस आधार पर कार्रवाई की जा रही है। हालांकि दस्तावेजों की वैधता और वास्तविक स्थिति की पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो सकती है, लेकिन किसी भी वाहन को रोकने और अभिरक्षा में रखने के पीछे स्पष्ट कानूनी आधार होना भी उतना ही आवश्यक है।

भगवान की बाल लीलाओं में छिपा प्रेम, समर्पण और भक्ति का दिव्य संदेश : वैष्णवाचार्य संत श्री नारायण स्वामी जी महाराज

माखन चोरी से गोवर्धन लीला तक श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन सुनकर भक्तिभाव में डूबे श्रद्धालु

कटनी (स्वतंत्रमत)।

विजयराघवगढ़ यतिराज मंडपम हंतला में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण प्रसंग सुनाते हुए वैष्णवाचार्य संत श्री नारायण स्वामी जी महाराज ने कहा कि भगवान की लीलाएं केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि परमेश्वर के प्रेम स्वरूप और दिव्य कृपा को समझने का सबसे सुंदर आध्यात्मिक मार्ग हैं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक लीला भक्तों के हृदय में प्रेम श्रद्धा समर्पण और भक्ति की नई अनुभूति जागृत करती है। महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण बाल रूप में अपनी ऐश्वर्य और महिमा को छिपाकर माता यशोदा नंद बाबा और ब्रजवासियों के साथ ऐसा आत्मीय संबंध स्थापित करते हैं जहां भक्त भगवान के प्रति भय अथवा संकोच नहीं बल्कि सहज प्रेम और अपनत्व का अनुभव करता है। यही वात्सल्य और माधुर्य भक्ति की अद्भुत विशेषता है।



माखन चोरी की लीला में छिपा हृदय का रहस्य

माखन चोरी की लीला का आध्यात्मिक अर्थ बताते हुए महाराज श्री ने कहा कि माखन केवल दूध का सार नहीं बल्कि हृदय की कोमलता और निर्मलता का प्रतीक है। भगवान कन्हैया भक्तों के निर्मल और प्रेमपूर्ण हृदय को चुराकर उन्हें अपने दिव्य प्रेम में लीन कर लेते हैं। उनकी यह लीला संदेश देती है कि भगवान को पाने के लिए छल-कपट नहीं बल्कि सरलता निष्कपटता और प्रेम से भरा हृदय आवश्यक है।

सच्ची भक्ति में नहीं होता जाति-पाति का भेदभाव

सखा मधुमंगल के साथ जूठा खाने जैसी बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए महाराज श्री ने कहा कि भगवान के प्रेम और भक्ति में किसी प्रकार का जाति-पाति अथवा ऊंच-नीच का भेदभाव नहीं होता। परमात्मा के लिए भक्त का निर्मल प्रेम ही सर्वोपरि है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं समाज को समानता और प्रेम का संदेश देती हैं।

गोवर्धन लीला ने दिया अहंकार त्याग और प्रकृति संरक्षण का संदेश

भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने के प्रसंग को विस्तार से बताते हुए महाराज श्री ने कहा कि भगवान ने गोवर्धन लीला के माध्यम से इंद्र के अहंकार को चूर कर यह संदेश दिया कि अभिमान का अंत निश्चित है। यह लीला मानव जीवन को विनम्रता, विश्वास की प्रेरणा देती है। भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी बाल लीलाओं का श्रवण कर कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भगवान की दिव्य लीलाओं का रसास्वादन करते हुए भक्ति और आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की। इस अवसर पर आचार्य पं. अवधराज तिवारी प्राचार्य डॉ. अनिल मिश्रा, पं. विमलेन्दु पयासी, पं. राजेश द्विवेदी, पं. मनोज तिवारी, विपिन सोनी, आनंद तिवारी, लक्ष्मण पांडेय, वेदाचार्य प. राकेश उरमलिया, श्रीनिवास उपाध्याय, शिक्षक रमेश तिवारी, गोविन्द तिवारी मनोज उपाध्याय सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भारत को जानो प्रतियोगिता में अनामिका एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन किया

कटनी (स्वतंत्रमत)।

भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित जिला स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता में अनामिका एकेडमी इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जूनियर वर्ग में साइना संगतानी एवं आराध्या अग्निहोत्री ने द्वितीय स्थान, जबकि सीनियर वर्ग में सात्विक भार्गव एवं प्रवीण कुमार यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विशेष बात यह है कि लगातार तीसरे वर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इस सफलता में विद्यालय के शिक्षक ध्रुव प्रताप सिंह का विशेष योगदान रहाए जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर यह उपलब्धि हासिल की। विद्यालय की प्राचार्या एवं संस्थापक अनामिका बाजपेयी मिश्रा ने सभी विजेता विद्यार्थियों एवं शिक्षक ध्रुव प्रताप सिंह को हार्दिक बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

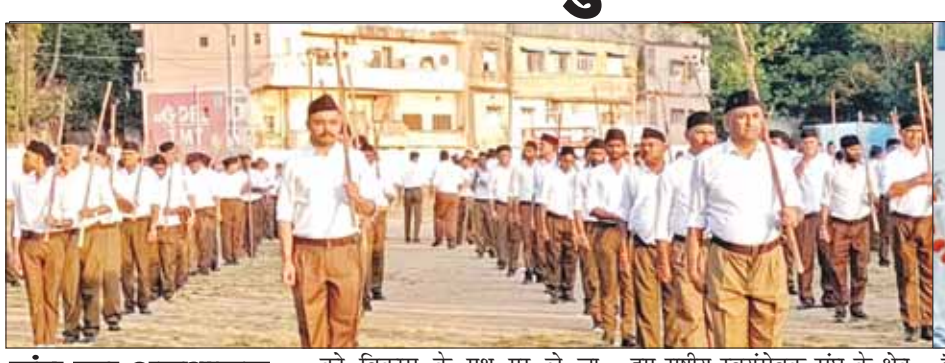


जिले के 51 जन शिक्षा केंद्रों में हुआ शैक्षिक संवाद



कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के मार्गदर्शन में आज कटनी जिले के सभी जन शिक्षा केंद्रों की प्राथमिक शालाओं के प्राथमिक स्तर (कक्षा 3 से 5) के लगभग 1500 शिक्षकों के जन शिक्षा केंद्र स्तरीय शैक्षिक संवाद का आयोजन किया गया। इस संवाद की सार्थकता का आकर्षण इस बार की टीएलएम प्रदर्शनी रही जिसमें बच्चे करके सीखने या लर्निंग बाय डूइंग की स्पष्ट समझ के साथ आगे बढ़ेंगे। साथ ही बच्चे जिस दक्षता-बैंड में अटके हैं उन्हें उपयुक्त गतिविधि के माध्यम से अगले दक्षता स्तर तक पहुंचने में सहायता मिल सकेगी। बहु विषयक एवं बहु-अवधारणा आधारित इस टीएलएम प्रदर्शनी के आयोजन का उद्देश्य कक्षा 3 से कक्षा 5 तक के बच्चों को टीचिंग लर्निंग मटेरियल का खेल-खेल में और व्यावहारिक तरीके से उपयोग करते हुए सिखाने के लिए मजबूत आधार प्रदान करना है। इस अवसर पर डाइट फैकल्टी द्वारा वेंकट वार्ड जन शिक्षा केंद्र में आयोजित शैक्षिक संवाद का अवलोकन किया गया एवं निपुण लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु गहन संवाद किया गया।

संघ स्थापना पर अनुशासित स्वयंसेवकों का निकला पथ संचलन





संघ का अनुशासन अनुकरणीय है

कटनी (स्वतंत्रमत)।

संघ के स्वयंसेवक सेवा कार्यों के माध्यम से अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं, आज कटनी में इतनी बड़ी संगठित शक्ति समाज परिवर्तन में लगी है जिसे मैं महसूस कर रहा हूं, समाज की ये संगठित शक्ति देश को विकास के पथ पर ले जा सकती है हम सभी को मिलकर समाज हित के कार्यों में आगे आना चाहिए। उक्ताशय के उदगार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कटनी नगर के विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन कार्यक्रम में केल्ड्रीज इंडिया कटनी के प्रबंधक प्रियव्रत विश्वास ने मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सागर से उपस्थित हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र सामाजिक समरसता संयोजक सुनील देव जी ने कहा कि सारे विजय का सूत्र है संगठन। आज से 101 वर्ष पहले विजयादशमी के दिन ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना डॉ हेडगेवार ने की। भारत को पुन: परम वैभव के शिखर पर पहुंचाना है तो देश में संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित कर तन मन धन से समाजहित के कार्यों में लगाना है, सब मिलकर करेंगे तो हम भारत को भारत बना सकते हैं, हम समाज में जाकर काम करते हैं, जिससे भारत समृद्ध हो, हिंदू समाज संगठित स्वाभिमानी शक्तिशाली हो जिससे हमारा भारत विश्व गुरु के पद पर आसीन हो, पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज परिवर्तन हमारी संकल्पना है, सब मिलकर पेड़ लगाने का संकल्प, पानी का समुचित उपयोग, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध पर काम कर सकते हैं। मंच पर विभाग संघ चालक विपिन तिवारी, नगर संघ चालक किशोर ओचानी जी भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम में जिला संघ चालक डॉ अमित साहू, प्रांतीय अधिकारी राजकुमार जैन, विभाग कार्यवाह अमित कनकने, जिला कार्यवाह संजय त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति प्रबुद्ध नागरिक जन एवं स्वयंसेवक जन उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे जिले के साथ साथ कटनी नगर में भी पथ संचलन निकला। एक साथ तीन स्थानों से प्रारंभ होकर संचलन विभिन्न मार्गों से होता हुआ फॉरेस्टर प्लेग्राउंड में समाप्त हुआ। नगर के विभिन्न संगठनों ने संचलन का स्वागत पुष्पवर्षा दीप प्रज्वलन के साथ किया।

कटनी ब्लड डोनर सोसायटी ने झुकिया कांप गांव में मनाई दिवाली दिल से

बच्चों के चेहरों पर बिखरी मुस्कान



कटनी (स्वतंत्रमत)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कटनी ब्लड डोनर एण्ड वेलफेयर सोसाइटी (रजि.) द्वारा संचालित सेवा अभियान दिवाली दिल से-आओ मिलकर खुशियाँ बाँटें का आज सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत संस्था के सदस्यों एवं शहर के अनेक दानदाताओं के सहयोग से जुहला क्षेत्र के ग्राम झुकिया कांप में जरूरतमंद बच्चों एवं परिवारों के बीच दीपावली की खुशियाँ बाँटी गईं। संस्था के सदस्य निर्धारित समय पर ग्राम झुकिया कांप पहुँचे, जहाँ बच्चों, महिलाओं एवं ग्रामीणों के साथ आत्मीयता से दीपावली पर्व मनाया गया। इस अवसर पर शहरवासियों द्वारा प्रेमपूर्वक उपलब्ध कराई गई नये एवं अच्छी स्थिति के कपड़े, खिलौने, मिठाई, बिस्किट, नमकीन, पटाखे तथा बच्चों से संबंधित अन्य उपयोगी सामग्री का वितरण किया गया। उपहार प्राप्त करते समय बच्चों के चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी, उत्साह और मासूम मुस्कान ने सभी उपस्थित लोगों का हृदय भावुक कर दिया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 300 से 400 बच्चों एवं महिलाओं को दीपावली की आवश्यक सामग्री वितरित की गई। ग्रामीणों ने संस्था के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में अपनत्व, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल सामग्री वितरित करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक यह संदेश पहुँचाना है कि वे अकेले नहीं हैं। दीपावली का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब हमारी खुशियों में जरूरतमंदों की मुस्कान भी शामिल हो। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता शहर के उदार दानदाताओं, समाजसेवियों एवं संस्था के समर्पित सदस्यों के सहयोग का परिणाम है। आगामी वर्षों में भी संस्था इसी प्रकार विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज सेवा का कार्य निरंतर करती रहेगी।

अंत में संस्था ने इस पुनीत अभियान में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी दानदाताओं, समाजसेवियों, स्वयंसेवकों एवं सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग को इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

दीपावली पर आतिशबाजी की दुकानें लगाने तीन स्थल निर्धारित

सुरक्षा के मद्देनजर पूर्व वर्षों के चयनित स्थलों में बदलाव, 6 से 20 नवंबर तक जारी होंगे अस्थायी लाइसेंस

कटनी (स्वतंत्रमत)।

दीपावली पर्व पर आतिशबाजी के फुटकर विक्रय को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने इस वर्ष तीन स्थानों का चयन किया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष तिवारी के निर्देशानुसार सुरक्षा की दृष्टि से पूर्व वर्षों में निर्धारित कुछ स्थलों में बदलाव किया गया है। आतिशबाजी के फुटकर विक्रय के लिए 15 दिवसीय अस्थायी लाइसेंस जारी किए जाएंगे। यह



अवधि धनतेरस से ग्यारस तक अर्थात 6 नवंबर से 20 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है।

इन तीन स्थानों पर लगेंगी दुकानें

ग्राम इमलिया: पूर्व वर्षों में ग्राम पड़रवारा (माधवनगर) में निर्धारित स्थल के स्थान पर इस वर्ष तहसील कटनी के ग्राम इमलिया में खसरा नंबर 94/1 एवं 94/2 की भूमि का चयन किया गया है। होमगार्ड ग्राउंड झिंझरी: द्वारका सिटी खेल मैदान के स्थान पर इस वर्ष होमगार्ड ग्राउंड झिंझरी को आतिशबाजी की दुकानें लगाने के लिए निर्धारित किया गया है। एनकेजे (न्यू कटनी): तिलक कॉलेज और एनकेजे चौकी के पास स्थित रिक्त भूमि को पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी दुकानें लगाने के लिए निर्धारित रखा गया है। जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए यह बदलाव किए हैं, ताकि दीपावली के दौरान आतिशबाजी का विक्रय सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित तरीके से हो सके। अस्थायी लाइसेंसधारी दुकानदार निर्धारित स्थलों पर ही आतिशबाजी का फुटकर विक्रय कर सकेंगे।



जेपीवी डीएवी विद्यालय कटनी में जादूगर गोगा के जादुई शो ने मोहा छात्रों का मन

कटनी (स्वतंत्रमत)। दिनांक 2 नवम्बर को जेपीवी डीएवी पब्लिक स्कूल, कटनी में एक बेहद रोमांचक और मनोरंजक आयोजन किया गया, जहाँ प्रसिद्ध जादूगर गोगा ने अपने जादुई हुनर से विद्यार्थियों और शिक्षकों को आश्चर्यचकित कर दिया। यह अनूठा आयोजन विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास और मनोरंजन के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का सफल निर्देशन मध्य प्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं विद्यालय प्राचार्य एस.के. सिन्हा के मार्गदर्शन में किया गया। उनके कुशल नेतृत्व और प्रेरणा से विद्यालयी परिसर में एक उत्सवी माहौल देखने को मिला। जादूगर गोगा ने अपने विभिन्न रोचक और मनोरंजक क्रिया-कलापों व कलाबाजियों से बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सैंपलिंग के नाम पर उठे सवाल

खाद्य सुरक्षा विभाग से कार्रवाई का हिसाब मांग रहे कारोबारी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

त्योहारों के दौरान मिठाई और खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने के साथ खाद्य सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। लेकिन कटनी में सैंपलिंग की कार्रवाई को लेकर कारोबारियों के बीच उठ रहे सवालों ने विभाग की कार्यप्रणाली को चर्चा में ला दिया है। दुकानदारों से जुड़े सूत्रों का आरोप है कि नमूने लेने के नाम पर दबाव बनाया जाता है। कथित तौर पर मांग पूरी करने वालों को राहत मिलती है, जबकि इनकार करने वालों को जुर्माने और कार्रवाई का डर दिखाया जाता है।अब सवाल यह है कि विभाग की जांच का आधार या है और पूरी



प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है? त्योहारों के दौरान अब तक कितनी दुकानों का निरीक्षण किया गया, कितने खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए, कितने नमूने प्रयोगशाला में अमानक पाए गए और कितने मामलों में कार्रवाई हुई? विभाग को इन आंकड़ों के साथ अपनी कार्रवाई का ब्योरा सार्वजनिक करना चाहिए। खाद्य पदार्थों का नमूना लेने से लेकर उसकी सीलिंग, प्रयोगशाला तक पहुंचाने और रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करने तक हर चरण निर्धारित प्रक्रिया के तहत होना चाहिए। यदि किसी दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई होती है तो उसका आधार जांच रिपोर्ट और नियम होने चाहिए।

कारोबारियों के आरोपों के बीच यह स्पष्ट होना जरूरी है कि सभी दुकानों पर समान मापदंड अपनाए जा रहे हैं या नहीं। इस मामले में संबंधित अधिकारियों का पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन अधिकारियों ने फोन रिसीव नहीं किया। ऐसे में विभाग की ओर से आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। जिला प्रशासन को चाहिए कि कारोबारियों की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराए और यदि सैंपलिंग के नाम पर किसी तरह का अनुचित दबाव या अवैध मांग किए जाने की पुष्टि होती है तो संबंधितों पर कार्रवाई की जाए। खाद्य सुरक्षा विभाग का काम उपभोताओं को मिलावट से बचाना है, न कि जांच की प्रक्रिया को लेकर कारोबारियों के मन में भय पैदा करना।

आम नागरिकों की सेहत से जुड़ा यह मामला है, इसलिए विभाग को आरोपों का जवाब पारदर्शी जांच और कार्रवाई के आंकड़ों से देना चाहिए।

अवैध रेत कारोबार पर प्रशासन का शिकंजा, कच्चे रास्ते होंगे बंद

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने अब निगरानी के साथ कार्रवाई की रणनीति अपनाई है। विशेष रूप से ढीमरखेड़ा क्षेत्र में रेत के अवैध कारोबार पर लगाम कसने के लिए प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त मोर्चा खोल दिया है। कलेक्टर आशीष तिवारी एवं पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश पर खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने क्षेत्र की खदानों एवं उनसे जुड़े परिवहन मार्गों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दतला, दशरमन और कछारगांव स्थित स्वीकृत रेत खदानों का जायजा लिया गया। टीम ने खदानों तक पहुंचने के लिए बनाए गए अस्थायी कच्चे रास्तों को चिन्हित किया। इन रास्तों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी, ताकि इनका उपयोग कर होने वाले अवैध रेत परिवहन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। प्रशासन का जोर केवल अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन रास्तों को भी बंद करने पर है, जिनका इस्तेमाल अवैध परिवहन के लिए किया जा सकता है।

अवैध परिवहन की निगरानी के लिए बनाया चेक पॉइंट

रेत के अवैध परिवहन पर नजर रखने के लिए क्षेत्र में एक चेक पॉइंट स्थापित किया गया है। यहां पुलिस और खनिज विभाग का अमला संयुक्त रूप से निगरानी करेगा। इस व्यवस्था से संदिग्ध वाहनों की आवाजाही पर नजर रखने और अवैध परिवहन की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: भारतीय हॉकी टीम ने मलेशिया को हराया

कप्तान हरमनप्रीत की हैट्रिक, 4-2 से जीते, टीम टूर्नामेंट में अब तक नहीं हारी

नई दिल्ली

भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में मलेशिया को 4-2 से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हैट्रिक लगाई। उन्होंने 3 पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए। मुकाबला जालंधर के ओलिंपियन सुरजीत सिंह स्टेडियम में खेला गया। इस जीत के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय अभियान बरकरार रखा है। भारत अपने चारों मुकाबले जीतकर पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है। टूर्नामेंट की 4 सेमीफाइनल टीमें पहले ही तय हो चुकी है। इनमें भारत, मलेशिया, जापान और साउथ कोरिया है।

हरमनप्रीत ने तीसरे मिनट में ही गोल कर बढ़त दिलाई

हरमनप्रीत ने तीसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। मलेशिया ने भी



अच्छी चुनौती दी और हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में भारत ने फिर आक्रामक खेल दिखाया। हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दूसरा गोल किया। इसके बाद सुखजीत सिंह ने 43वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त 3-1 कर दी।

58वें मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की। मलेशिया के लिए शेलो सिल्वरियस ने आखिरी मिनट में गोल किया। हालांकिए तब तक भारत की जीत तय हो चुकी थी।

मलेशिया ने भारत को दी कड़ी चुनौती

एशियन गेम्स के फाइनल में भी भारत और मलेशिया आमने.सामने थे। इस बार मलेशियाई टीम ने बेहतर डिफेंस दिखाया और भारतीय खिलाड़ियों के पासिंग मूव्स को रोकने की कोशिश की। भारत के कोच क्रेग फुल्टन और कप्तान हरमनप्रीत ने भी माना कि टीम को मिले मौकों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमें तय हो गईं। कोरिया ने बांग्लादेश को 5.0 से हराया, जबकि जापान और चीन का मुकाबला 2.2 से ड्रॉ रहा। भारत और मलेशिया के अलावा जापान और कोरिया ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

बैडमिंटनः कोरिया ओपन में एचएस प्रणय और तन्वी शर्मा करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

सियोल। कई दिग्गज खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में अनुभवी एचएस प्रणय और उभरती हुई खिलाड़ी तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू होने वाले कोरिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। यह बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट दक्षिण कोरिया के जिन्नम स्टेडियम में खेला जाएगा। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और पूर्व विश्व नंबर 6 खिलाड़ी एचएस प्रणयए भारत के पुरुष एकल अभियान का नेतृत्व करेंगे। इससे पहलेए पिछले हफ्ते श्हाइलो ओपनश् जीतने वाले लक्ष्य सेन ने इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ल लिया है। हालांकिए विश्व नंबर 38 प्रणय इस सीजन में अपनी फॉर्म को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इस साल खेले गए 14 बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंटों में से वे केवल एक बार ही दूसरे दौर से आगे बढ़ पाए हैं। उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन सितंबर में वियतनाम ओपन (बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 टूर्नामेंट) में रहाए जहां वे सेमीफाइनल तक पहुंचे थे।

वैभव सूर्यवंशी राइजिंग स्टार एशिया कप की टीम में, तिलक कप्तानी करेंगे

अभिषेक भी शामिलय 22 नवंबर को पाकिस्तान-।से मुकाबला

मुम्बई

तिलक वर्मा कतर के दोहा में 19 से 29 नवंबर तक होने वाले राइजिंग स्टार्स एशिया कप में इंडिया ए दल की अगुवाई करेंगे जबकि रजत पाटीदार को टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। इसके अलावा न्यूजीलैंड में भारत के टी.20 दल का हिस्सा रहे अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और प्रिंस यादव भी 15 सदस्यीय दल में शामिल हैं।

चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर के रूप में दल में कुमार कुशाग्र और प्रभसिमरन सिंह को शामिल किया गया है। वहीं तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी दल में शामिल किया गया है। राणा ने भारत के लिए इससे पहले जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर टी.20 मैच खेला था और सीरीज के तीसरे मुकाबले के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी। हालांकि दोबारा चोटिल होने के चलते राणा अफगानिस्तान के



खिलाफ टी-20 सीरीज और एशियन गेम्स के दल से बाहर हो गए थे। राइजिंग स्टार्स एशिया कप में राणा को तेज़ गेंदबाज़ी में प्रिंस के अलावा अरशद खान और सूर्यांश शेडगे का भी साथ मिलेगा जबकि स्पिन विभाग की बागडोर हर्ष दुबे, तनुष कोटियान और विप्रज निगम के हाथों में होगी। इंडिया ए को ग्रुप बी में यूएई, नेपाल और पाकिस्तान ए के साथ शामिल किया गया है जबकि ग्रुप ए में बंगलादेश ए, श्रीलंका ए, अफ़ग़ानिस्तान ए और हांगकांग शामिल हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी जो कि 26 और 27 नवंबर को खेला जाएगा जबकि फाइनल मुकाबला रविवार 29 नवंबर को खेला जाएगा। राइजिग स्टार्स एशिया कप के लिए इंडिया ए का दल में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह विकेटकीपर, तिलक वर्मा कप्तान, रजत पाटीदार उपकप्तान, रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र विकेटकीपर, सूर्यांश शेडगे, शाहबाज अहमद, विप्रज निगम, हर्ष दुबे, तनुष कोटियान, हर्षित राणा, प्रिंस यादव और अरशद खान।

बीसीसीआई ने आईपीएल रिटेंशन की समय सीमा 17 नवंबर तक बढ़ाई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए अपने खिलाड़ियों की रिटेंशन सूची जमा करने की समय सीमा



दो दिन बढ़ा दी है। आज को टीमों को भेजी गई एक विज्ञप्ति में बोर्ड ने कहा कि फ्रेंचाइजी के पास अब 17 नवंबर तक उन खिलाड़ियों को अंतिम रूप देने का समय हैए जिन्हें वे बरकरार रखना या रिलीज करना चाहते हैं। मूल समय सीमा 15 नवंबर थी। आईपीएल मिनी-नीलामी की तारीख और स्थान अपरिवर्तित रहेगा, यह कार्यक्रम 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित किया जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि यह विस्तार 15 नवंबर को होने वाले भारत.न्यूजीलैंड वनडे के कारण हुआ है। श्रृंखला का पांचवां और अंतिम मैच उस तारीख को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेला जाएगा। इसके परिणामस्वरूप बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजियों को अपनी रिटेंशन प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त दो दिन का समय दिया है। नीलामी के दिन एक वनडे मैच भी निर्धारित है, जिसमें भारत बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में श्रृंखला के दूसरे मैच में श्रीलंका की मेजबानी करेगा। हालाँकिए बीसीसीआई ने नीलामी कार्यक्रम में बदलाव का कोई संकेत नहीं दिया है, नवीनतम विज्ञप्ति में आयोजन की तारीख 16 दिसंबर दोहराई गई है।

भारतीय मुक्केबाजों ने 14 पदक जीत कर टैमर टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान किया हासिल

टैम्पेरे



टैमर टूर्नामेंट 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने कुल चार स्वर्ण, दो रजत और आठ कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस वार्षिक टूर्नामेंट में अरुंधति चौधरी, आरती धरियाल, अंकुशिता बोरो और पवन बर्तवाल ने चार स्वर्ण पदक जीते। टैम्पेरे बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट 1977 से हर साल हो रहा है। इस बार इसमें भारत की 14 सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया, जिसमें देश की ओलंपिक वेट-कैटेगरी में तीसरे स्थान पर रहने वाले मुक्केबाज शामिल थे। कॉमनवेल्थ गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी ने 70 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीताए जबकि आरती धरियाल ने 54 किग्रा और अंकुशिता बोरो ने 65 किग्रा वर्ग में महिला खिताब अपने नाम किए। पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में जीत हासिल कर पवन बर्तवाल ने भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या में एक और इजाफा किया। फाइनल में आरती धरियाल ने स्कॉटलैंड की स्टेफनी करनाचन को 5.0 से हरायाए जबकि अरुंधति ने आयरलैंड की एवलिन इवी इघारो को 3.2 से मात दी। अंकुशिता ने इंग्लैंड की एला थॉम्पस्टोन को 4.1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। ओलंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की स्वर्ण पदक विजेता जैस्मिन लैंबोरिया ;महिला 57 किग्राद्ध और मोहम्मद हुसामुद्दीन पुरुष 60 किग्रा ने रजत पदक जीतेए जबकि आठ अन्य भारतीय मुक्केबाजों ने कांस्य पदक हासिल किए। पुरुष वर्ग में विवेक मीना 65 किग्रा, हितेश 70 किग्रा, अक्षय 80 किग्रा, बोबिन चौहान 90 किग्रा और चेतन चौधरी 90 किग्रा ने कांस्य पदक जीते। महिला वर्ग में तनु 51 किग्रा, दिशा पाटिल 60 किग्रा और इमरोज खान 75 किग्रा ने फिनलैंड में कांस्य पदक जीते।

इस टूर्नामेंट में विश्व मुक्केबाजी के नियमों के तहत पुरुषों के 10 और महिलाओं के 7 वजन वर्गों में मुकाबले आयोजित किये गये थे।



त्रिपुरा की लड़कियों ने वेस्टर्न एशियन यूथ शतरंज चैंपियनशिप में नाम किया रोशन

अगरतला। त्रिपुरा की युवा खिलाड़ियों आराध्या दास और अर्शिया दास ने गुजरात में आयोजित वेस्टर्न एशियन यूथ चेस चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक जीते हैं। आराध्या ने अंडर.12 गर्ल्स क्लासिकल इवेंट में रजत पदक जीता। यह परिणाम क्लासिकल फॉर्मेट में आया जिसमें खिलाड़ियों को हर चाल पर विचार करने और अपनी रणनीति बनाने के लिए अधिक समय मिलता है। अर्शिया ने अंडर.16 कैटेगरी में तीन कांस्य पदक जीते। क्लासिकलए रैपिड और ब्लिट्ज़ में एक.एक पदक। इन इवेंट्स में समय की अलग-अलग सीमाएं होती हैं, इसलिए उनके पदकों की संख्या यह दर्शाती है कि उन्होंने तीनों अलग-अलग फॉर्मेट में शानदार खेल दिखाया है। इन परिणामों ने एक प्रमुख क्षेत्रीय युवा शतरंज चैंपियनशिप में त्रिपुरा को पहचान दिलाई है। जब ये खिलाड़ी महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डे पर पहुंचीं, तो ऑल त्रिपुरा चेस एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनका स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिजीत मौलिक ने दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और उनके शतरंज करियर में आगे भी सफलता की कामना की।

कच्चे तेल में नरमी से सेंसेक्स 1,233 अंक उछला

मुंबई

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी से घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लिवाली का जोर रहा और बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,200 अंक से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स सुबह 719 अंक ऊपर 75,178 अंक पर खुला था। कारोबार की समाप्ति तक 1,233.25 अंक (1.66 प्रतिशत) की मजबूती के साथ 75,692.78 अंक पर पहुंचने के बाद उसी स्तर पर बंद हुआ। यह इस साल 07 सितंबर के बाद का इसका उच्चतम स्तर है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी-50 सूचकांक का ग्राफ भी लगभग इसी तरह रहा। यह 387.70 अंक यानी



1.66 प्रतिशत ऊपर 23,440 अंक पर बंद हुआ। यह निफ्टी-50 का 23 सितंबर के बाद का उच्चतम स्तर है। मजबूत तिमाही परिणाम के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में 11 प्रतिशत से अधिक का उछाल देखा गया।

कच्चे तेल का ब्रेंट क्रूड वायदा सवा चार प्रतिशत से अधिक टूटकर फिलहाल 108.5 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। इससे घरेलू बाजार में निवेश धारणा मजबूत हुई है। साथ ही कंपनियों के अच्छे तिमाही परिणाम का असर भी बाजार में दिख रहा है। वृहत बाजार में भी सभी सूचकांक हरे निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.24 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.71 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। सेक्टर आधारित सूचकांकों में तेल एवं गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 5.95 प्रतिशत की तेजी देखी गई। धातु समूह का सूचकांक 3.21 फीसदी, सीमेंट का 2.92, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद का 2.70, रसायन का 1.71, ऑटो का 1.33 और रियल्टी का 1.03 प्रतिशत ऊपर रहा। सुबह बढ़त में रहने के बाद बाद में आईटी, मीडिया और फार्मा सेक्टरों के सूचकांक अंत में गिरावट में रहे। एनएसई में जिन 3,713 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,445 के शेयर ऊपर और 1,164 के गिरावट में रहे। अन्य 104 कंपनियों के शेयर अंतत: अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 23 के शेयरों में तेजी रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 11.64 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। टाटा स्टील में 5.64 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट में 2.75, भारतीय स्टेट बैंक में 2.71, एनटीपीसी में 2.37, मारुति सुजुकी में 2.16, बजाज फाइनेंस में 2.02 और एलएंडटी में दो प्रतिशत की तेजी रही।

बीईएल का शेयर 1.91 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.72, एशियन पेंट्स का 1.43, बजाज फाइनेंस का 1.27, इंडिगो का 1.21 और एचडीएफसी बैंक का 1.04 प्रतिशत ऊपर रहा। महिंद्रा एंड महिंद्रा, ट्रेंट, भारती एयरटेल, पावरग्रिड, टाइटन और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी हरे निशान में रहे।

किसना ने मध्यप्रदेश में अपने रिटेल नेटवर्क का किया विस्तार

जबलपुर



किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने मध्य प्रदेश के जबलपुर में अपने नए एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं मैनेजिंग डायरेक्टर घनश्याम ढोलकिया एवं अन्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जबलपुर में नए शोरूम के शुभारंभ के साथ मध्य प्रदेश में किसना का यह 11वां एक्सक्लूसिव शोरूम है। श्री ढोलकिया ने कहा, जबलपुर में किसना के नए एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ मध्य प्रदेश में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य देश के हर क्षेत्र में उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी पहुंचाना है। भारत की सांस्कृतिक विविधता और उत्सवों की परंपरा को ध्यान में रखते हुए, हम ऐसे आभूषण प्रस्तुत करना चाहते हैं जो लोगों की खुशियों और जीवन के खास पलों का हिस्सा बनें। सीईओ पराग शाह ने कहा, जबलपुर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, जहां उपभोक्ता परंपरा, आधुनिकता और उत्कृष्ट डिजाइन का सुंदर संगम पसंद करते हैं। नए एक्सक्लूसिव शोरूम के माध्यम से हमारा उद्देश्य ग्राहकों को डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी की शानदार रेंज के साथ एक प्रीमियम रिटेल अनुभव प्रदान करना है।

चीनी, चावल कड़क, गेहूं नरम

दालों, खाद्य तेलों में घटबढ़

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चीनी की कीमतों में तेजी जारी रही। चीन के साथ चावल का भाव भी चढ़ गया। गेहूं में नरमी का रुख रहा जबकि खाद्य तेलों और दालों में मिश्रित रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत नौ रुपये बढ़कर 5,516 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गुड़ भी 13 रुपये महंगा हुआ और 5,980 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 24 पैसे बढ़कर 59.33 रुपये प्रति किलोग्राम रही।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 12 रुपये बढ़कर 4,380 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं नौ रुपये टूटकर 2,931 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे का भाव भी 16 रुपये गिर गया। दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 60 रुपये प्रति



क्विंटल बढ़ गई। तुअर दाल 19 रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल और मूंग दाल की कीमत तीन-तीन रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। चना दाल में टिकाव रहा। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज पाम ऑयल का जनवरी वायदा 31 रिंगिट टूटकर 4,650 रिंगिट प्रति टन रह गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.59 प्रतिशत गिरकर 65.51 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 114 रुपये और वनस्पति की 73 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। सरसों तेल 70 रुपये और सोया तेल 42 रुपये महंगा हुआ। पाम ऑयल में 10 रुपये और सूरजमुखी तेल में छह रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने पेश किए बिस्किट के नौ नये वेरिएंट

चेन्नई। रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने सोमवार को अपने इंडिपेंडेंस बिस्किट पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए नौ नये वेरिएंट पेश करने की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि इससे रोजमर्रा की खपत और खास मौकों के लिए उसके उत्पादों की रेंज और मजबूत हो गई है। यह नयी रेंज सोमवार से तमिलनाडु में उपलब्ध कराई गई है। ये पांच रुपये के ट्रायल पैक, 10 रुपये के शेयरिंग पैक और 40 से 125 रुपये के बीच की कीमत वाले बड़े होम पैक में उपलब्ध होंगे। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इंडिपेंडेंस पावर अप और इंडिपेंडेंस मिल्की पावर इस विस्तार में मुख्य उत्पाद हैं। पावर अप बिस्किट में दूध, ग्लूकोज और प्रोटीन का मिश्रण है, जो रोजमर्रा के बिस्किट सेगमेंट में इसे एक अलग और खास उत्पाद बनाता है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के निदेशक टी. कृष्णकुमार ने कहा, तमिलनाडु हमारे बिस्किट कारोबार के लिए एक अहम बाजार है। हमारा ध्यान अपने पोर्टफोलियो को बढ़ाने पर है, ताकि उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को पूरा किया जा सके और कारोबार का दायरा बढ़ाया जा सके।

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी एसएईएल ने शुरू की धान की पराली की खरीद

बिजली उत्पादन के लिए 20 लाख टन कृषि अपशिष्ट खरीदने का लक्ष्य

नयी दिल्ली। नवीकरणीय स्रोतों से बिजली उत्पादन के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कृषि अपशिष्ट को ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने वाले अपनी विद्युत इकाइयों के लिए इस साल धान कटाई सत्र में लगभग 20 लाख टन धान की पराली की खरीद का अपना एक बड़ा कार्यक्रम शुरू किया है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने बताया कि पराली की खरीद पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के किसानों से की जा रही है। कंपनी की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह पराली कृषि के कूड़े करकट से बिजली उत्पादन करने वाले 11 ऊर्जा संयंत्रों में ईंधन के रूप में उपयोग की जाएगा। इन संयंत्रों की कुल क्षमता 164.9 मेगावाट है। कंपनी का कहना है कि उसके इन प्रयासों से वह देश को स्वच्छ ऊर्जा की ओर ले जाने के प्रयास में मदद के साथ साथ खेतों में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को घटाने में योगदान दे रही है। इससे किसानों की आय भी बढ़ती है। एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी



अधिकारी एवं कार्यकारी निदेशक लक्षित अवला ने कहा, भारत अब धान की पराली और अन्य फसल अवशेषों को केवल एक मौसमी वेस्ट मैनेजमेंट समस्या के रूप में देखने के नजरिए से आगे बढ़ने लगा है। हम किसान समुदायों को पराली प्रबंधन के बेहतर तरीके अपनाने और इससे असली आर्थिक फायदा उठाने में मदद जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पंजाब, राजस्थान और हरियाणा में हमारे एग्री वेस्ट-टु-एनर्जी प्लांट्स अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर डाल रहे हैं। ये कचरे से कमाई के नए स्रोत बनाकर और ईंधन की लागत घटाकर लाभ पहुंचा रहे हैं। इसके अलावा, ये परियोजनाएं कचरा इकट्ठा करने, प्रोसेसिंग और प्लांट चलाने में रोजगार के अवसर पैदा करके स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं। विज्ञप्ति में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों को धान की पराली जलाने की समस्या को पूरी तरह से समाप्त करने के उद्देश्य से कार्य योजनाओं को लागू करने के वर्ष 2026 में जारी निर्देशों का उल्लेख किया गया है।

विदेशी ऑर्डर के दम पर अक्टूबर में विनिर्माण क्षेत्र का मजबूत प्रदर्शन

मुंबई। विदेशों से मिले नये ऑर्डर बढ़ने से घरेलू विनिर्माण क्षेत्र में तेजी का क्रम अक्टूबर में भी जारी रहा हालांकि सितंबर की तुलना में इसकी रफ्तार कुछ कम हुई है। उत्पादन, ऑर्डर और मुद्रास्फीति जैसे मानकों पर माह-दर-माह गतिविधियों को मापने वाला एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर में 54.7 रहा। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना वृद्धि को दिखाता है। सितंबर में यह 55.1 रहा था। भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि सितंबर की तुलना में कम रहने के बावजूद अक्टूबर में विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार हुआ है। सूचकांक अपने दीर्घावधि औसत से ऊपर रहा है। उन्होंने कहा, मजबूत अंतरराष्ट्रीय मांग से निर्यात के नये ऑर्डर छह महीने के उच्चतम स्तर पर रहे। इससे उत्पादन में मजबूत वृद्धि देखी गई।

उज्जैन में बनेगी भगवान श्रीकृष्ण पर केन्द्रित अत्याधुनिक रिसर्च लाइब्रेरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव



भगवान श्रीकृष्ण पर केंद्रित डिजिटल प्लेटफॉर्म संचालित होगा, मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई श्रीकृष्ण पाथेय न्यास कार्यसमिति की बैठक

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्री कृष्ण पर केंद्रित शोध वृत्त चित्र, नाट्य और संगीत श्रृंखलाओं के लिए समर्पित यूट्यूब डिजिटल प्लेटफॉर्म का संचालन आरंभ करने की योजना है। इसके साथ ही दुर्लभ पांडुलिपियों और शोध पत्रों के लिए उज्जैन में अत्याधुनिक रिसर्च लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी। इन गतिविधियों को जन भागीदारी और विभिन्न शासकीय योजनाओं के समन्वय से व्यापक अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के विचार वर्तमान में भी हमारा पथ प्रदर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण द्वारा उज्जैन के सांदीपनि गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही प्रदेश के विभिन्न स्थानों में यात्राएं की गयी। जन सामान्य के लिए ऐसे सभी स्थानों का महत्व तीर्थ के समान है। प्रदेश में स्थित ऐसे स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाए। जीवन प्रबंधन हो या अर्थव्यवस्था का संचालन सभी क्षेत्रों में भगवान कृष्ण के विचार आज भी सामयिक है। कृषि, गौ-संवर्धन सहित उनकी दक्षता वाली कलाओं और विद्याओं पर केंद्रित विचार सत्र और संगोष्ठियां प्रादेशिक व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह निर्देश सोमवार को श्रीकृष्ण पाथेय न्यास की कार्य समिति की मंत्रालय में हुई बैठक में दिए।

कृष्ण भक्ति से जुड़े संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों का संरक्षण संवर्धन और प्रबंधन इस रूप में हो जिससे श्रद्धालु इन केन्द्रों से भावनात्मक रूप से जुड़ें और उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदिरों से जुड़ी भूमियों का उपयोग मंदिर की बेहतर व्यवस्था करने पर विचार किया जाए। इसके अंतर्गत ऐसी भूमि पर कृषि के साथ अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने की भी कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि बड़े मंदिरों की आय के कुछ भाग का उपयोग क्षेत्र की गौशालाओं और आसपास के वृंदावन गांव की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थानों के विकास में कृष्ण भक्ति से जुड़े संस्थाओं का सहयोग लेने के लिए भी पहल की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदिरों में विद्यमान जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार, संवर्धन और प्रबंधन के लिए जल गंगा अभियान के अंतर्गत गतिविधियां संचालित की जाए।

श्रीकृष्ण पाथेय योजना के अंतर्गत जारी विकास परियोजनाओं की हुई समीक्षा

बैठक में बताया गया कि उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम के विकास और जीर्णोद्धार के लिए भूमि-पूजन हो चुका है। प्रदेश में 3200 से अधिक मंदिरों के रखरखाव, प्रवेश द्वारों के निर्माण तथा श्री कृष्ण पाथेय की जल संरचनाओं के संरक्षण के लिए निर्देश जारी किए जा चुके हैं। बैठक में श्रीकृष्ण पाथेय योजना के अंतर्गत नारायण धाम महिदपुर, श्रीकृष्ण धाम छतरपुर, जानापाव महू इंदौर, अमझेरा धार, मां जागेश्वरी लोक चंदेरी, श्रीकृष्ण राधा लोक पन्ना और रायसेन जिले की जमगढ़ की पहाड़ियों में जारी विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।



आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के हितों का संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकता: मंत्री सुश्री भूरिया

मंत्री ने अधिकारियों को दिए न्यायसंगत मांगों के परीक्षण और शीघ्र निराकरण के निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं और सहायिकाएं महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं और सेवाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार उनके हितों के संरक्षण, सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की न्यायसंगत एवं व्यावहारिक मांगों पर नियमानुसार सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

मंत्री सुश्री भूरिया सोमवार को मंत्रालय में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से संबद्ध मध्यप्रदेश आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक में चर्चा कर रही थीं। बैठक में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की लंबित मांगों, सेवा संबंधी समस्याओं तथा कार्य परिस्थितियों में सुधार के विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने मानदेय में वृद्धि, नियमितीकरण, कार्यस्थल पर सुरक्षा एवं आवश्यक सुविधाओं सहित विभिन्न प्रशासनिक विषयों से संबंधित मांग पत्र मंत्री सुश्री भूरिया को सौंपा। मंत्री ने प्रतिनिधियों की मांगों को गंभीरता से सुना और विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक विषय का नियमानुसार परीक्षण कर व्यावहारिक समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन प्रकरणों का समाधान विभागीय स्तर पर संभव है, उनमें प्रक्रियात्मक विलंब न हो तथा आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए बेहतर कार्य वातावरण तथा कल्याणकारी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में संघ के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं और सुझावों को विस्तार से रखा। प्रतिनिधिमंडल ने विभाग द्वारा किए जा रहे कल्याणकारी प्रयासों तथा विभिन्न मांगों के संबंध में दिए गए स्पष्टीकरणों पर संतोष व्यक्त किया।

प्रदेश में स्थापित होगी वीर भारत फैलोशिप: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भारत के गौरवशाली अतीत से परिचय कराना वीर भारत न्यास का उद्देश्य

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राचीनतम से आधुनिक इतिहास के मुख्य आयामों और भारत का राष्ट्र स्वरूप स्थापित करने में अपना योगदान देने वाले चिंतकों, कलाकारों, वैज्ञानिकों से जुड़ी गतिविधियों और देश-प्रदेश की संस्कृति पर कार्य के लिए च्वीर भारतज् फैलोशिप प्रदान की जाएगी। प्रतिवर्ष दो फैलोशिप प्रदान की जाएंगी, फैलोशिप की राशि 12 लाख रुपए प्रति अध्येता होगी, यह फैलोशिप एक वर्ष की अवधि के लिए दी जाएगी। बैतूल में केन्द्र सरकार के सहयोग से आरण्यक युगयुगीन जनजातीय



संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। जिसमें जनजातीय इतिहास गैलरी, जनजातीय स्वाधीनता आंदोलन, जनजातीय शोध केन्द्र और डिजीटल रिपॉजिटरी स्थापित होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस आश्रय के प्रस्ताव को वीर भारत न्यास की कार्यकारी समिति की बैठक में अनुमोदित किया। बैठक में भारतीय इतिहास, संस्कृति और वैभवपूर्ण विरासत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से उज्जैन कोठी महल में स्थापित हो रहे वीर भारत संग्रहालय के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई। मंत्रालय में हुई इस बैठक में संस्कृति राज्य मंत्री श्री धमेन्द्र भावसिंह लोधी वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केवल युद्धों और योद्धाओं की कथा मात्र नहीं अपितु भारत की आंतरिक शक्ति, उसके सोचने-एकजुट होने-प्रश्न करने, रक्षा और त्याग करने तथा सृजन के सामर्थ्य से विश्व को अवगत कराना आवश्यक है। उज्जैन में स्थापित होने वाला वीर भारत संग्राहलय इस केन्द्रीय भाव को प्रतिपादित करेगा कि भारत के इतिहास में वीरता का अर्थ कभी केवल युद्ध के साहस तक सीमित नहीं रहा। संग्रहालय, योद्धा के साथ-साथ ऋषि, शिक्षक, गणितज्ञ, समाज सुधारक, विधि निर्माता और तीर्थ यात्रियों को भी प्रदर्शित करेगा। भारत के गौरवशाली और पराक्रमी अतीत से जनसामान्य का परिचय कराना वीर भारत न्यास का उद्देश्य है।

विकासखंड स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम संपन्न

नशामुक्त युवा, स्वस्थ समाज, सशक्त भारत का दिया संदेश

दमोह (स्वतंत्र मत)।

नेहरू युवा नव जागृति नव युवक मंडल समिति बांसाकलां द्वारा शासकीय उमा विद्यालय बांसाकलां में विकासखंड स्तरीय नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट आस पड़ोस युवा संसद का आयोजन नशामुक्त युवा, स्वस्थ समाज, सशक्त भारत थीम पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मप्र जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक हरीश पांडे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी डीके चौबे, विद्यालय प्राचार्य प्रशांत कुमार जैन, परामर्शदाता दिलीप कुमार



पटेल, यूथ आइकन कृष्णा पटेल, प्रतियोगी परीक्षाओं के सलाहकार अंकित पटेल, वरिष्ठ समाजसेवी विजय तिवारी, कार्यक्रम प्रभारी घनश्याम पटेल, बसंत पटेल, हेमंत पटेल, परामर्शदाता जीवन यादव, शिक्षक नीतेश पटेल, मोहित सिंह ठाकुर, लोकेंद्र सिंह ठाकुर सहित ग्रामीणजन एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

युवा संसद में अंकित पटेल, दिलीप कुमार पटेल, कृष्णा पटेल एवं जीवन यादव ने युवाओं को संबोधित करते हुए नशे के दुष्परिणाम, नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम प्रभारी घनश्याम पटेल ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि युवा संसद का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति जागरूक करना, उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है। अंकित पटेल ने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। दिलीप कुमार पटेल ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है, इसलिए इसके उन्मूलन में युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। वहीं कृष्णा पटेल ने युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और समाज निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। जीवन यादव ने भी युवाओं को सामाजिक जागरूकता एवं नशामुक्ति अभियान में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। अंत में सभी छात्र छात्राओं को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया। संचालन घनश्याम पटेल ने तथा बसंत पटेल ने आभार व्यक्त किया।

त्यौहार के बीच सड़कों पर कचरे के ढेर

डोर टू डोर कलेक्शन व्यवस्था पर उठे सवाल

दमोह/हटा (स्वतंत्र मत)। दीपावली पर घरों और दुकानों की सफाई के बाद नगर में जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए हैं। कचरा गाड़ियों के नियमित और समय पर नहीं पहुंचने के कारण लोग मजबूरी में घरों और दुकानों से निकलने वाला कचरा मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर फेंक रहे हैं। नगर में सौ से अधिक स्थानों पर खुले में कचरा जमा होने की स्थिति बन रही है। इन ढेरों के आसपास आवारा मवेशियों का जमावड़ा



राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। बड़े बाजार में पोस्ट ऑफिस के पास, बाजार बजरिया मुख्य मार्ग पर चतुर्भुज ताम्रकर के घर के सामने, रतन बजरिया में चौरसिया और नेमा की दुकानों के पास, तिगड्डा रोड पर न्यायाधीश आवास के बाजू में, एमएलबी स्कूल के कॉर्नर और बड़ा बाजार रोड सहित अनेक स्थानों पर कचरे के ढेर नजर आ रहे हैं। दीपावली के बाद कचरे की मात्रा बढ़ी है लेकिन उसके उठाव की व्यवस्था उसी अनुपात में नहीं बढ़ने से समस्या और गंभीर हो गई है।

कचरा खुले में जमा रहने से मवेशी उसे सड़कों पर फैला देते हैं। वहीं खाने-पीने की दूषित सामग्री और अन्य अपशिष्ट खाने से मवेशियों के बीमार होने और मौत का खतरा भी बना रहता है। इससे नगर की स्वच्छता के साथ आम लोगों और पशुओं की सेहत पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नगरपालिका कर्मचारियों का कहना है कि सुबह के समय कचरा उठाया जाता है लेकिन सफाई के तुरंत बाद लोग दोबारा उसी स्थान पर कचरा डाल देते हैं। वहीं नागरिकों का कहना है कि डोर टू डोर कचरा कलेक्शन गाड़ियां नियमित रूप से और निर्धारित समय पर नहीं पहुंचतीं। ऐसे में नगरपालिका को कचरा संग्रहण की व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ खुले में कचरा डालने पर भी प्रभावी रोक लगाने की जरूरत है।

युवकों में मारपीट, सड़क पर लगा जाम

हटा (स्वतंत्र मत)। थाना परिसर से महज 50 कदम की दूरी पर बस स्टैंड मोड़ पर दो युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया और दोनों के बीच जमकर लात घूंसे चलने लगे। सरेराह मारपीट से मौके पर अफरा तफरी मच गई और तमाशबीनों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने बीच बचाव कर दोनों युवकों को अलग किया जिसके बाद मामला शांत हुआ। मारपीट के दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जमा होने से कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित रहा और जाम की स्थिति बन गई। हैरानी की बात यह रही कि थाना परिसर से इतनी कम दूरी पर घटना होने के बावजूद स्टैंड ड्यूटी पर तैनात आरक्षक मौके पर नहीं पहुंचे। वर्तमान में त्योहारी सीजन के चलते बाजार और बस स्टैंड क्षेत्र में पहले से ही भीड़भाड़ बनी हुई है। ऐसे में प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की



मौजूदगी और सतर्कता जरूरी है। थाने के इतने नजदीक सरेराह मारपीट की घटना ने पुलिस की मैदानी सक्रियता और ड्यूटी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्वामित्व योजना में सार्वजनिक जमीन निजी नाम करने का आरोप



ग्रामीणों ने एसडीएम से की शिकायत

हटा (स्वतंत्र मत)। स्वामित्व योजना के तहत ग्राम भिडारी में सार्वजनिक उपयोग की शासकीय आबादी भूमि का स्वामित्व निजी व्यक्ति के नाम दर्ज किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने इसे अनुचित लाभ बताते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार डॉ. आलोक जैन को शिकायत सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया कि ग्राम भिडारी की शासकीय आबादी भूमि खसरा नंबर 323बी, कुल रकबा 1.52 हेक्टेयर में से प्लॉट नंबर 16 (3) रकबा 77 वर्ग मीटर ग्राम के राजा पिता रामेश्वर यादव के नाम स्वामित्व योजना के तहत दर्ज कर प्रमाण पत्र जारी किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त भूमि का उपयोग लंबे समय से सार्वजनिक निस्तार के लिए किया जा रहा है। यहां वाहनों को मोड़ने और खड़ा करने के साथ धार्मिक कार्यक्रम, विवाह समारोह और पंडाल आदि लगाए जाते हैं।

ग्रामीणों ने आशंका जताई कि सार्वजनिक उपयोग की जमीन निजी स्वामित्व में जाने से गांव के लोगों का परंपरागत निस्तार प्रभावित होगा। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित लाभार्थी का उक्त भूमि पर पहले से कब्जा नहीं था। ऐसे में स्वामित्व प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया और भूमि के स्वामित्व संबंधी तथ्यों की जांच जरूरी है।

हमारे लिए वह चिड़िया है, चिड़िया के बच्चों के लिए चिड़िया मां है : डॉ. गणेश राय

दमोह (स्वतंत्र मत)।

कला साहित्य और संस्कृति को समर्पित संस्कार भारती के बैनर तले सम्मान समारोह एवं मां मयी काव्य गोष्ठी संपन्न। हर वर्ष की तरह इस वर्ष का प्रभा स्मृति अलंकरण समारोह सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल कक्ष संस्कार भारती ईकाई जिला दमोह अध्यक्ष डॉ. गणेश राय के संयोजन में संपन्न हुआ। आयोजन की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्राचार्य अर्चना राय एवं मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एव साहित्यकार नरेंद्र दुबे रहे। विशिष्ट अतिथि कवयित्री कुसुम खरे, शिक्षक सुदामा पाठक रहे। सरस्वती पूजन के पश्चात इस वर्ष का प्रभा स्मृति सम्मान सजल विधा में पारंगत सेवानिवृत्त प्राचार्य जेएल राठौर सागर, वरिष्ठ कवियत्री चन्द्रा



नेमा दमोह और प्रो. डॉ. अनिल जैन को प्रदत्त किया गया। द्वितीय सत्र में मां मयी शब्द रचनाओं की अमृत रचनाओं ने सबके हृदय को भाव विभोर कर दिया जिसमें शिक्षिका मधुरता पाराशर ने आंगन में तुलसी के पावन पौधे जैसी मां एधूप में शीतल मंद पवन के झोंके जैसी मां कवयित्री कमलेश शुक्ला ने मां की ममता की तुलना क्या करें जेएल राठौर ने मां की ममता के अस्तित्व से चलता जग अभिराम है। ताहिर दमोही ने हमेशा दर्दों गम से मुझे बचाती है मां की दुआ मुझे इवादत जैसी है वरिष्ठ कवियत्री चन्द्रा नेमा ने मां मुस्कान लिए सा चेहरा, संगीतज्ञ नर्मदा चौरसिया ने वो होते हैं किस्मत वाले जिनकी मां होती है।

एडवोकेट उस्ताद इरफान ने मुझे मुफलिस न समझें भूलकर जहां वाले, मेरे घर में मेरी मां है मुझे कमी कैंसी डॉ संगीता पाराशर ने भोर की पहली किरण से रात के अन्तिम पहर तक, कर्म में संलग्न रहती वो प्यारी मां सीमा जाट ने बस इतनी सी दुआ है मेरी हर जनम मुझे मां का प्यार मिले, आयोजक आराधना राय ने मां एहसास है कुनकुनी धूप का, गणेश राय ने कितनी अच्छी है वह चिड़िया हमारे लिए वह चिड़िया है चिड़िया के बच्चों के लिए चिड़िया मां है।

वरिष्ठ कवि बीएम दुबे ने मां का हरदम सम्मान करोए वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र दुबे ने मां के वक्तव्य से सभी को भाव विभोर कर दिया। साहित्यकार कवि नरेन्द्र अरजरिया, कवयित्री करूणा खरे, आनंद जैन, दिनेश राही शिक्षक सरस्वती विद्यालय के आचार्य एवं प्राचार्य राजीव तिवारी की उपस्थित रही। संचालन बीएम दुबे ने एवं आभार शिक्षिका आराधना राय ने माना।



▸▸ तत्परता से काम कर निरंतर करें मॉनिटरिंग

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आज समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने स्वामित्व योजना, सीएम हेल्पलाइन, हाईकोर्ट में लंबित प्रकरणों, विभागीय योजनाओं तथा आगामी रोजगार वर्ष की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्रियों की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए बताया कि एक दिन में लगभग 3 हजार रजिस्ट्रियां ही पूर्ण हो पाई हैं, जबकि प्रतिदिन 10 हजार से अधिक रजिस्ट्रियां पूर्ण कराने का लक्ष्य है। उन्होंने सभी तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को विशेष प्रयास कर प्रगति बढ़ाने तथा अपर कलेक्टर को प्रतिदिन दोपहर 12 बजे और शाम 4 बजे प्रगति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।



▸▸ बरेला थाने का मामला, निकाला बदमाश का जुलूस

पुलिस को देख छत पर चढ़ा महीनों से फरार बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरेला थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास, मारपीट और लूट के मामले में चार महीने से फरार 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम को देखकर आरोपी 3 मंजिला मकान की छत पर चढ़ गया। उसने पुलिस पर पथराव करने की कोशिश की और गिरफ्तारी से बचने के लिए नीचे कूदने की धमकी देने लगा। लगभग 3 घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे काबू में किया। आरोपी की पहचान राहुल दुबे के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके घर के पास जुलूस निकाला। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि वह घर आया हुआ है। इस पर टीआई संगीता सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचीं।

अराजकता फैलाने वालों को सबक सिखाने आगे आए जनता: सीएम डॉ. मोहन यादव

जबलपुर में निकाली गई लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सोमवार को 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' संकल्प को लेकर जबलपुर के शहीद स्मारक गोल बाजार में आयोजित ढाई कि.मी. से अधिक लंबी पदयात्रा में सहभागिता कर उमड़े जनसैलाब को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह वही कांग्रेस पार्टी है जो नेताजी सुभाषचंद्र बोस की सगी नहीं हुई। जबलपुर में ही कांग्रेस के चुनाव में विजयी होने के बाद जवाहरलाल नेहरू को नेता घोषित किया गया था। जो नेताजी सुभाषचंद्र बोस के नहीं हुए, वह कांग्रेस नेता किसी के भी सगे नहीं हो सकते। मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक मंच से दो बार मंत्री राकेश सिंह का उल्लेख करते हुए आयोजन की सफलता का श्रेय देना उनके संगठनात्मक कौशल, जनसंपर्क और समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर जोड़ने की क्षमता का महत्वपूर्ण प्रमाण माना जा रहा है।



जनता के प्रति व्यक्त किया आभार

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि पदयात्रा में जिस उत्साह और बड़ी संख्या में जनता की सहभागिता देखने को मिली है, वह इस बात का प्रमाण है कि देश की जनता लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ऐतिहासिक पदयात्रा की अभूतपूर्व सफलता के बाद लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने इसमें सहभागी बने समस्त सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों, खेल संघों, छात्र-छात्राओं, मातृशक्ति, युवा साथियों और जबलपुर की जागरूक जनता के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। पदयात्रा में महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंदजी, जगतगुरु राघवदेवाचार्य आदि संतों सहित उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री राकेश सिंह, प्रहलाद पटेल, संपतिया उइके, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ निशांत खरे, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, सांसद आशीष दुबे, सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे आदि उपस्थित रहे।

मप्र हाईकोर्ट के निर्देश के बाद ट्रांसमिशन लाइनों के पास बने निर्माणों पर होगी कार्यवाही

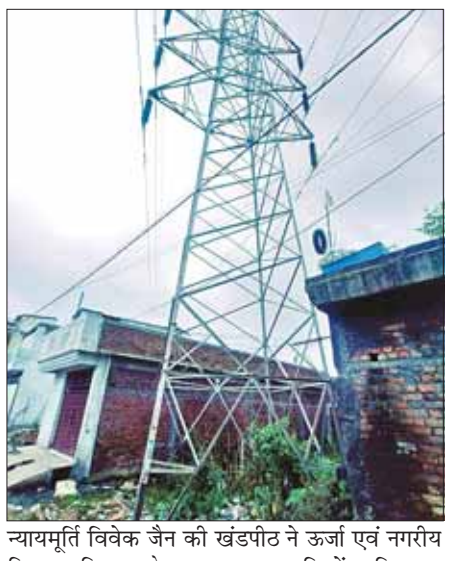
प्रदेश भर में कार्यवाही की तैयारी, एमपी ट्रांसको ने जारी किए 3610 नोटिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर में ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण के मामले में मप्र हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद अब जबलपुर सहित पूरे प्रदेश में भी ऐसे निर्माणों के विरुद्ध कार्यवाही की तैयारी है। एमपी ट्रांसको ने प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 3610 से ज्यादा नोटिस जारी किये हैं। इसी क्रम में राजधानी भोपाल में तीन प्रमुख 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) क्षेत्र में नियम विरुद्ध निर्माण के संबंध में अब तक 853 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) स्थानीय प्रशासन के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाकर संबंधित निर्माणकर्ताओं को विद्युत सुरक्षा मानकों की जानकारी भी देगी। एमपी ट्रांसको भोपाल के अधीक्षण अभियंता श्री सुधीर नेमा ने बताया कि भोपाल-गोविंदपुरा से बैरागढ़ टैप-लालघाटी, भोपाल-आईटी पार्क और भोपाल-अमरावती खुर्द 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के आसपास विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण सामने आए हैं।

हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप होगी कार्यवाही

जबलपुर में प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण की अनुमति दिए जाने के मामले में मप्र हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग के अपर मुख्य सचिवों सहित 10 अधिकारियों से जवाब मांगा है। इसी मामले में हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप भोपाल में भी प्रतिबंधित कॉरिडोर में हुए निर्माणों के संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। एमपी ट्रांसको ने नागरिकों से ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित क्षेत्र में निर्माण नहीं करने की अपील कर कहा कि नियम विरुद्ध निर्माण से जानलेवा विद्युत दुर्घटनाओं के साथ निर्बाध बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है।



हितकारिणी डेंटल की टीम ने लगाया निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा विगत 2 नवंबर को महावीर बाल मंदिर पूर्व माध्यमिक शाला, छापर, रामपुर में निःशुल्क दंत परीक्षण एवं मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 78 बच्चों का दंत परीक्षण किया गया तथा उन्हें दांतों एवं मसूड़ों की उचित देखभाल, सही तरीके से ब्रश करने और दंत रोगों से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं परामर्श प्रदान किया गया। शिविर के दौरान उत्कृष्ट मौखिक स्वच्छता एवं स्वस्थ, स्वच्छ दांतों के लिए एक बच्चे को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पहल का उद्देश्य अन्य बच्चों को भी नियमित दंत देखभाल और अच्छी मौखिक स्वच्छता की आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। यह शिविर कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरवानी एवं डीन डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही मौखिक स्वास्थ्य संबंधी अच्छी आदतों को विकसित करना तथा निवारक दंत चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।



डॉ. अनामिका तिवारी की कृति 'प्याजीले आँसू' का लोकार्पण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विविधा कला सांस्कृतिक अकादमी द्वारा आयोजित हास्य-व्यंग्य नाट्य संग्रह प्याजीले आँसू का लोकार्पण एवं नाट्य मंचन समारोह शहीद स्मारक सभागार में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। प्याजीलें आंसू व्यंग नाट्य संग्रह समीक्षक हिमांशु राय ने कहा आज के तनाव भरे जीवन में हास्य-व्यंग्य किसी औषधि से कम नहीं है। डॉ. अनामिका तिवारी की यह कृति प्याजीले आँसू नाम से ही अपने व्यंग्य की धार को स्पष्ट करती है -हंसी के पीछे छिपा दर्द ही सच्चा व्यंग्य है। मैं लेखिका एवं अकादमी को बधाई देता हूं। अध्यक्षता कर रहे आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे ने कहा कि प्याजीले आँसू केवल नाट्य संग्रह नहीं, बल्कि समाज का दर्पण है। इसमें हास्य के आवरण में गहरी सामाजिक चेतना है, जो पाठक को हँसाते-हँसाते सोचने पर विवश करती है। सारस्वत अतिथि प्राचार्य डॉ. अल्केश चतुर्वेदी जी ने कहा कि महाकौशल की धरती पर इस तरह की सशक्त हास्य-व्यंग्य लेखनी का स्वागत है। यह कृति महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए भी पठनीय है। विशिष्ट अतिथि उमेश वर्मा ने प्रकाशन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कृति को पाठकों तक पहुँचाना गर्व का विषय है। वरिष्ठ व्यंग्यकार प्रतुल श्रीवास्तव जी ने कहा कि डॉ. अनामिका ने महिला दृष्टिकोण से हास्य-व्यंग्य में जो नया प्रयोग किया है, वह अद्वितीय है। राम वनवास नहीं होगा और महिला काव्य सम्मेलन जैसे नाटक आज के समय की सटीक व्यंग्य प्रस्तुति हैं। नाट्य प्रस्तुति का निर्देशन डॉ. अनामिका तिवारी एवं श्री विकी तिवारी ने किया। सरस्वती वंदना प्रीति गर्ग एवं मंच संचालन इंजी. विनोद नयन ने किया। मोती शिवहरे के निर्देशन में गरिमा सोनी एवं काव्या पटेल ने सुंदर नृत्य प्रस्तुतियां दीं। विविधा सचिव एवं कार्यक्रम संयोजक एड. अभिषेक तिवारी ने सभी साहित्य प्रेमियों व कलाकारों के प्रति आभार व्यक्त किया।



ट्रिपलआईटी डीएम की छात्रा ने हॉस्टल में लगाई फांसी, मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। डुमना स्थित पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान अभिकल्पन एवं विनिर्माण यानी पीडीपीएम ट्रिपलआईटी डीएम में एक छात्रा ने फांसी लगा ली। बताया जा रहा है कि सोमवार को दोपहर में उसका शव संस्थान के परिसर स्थित छात्रावास के कमरे में फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद संस्थान में सनसनी फैल गई। इधर संस्थान प्रशासन से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव को फंदे से नीचे उतारा। मृतका की पहचान तेलंगाना निवासी वैष्णवी के रूप में हुई है। वह संस्थान की छात्रा थी और परिसर स्थित छात्रावास में रहती थी। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने छात्रा के परिजनों को सूचना दे दी है और मामले की जांच जारी है।

एनएबीएच की टीम ने किया मेडिकल सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल का निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एनएबीएच की टीम द्वारा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज का 3 दिवसीय निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण में मुख्य निरीक्षणकर्ता डॉ क्लेयर डी मेलो (गोवा) एवं अन्य निरीक्षण कर्ता डॉ गीतीका जस्सल, (गुरूग्राम, हरियाणा) व डॉ मनीष कपूर (नई दिल्ली) शामिल रहे। निरीक्षणकर्ता टीम द्वारा शासकीय स्तर पर उच्च स्तरीय सुविधा प्रदान करने के लिये प्रबंधन को



सराहा गया एवं निरीक्षण उपरांत हॉस्पिटल को छ.ठभ् के मापदण्ड अनुसार संचालन के लिये सुझाव दिये गये, जिसकी रिपोर्ट पृथक से निरीक्षण कमेटी द्वारा प्रेषित की जायेगी। निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता मेडिकल कॉलेज डॉ. नवनीत सक्सेना, संचालक सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल डॉ.अपर्णा तामस्कर, संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय डॉ.अरविन्द शर्मा, अधीक्षक सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल ले.कर्नल डॉ.जितेन्द्र गुप्ता का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर एनएबीएच नोडल अधिकारी डॉ.रश्मि परिहार एवं सभी विभागाध्यक्ष सहित समस्त चिकित्सकों, एमआरडी शाखा, नर्सिंग सवर्ग, पैरामेडिकल संवर्ग, कार्यालयीन स्टॉफ, आउटसोर्स स्टॉफ सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल की सक्रिय भूमिका रही है।

पुष्पा जोसफ का निधन



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर निवासी पुष्पा जोसफ का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। आप टिंचू एवं बबलू जोसफ की माता हैं। अंतिम संस्कार 3 नवंबर को प्रातः 10 बजे हैदराबाद स्थित ग्रेवयार्ड में सम्पन्न होगा।

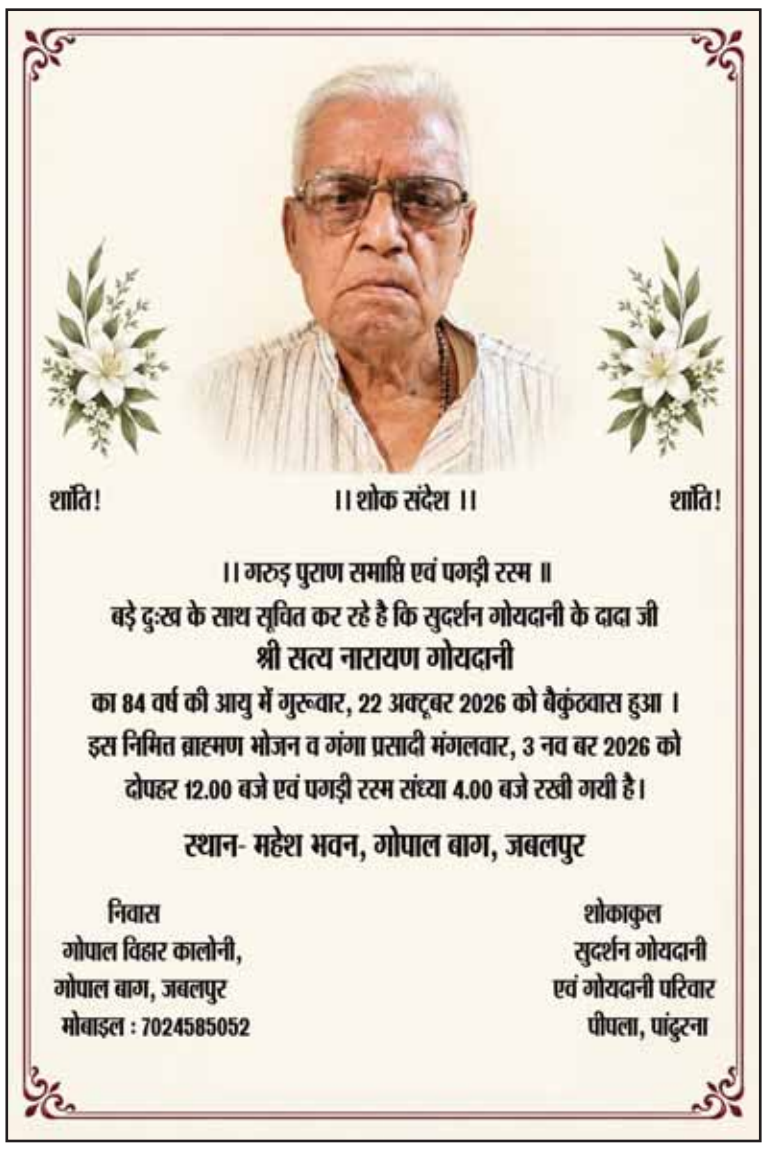
चर्लपल्ली-दानापुर के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, जबलपुर में होगा ठहराव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। त्यौहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए गाड़ी संख्या 07051/07052 चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, जबलपुर, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों पर ठहराव लेकर गंतव्य तक जाएगी।

'बातचीत सबसे अच्छी दवा' अभियान का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जय जगन्नाथ मिशन अन्तर्राष्ट्रीय की विशेष संगठनात्मक संरचना एवं आगामी कार्यक्रमों का स्वरूप निर्धारित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मिशन के आध्यात्मिक मार्गदर्शक एवं संस्थापक डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी ने की। बैठक में महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की चेतना, प्रेम, करुणा, सेवा एवं जनसहभागिता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए दो प्रमुख जनकल्याणकारी कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी ने बताया कि महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की कृपा एवं प्रेरणा से मिशन द्वारा 'बातचीत सबसे अच्छी दवा' नाम से एक विशेष मानवीय एवं सामाजिक पहल प्रारंभ की गई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे लोगों तक पहुँचना है, जो अकेलापन महसूस करते हैं, मानसिक रूप से परेशान हैं अथवा अपने मन की बात किसी से साझा नहीं कर पाते। ऐसे व्यक्ति जय जगन्नाथ मिशन अन्तर्राष्ट्रीय के पदाधिकारियों एवं मन संवाद साथियों को फोन करके बुला सकते हैं। मिशन के प्रतिनिधि उनसे बातचीत करेंगे, उनकी बात सुनेंगे और उन्हें भावनात्मक एवं आध्यात्मिक सहयोग प्रदान करने का प्रयास करेंगे।





राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में हितकारिणी विधि महाविद्यालय की छात्रा ताजवर अंजुम का दबदबा

52 किलोग्राम महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर जीता स्वर्ण पदक





जबलपुर (स्वतंत्र मत)

उच्च शिक्षा विभाग, मप्र द्वारा छतरपुर में विगत 30 एवं 31 अक्टूबरको आयोजित राज्य स्तरीय जूडो महिला, पुरुष प्रतियोगिता में हितकारिणी विधि महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा ताजवर अंजुम ने महिला वर्ग के 52 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया। उनकी इस शानदार उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है।

कई जिलो के खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

उक्त प्रतियोगिता में जबलपुर, शहडोल, उज्जैन, ग्वालियर, सागर, इंदौर, छिंदवाड़ा, गुना एवं रीवा संभाग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभिन्न संभागों के खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबलों में ताजवर अंजुम ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, आत्मविश्वास, शारीरिक दक्षता एवं प्रभावशाली दांव पेच का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकास सिंह, उप प्राचार्य डॉ भावना वर्मा, समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने ताजवर अंजुम को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ताजवर अंजुम भविष्य में भी अपनी प्रतिभा एवं परिश्रम के बल पर नई उपलब्धियां हासिल कर महाविद्यालय का नाम रोशन करेंगी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**